@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
सोमवार, 30 मार्च 2026

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 144 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

•पारंपरिक मुंडू पहनकर पलक्कड़ पहुंचे पीएम मोदी, बोले-

केरल में अब चुनावी माहौल नहीं, जनआंदोलन की लहर

एजेंसी
पलक्कड़। केरल विधानसभा चुनाव के मद्देनजर राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को केरल के पलक्कड़ पहुंचे, जहां उन्होंने एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान प्रधानमंत्री पारंपरिक केरल वेशभूषा मुंडू (धोती) पहने नजर आए। जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'उन्हें केरल में एक नई ऊर्जा और बदलाव की लहर महसूस हो रही है। उन्होंने इस बदलाव का श्रेय राज्य की जनता और भारतीय जनता पार्टी के लाखों कार्यकर्ताओं

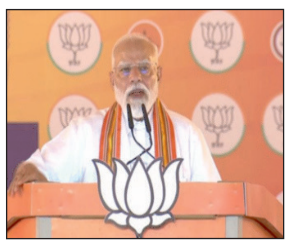

की मेहनत को दिया।' उन्होंने कहा कि कई कार्यकर्ताओं ने राजनीतिक हिंसा के कारण अपने प्राण गंवाए हैं और उन्होंने मंच से उन सभी को श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री ने कहा कि केरल अब बदलाव का संदेश दे रहा है। उन्होंने दावा किया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है और लोगों का भरोसा भाजपा पर मजबूत हो रहा है। उन्होंने सभा में मौजूद भारी भीड़ को इस बदलाव का संकेत बताते हुए कहा कि यह सिर्फ चुनावी माहौल नहीं, बल्कि एक जनआंदोलन का रूप ले चुका है। उन्होंने कहा कि राज्य के युवा, महिलाएं और किसान अब भाजपा और एनडीए के साथ खड़े नजर आ रहे हैं।

अपने भाषण में प्रधानमंत्री ने पलक्कड़ की प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक विरासत की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि पलक्कड़ को केरल का प्रवेश द्वार कहा जाता है और यहां की हरियाली, परंपराएं और मेहनतकश लोग इसे विशेष बनाते हैं।

उन्होंने कल्पथी मंदिर का उल्लेख करते हुए कहा कि इसकी तुलना अक्सर काशी से की जाती है और काशी से सांसद होने के नाते यह उनके लिए विशेष महत्व रखता है।

असम से हर घुसपैठिए की पहचान कर हटाएंगे : अमित शाह

•जो लोग अवैध रूप से घुसे हैं, उन्हें भी असम से हटाया जाए। -अमित शाह

एजेंसी
सोनितपुर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को असम के सोनितपुर में चुनावी सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि हम अभी तक असम से घुसपैठियों को हटाने में सफल नहीं हुए हैं। अगले 5 सालों में हम अपने राज्य से हर घुसपैठिए की पहचान करने और उसे हटाने का संकल्प लेते हैं। सोनितपुर रैली में भाजपा प्रत्याशियों के लिए वोट मांगते हुए अमित शाह ने जनता से कहा, 'आपको ऐसे असम के लिए वोट देना चाहिए जो घुसपैठियों से मुक्त हो। आपको एक शांतिपूर्ण और विकसित असम के लिए वोट देना चाहिए। आपको असम के युवाओं के लिए अवसरों और रोजगार के लिए वोट देना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'एक तरफ भाजपा है, जिसने पिछले दस सालों में असम को आतंकवाद से मुक्त किया है।

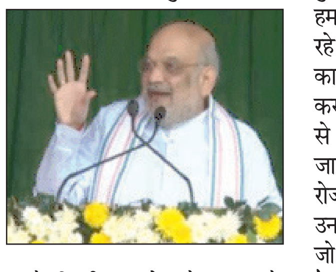

इसके विपरीत, कांग्रेस के शासन के दौरान असम ने बम धमाके, गोलीबारी और कई युवाओं की दुखद मौतें देखीं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हमने असम में शांति स्थापित की है और 10,000 युवाओं को हथियार छोड़ने और एक बेहतर भविष्य अपनाने में मदद की है।' जनसभा में अमित शाह ने घुसपैठ का मुद्दा उठाते हुए कहा, 'हम अभी तक असम से घुसपैठियों को हटाने में सफल नहीं हुए हैं। हालांकि, पिछले दस सालों में हम और घुसपैठ रोकने में कामयाब रहे हैं। लेकिन सिर्फ घुसपैठ रोकना ही काफी नहीं है। हमें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि जो लोग अवैध रूप से घुसे हैं, उन्हें भी असम से हटाया जाए। ये घुसपैठिए हमारे युवाओं से रोजगार के अवसर छीन रहे हैं और उन संसाधनों का उपभोग कर रहे हैं जो सही मायने में असम के लोगों के हैं।' उन्होंने कहा कि असम की जमीन पर घुसपैठियों का कोई वैध दावा नहीं है। जनता से समर्थन मांगते हुए अमित शाह ने कहा कि अगले 5 सालों में हम अपने राज्य से हर घुसपैठिए की पहचान करने और उसे हटाने का संकल्प लेते हैं।

छत्तीसगढ़ के सुकमा में मुठभेड़, पांच लाख का ईनामी नक्सली कमांडर मूचाकी कैलाश ढेर

सुकमा। सुकमा जिले के पोलमपल्ली थाना क्षेत्र के जंगलों में रविवार सुबह पुलिस और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली है। मुठभेड़ में 5 लाख का इनामी नक्सली कमांडर मारा गया है।सुकमा के एसपी किरण चव्हाण ने बताया कि माओवादियों की मौजूदगी की सूचना पर डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड) की टीम ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया था। इसी दौरान जंगल-पहाड़ी क्षेत्र में जवानों और नक्सलियों के बीच रुक-रुक कर फायरिंग हुई। मुठभेड़ के बाद इलाके की तलाशी लेने पर एक नक्सली का शव हथियार सहित बरामद किया गया। मृत नक्सली की पहचान 5 लाख रुपये के इनामी पीपीसीएम कैडर के प्लाटून नंबर 31 के सेक्शन कमांडर मूचाकी कैलाश के रूप में हुई है। वह पूलनपाड़ गांव, चिंतलनार थाना क्षेत्र का निवासी था।

संक्षिप्त समाचार

हादसे के बाद कार में लगी आग

•एक ही परिवार के तीन लोगों की जलकर मौत

एजेंसी
बालाघाट। मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले में दुर्घटना के बाद कार में आग लगने से एक ही परिवार के तीन सदस्यों की जिंदा जलकर मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से झुलस गए। हालांकि, 3 लोगों को राहगीरों ने कड़ी मशक्कत के बाद सुरक्षित बचा लिया। यह दुखद घटना शनिवार देर रात बैहर-मलजखंड सड़क पर केवलारी चौराहे के पास घटी। जानकारी के मुताबिक, कार को सीताम केलकर (30) चला रहे थे, तभी कार एक मोड़ पर अनियंत्रित होकर सड़क से उतर गई और एक ढलान से नीचे गिर गई। कार में तुरंत आग लग गई और लपटें इतनी तेजी से फैली कि उसमें सवार लोगों को बचने का समय नहीं मिला। प्रत्यक्षदर्शियों का संदेह है कि चालक को शायद कुछ क्षणों के लिए झपकी आ गई थी, जिसके कारण उसने नियंत्रण खो दिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सीताम केलकर अपने पैतृक गांव पोंडी (परसवाड़ा) से पौनी लौट रहा था, जहां वह एक वेल्डिंग की दुकान चलाता है। वह तीन दिन पहले अपनी पत्नी और बच्चे के साथ पुडुचेरी गया थे और देर रात अपने माता-पिता के साथ लौट रहा था। उनके साथ एक 8 वर्षीय पड़ोसी की बच्ची भी थी जो पौनी स्थित अपने घर लौट रही थी। मौके पर पहुंचे लोगों ने खिड़की के शीशे तोड़ दिए और भीषण आग के बीच तीन लोगों को बाहर निकाला। तीनों बुरी तरह झुलस गए थे और पुलिस ने उन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया।

संयुक्त राष्ट्र से इज़राइल-अमेरिका और ईरान युद्ध रोकने तथा परमाणु स्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग

कौमी पत्रिका
नई दिल्ली (न्यूज़ वार्ता) 29 मार्च ~ ज्यूडिशियल काउंसिल ने संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस को ईमेल के माध्यम से एक अत्यंत गंभीर और तात्कालिक पत्र भेजते हुए इज़राइल – अमेरिका और ईरान के बीच तेजी से बढ़ते सशस्त्र युद्ध पर गहरी चिंता व्यक्त की है। कड़े शब्दों में लिखे गए इस पत्र में ज्यूडिशियल काउंसिल ने चेतावनी दी है कि स्थिति अब अत्यंत गंभीर और खतरनाक मोड़ पर पहुंच चुकी है, जो न केवल क्षेत्रीय स्थिरता बल्कि वैश्विक शांति, पर्यावरणीय सुरक्षा और मानव अस्तित्व के लिए सीधा खतरा है। विशेष रूप से चिंताजनक वे विश्वसनीय रिपोर्टें हैं, जिनसे संकेत मिलता है कि सैन्य अभियान संवेदनशील परमाणु स्थलों के अत्यंत निकट हमले हो चुके हैं। ज्यूडिशियल काउंसिल ने जोर देकर कहा कि ऐसे किसी भी परमाणु प्रतिष्ठान पर जानबूझकर या आकस्मिक हमला विनाशकारी परिणाम उत्पन्न कर सकता है, जिसमें रेडियोधर्मी प्रदूषण, व्यापक पर्यावरणीय विनाश और सीमाओं के पार करोड़ों लोगों के स्वास्थ्य पर दीर्घकालिक खतरे शामिल हैं। ज्यूडिशियल काउंसिल के चेयरमैन राजीव अग्निहोत्री ने रेखांकित किया कि परमाणु अवसंरचना को निशाना बनाना अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के मूल सिद्धांतों का गंभीर उल्लंघन होगा। उन्होंने इसे एक अस्वीकार्य उकसावे की कार्रवाई बताया, जिसके मानवता और पृथ्वी पर दूरगामी और अपरिवर्तनीय परिणाम होंगे । बढ़ते संकट को देखते हुए, ज्यूडिशियल काउंसिल ने महासचिव से तुरंत और निर्णायक

कदम उठाने की मांग की है, जिनमें शामिल हैं~ तत्काल युद्धविराम~ सभी संबंधित पक्षों से बिना शर्त और तत्काल युद्धविराम लागू करने की अपील, ताकि जान-माल की और क्षति रोकी जा सके। परमाणु स्थलों की सुरक्षा~ परमाणु प्रतिष्ठानों पर किसी भी प्रकार के हमले पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने हेतु एक मजबूत और बाध्यकारी अंतरराष्ट्रीय निर्देश जारी किया जाए, तथा इन्हें अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत संरक्षित क्षेत्र घोषित किया जाए। सुरक्षा परिषद की आपात बैठक~ संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की तात्कालिक बैठक बुलाकर स्थिति पर विचार-विमर्श और ठोस तनाव-निरोधक कदम सुनिश्चित किए जाएं। विशेषज्ञ दल की तैनाती~ परमाणु सुरक्षा और विकिरण विशेषज्ञों सहित अंतरराष्ट्रीय टीमों को तुरंत भेजा जाए, ताकि जोखिम का आकलन किया जा सके और वैश्विक सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित हो। कूटनीतिक संवाद को बढ़ावा~ अंतरराष्ट्रीय कानून और संप्रभुता के सम्मान के आधार पर शांतिपूर्ण समाधान के लिए तत्काल वार्ता शुरू की जाए और मध्यस्थता की जाए।

वैश्विक मानवीय और पर्यावरणीय आपदा की चेतावनी

महासचिव को संबोधित करते हुए, चेयरमैन श्री अग्निहोत्री ने चेतावनी दी कि वर्तमान युद्ध अभूतपूर्व मानवीय और पर्यावरणीय आपदा का रूप ले सकता है। परमाणु प्रतिष्ठानों को किसी भी प्रकार की क्षति तत्काल युद्ध विनाश से कहीं अधिक गंभीर परिणाम उत्पन्न कर सकती है, जिसका प्रभाव आने वाली पीढ़ियों और वैश्विक पारिस्थितिक संतुलन पर पड़ेगा। ज्यूडिशियल काउंसिल ने विश्वास व्यक्त किया कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा समय पर और निर्णायक हस्तक्षेप इस संकट को और बढ़ने से रोक सकता है तथा वैश्विक शांति और सुरक्षा बनाए रखने वाली अंतरराष्ट्रीय व्यवस्थाओं में विश्वास बहाल कर सकता है। ज्यूडिशियल काउंसिल के चेयरमैन श्री राजीव अग्निहोत्री ने कहा कि इस संकट की घड़ी में विश्व समुदाय आपकी नेतृत्व क्षमता की ओर देख रहा है, और महासचिव से अत्यधिक तात्कालिकता और दृढ़ता के साथ कार्रवाई करने का आग्रह किया ताकि संघर्ष को रोका जा सके और हर हाल में परमाणु सुरक्षा को बनाए रखा जा सके। श्री अग्निहोत्री ने यह भी उल्लेख किया कि इस मामले को अत्यंत तात्कालिक माना जाए, और दोहराया कि मानवता को अपरिवर्तनीय नुकसान से बचाने के लिए वैश्विक स्तर पर शीघ्र कार्रवाई आवश्यक है।

पीएम मोदी की रैली में भीड़ जुटाने को सरकारी कर्मचारियों व संसाधनों का लेना पड़ा सहारा : अखिलेश यादव

•अखिलेश ने सपा नेता राजकुमार भाटी की सराहना भी की।

एजेंसी
दादरी। समाजवादी पार्टी ने दादरी में 'समाजवादी समानता भाईचारा' रैली के जरिए शक्ति प्रदर्शन किया, जहां पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए पीएम मोदी की रैलियों में भीड़ जुटाने के तौर-तरीकों से लेकर विकास के दावों तक कई सवाल खड़े किए।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि पीएम मोदी की रैली में भीड़ जुटाने के लिए सरकारी कर्मचारियों और संसाधनों का सहारा लेना पड़ा है। दादरी में आयोजित सपा की रैली में बड़ी संख्या में जुटे समर्थकों को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने मंच से कहा कि पूरे पंडाल में पार्टी के झंडे का लाल रंग छाया हुआ दिख रहा है, जो कार्यकर्ताओं के उत्साह का प्रतीक है। आयोजन को सफल बनाने के लिए उन्होंने सपा नेता राजकुमार भाटी की सराहना भी की। अपने संबोधन में उन्होंने बिना नाम लिए भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि सपा की इस रैली की चर्चा ने विरोधियों को असहज कर दिया। उनका आरोप था कि इसी दबाव में विपक्षी दलों ने सपा की रैली से पहले अपनी रैली आयोजित की लेकिन वहां भीड़ स्वाभाविक नहीं थी बल्कि लोगों को जुटाया गया था। उन्होंने कहा कि आज के दौर में कैमरों से कुछ भी छिपा नहीं रह सकता और सच्चाई सामने आ ही जाती है।

मल्लिकार्जुन खड़गे के असम दौरे को लेकर मुख्यमंत्री ने साधा निशाना

•चुनाव 26 : कार्बी आंगलोंग के चार विस क्षेत्रों में विजय संकल्प सभाओं में डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा ने लिया हिस्सा

एजेंसी
कार्बी आंगलोंग। असम विधानसभा चुनाव में चुनाव प्रचार के लिए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के असम दौरे को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा ने रविवार को तंज कसा। उन्होंने पार्टी के नेतृत्व चुनाव और खड़गे के पुराने रुख पर गंभीर सवाल उठाए। ज्ञात हो कि, आज राज्य के पहाड़ी जिला कार्बी आंगलोंग के बोकाजान विधानसभा, डिफू विधानसभा, हावराघाट विधानसभा और आमरी विधानसभा क्षेत्र में कुल चार चुनावी विजय संकल्प सभाओं में मुख्यमंत्री ने हिस्सा लिया। सभाओं में उपस्थित लोगों की उपस्थिति को

देखकर मुख्यमंत्री काफी उत्साहित दिखे। उन्होंने कहा कि भाजपा की जीत पूरी तरह से सुनिश्चित है। इस दौरान मीडिया को संबोधित करते हुए डॉ. सरमा ने कहा कि कांग्रेस ने असम में खड़गे को प्रचार के मुख्य चेहरे के तौर पर पेश करके एक रणनीतिक गलती की है। मुख्यमंत्री ने टिप्पणी की कि खड़गे को लाकर कांग्रेस ने अपने ही पैरों पर कुल्हाड़ी मार ली है। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि खड़गे ने पहले असम के सांस्कृतिक प्रतीक भूपेन हजारिका को भारत रत्न दिए जाने का विरोध किया था। डॉ. सरमा ने यह भी कहा कि खड़गे ने असम में प्रस्तावित सेमीकंडक्टर प्रोजेक्ट की स्थापना का भी विरोध किया था। राज्य सरकार ने इस पहल को औद्योगिक और तकनीकी प्रगति की दिशा में एक बड़ा कदम बताया है। कांग्रेस पार्टी की प्रचार रणनीति पर चिंता जताते हुए मुख्यमंत्री ने पूछा कि क्या यह उस तरह का व्यक्ति है जिसे आप असम में स्टार प्रचारक बनाते हैं?

'मन की बात' में स्थिरता का भरोसा, वैश्विक चुनौतियों से निपटने को तैयार भारत: नितिन नवीन

'वैश्विक तनावों के बावजूद भारत पूरी तरह स्थिर हैं'

एजेंसी
गुवाहाटी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने रविवार को डिब्रूगढ़ हवाई अड्डे पर पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 132वें एपिसोड को सामूहिक रूप से सुना। कार्यक्रम के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए नितिन नवीन ने कहा कि प्रधानमंत्री ने देशवासियों को आश्वस्त किया है कि वैश्विक तनावों के बावजूद भारत पूरी तरह स्थिर है और किसी भी उभरती चुनौती का सामना करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने स्पष्ट रूप से जनता से अपील की है कि घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में बताया कि भारत के विभिन्न देशों के साथ मजबूत कूटनीतिक संबंधों के कारण स्थिति सामान्य बनी हुई है। उन्होंने जानकारी दी कि 20 से अधिक तेल और गैस ले जाने वाले जहाज सुरक्षित रूप से भारत पहुंच चुके हैं, जबकि कई अन्य रास्ते में हैं, जिससे देश में ईंधन की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित है।

चंडीगढ़ में हल्की बूंदाबांदी से सुहावना हुआ मौसम

•पंजाब के कई जिला में बारिश का अलर्ट

एजेंसी
चंडीगढ़। पंजाब और चंडीगढ़ में रविवार को अचानक मौसम बदलने से लोगों का संडे सुहावना हो गया। चंडीगढ़ में बूंदाबांदी हुई। वहीं जालंधर, मोहाली, लुधियाना, पठानकोट के कई इलाकों में सुबह से बारिश हो रही है। बाकी जिलों में भी बादल छाए हुए हैं और हवाएं चल रही हैं। मौसम में आए बदलाव से लोगों को गर्मी से राहत मिली है। मौसम विभाग ने 29 और 30 मार्च के लिए पंजाब के सभी जिलों समेत चंडीगढ़ में बारिश और गरज-चमक के साथ तेज हवाएं चलने का यलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक वेस्टर्न डिस्टर्बेंस पहाड़ों पर पहुंच गया है। इस वजह से यह बदलाव आया है। बारिश के बीच

जालंधर के पंजाबी बाग, बसंत नगर, कपूरथला रोड, लेदर कॉम्पलैक्स समेत कई इलाकों में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक बिजली कट लगा दिया गया है। हालांकि इसके पीछे मेंटिनेंस का हवाला दिया गया है। पठानकोट, गुरदासपुर, अमृतसर, होशियारपुर, नवांशहर (शहीद भगत सिंह नगर), रूपनगर और मोहाली में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। वहीं तरनतारन, कपूरथला, जालंधर, फिरोजपुर, फाजिल्का, फरीदकोट, मुक्तसर, मोगा, बठिंडा, लुधियाना, बरनाला, मानसा, संगरूर, फतेहगढ़ साहिब, पटियाला में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है।

भारत में हवाई सेवाओं का विस्तार अकल्पनीय, अब हर तबके के लिए संभव हुई हवाई यात्रा : मुख्यमंत्री

•लोकमाता अहिल्याबाई का जीवन हमें लोककल्याण का मार्ग दिखाता है : डॉ. मोहन यादव

एजेंसी
भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भारत में हवाई सेवाओं का विस्तार जितनी तेजी से हो रहा है वह अकल्पनीय है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता ने देश के विमानन क्षेत्र का कायाकल्प किया है। प्रधानमंत्री की दूरगामी सोच और दूरदर्शिता का ही परिणाम है कि आज समाज के हर तबके के लिए हवाई यात्रा संभव हुई है। अब हवाई चप्पल पहनने वाला व्यक्ति भी हवाई जहाज की यात्रा करने में समर्थ्य हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को इन्दौर में लोकमाता अहिल्याबाई इन्टरनेशनल एयरपोर्ट में आयोजित कार्यक्रम को

संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई का जीवन हमें लोककल्याण का मार्ग दिखाता है। लोकमाता के पद चिन्हों पर चलकर प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हम जनसेवा के नए कदम बढ़ा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश में पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा की शुरुआत भी की गई है, इससे गंभीर बीमारियों से ग्रसित मरीजों को त्वरित उपचार के लिए हायर सेंटर पहुंचाया जा रहा हैं। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इन्दौर एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 का लोकार्पण कर इन्दौरवासियों सहित पूरे मालवांचल को अत्याधुनिक टर्मिनल की सौगात दी। उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुविधाओं को लगातार बढ़ाया जा रहा है, जिससे हवाई यात्रा और भी अधिक सुगम एवं सुविधाजनक बनेगी। यह नया टर्मिनल इन्दौर को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मानचित्र पर और मजबूती के साथ प्रतिस्थापित करेगा।

इंदौर शहर की बेहतरीन हवाई सुविधाओं को अमेरिका क्वॉलिटी कॉउंसिल ने क्वॉलिटी सर्टिफिकेट से सम्मानित किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कॉउंसिल की ओर से दिया गया क्वालिटी सार्टिफिकेट ऑफ रजिस्ट्रेशन इन्दौर एयरपोर्ट के पदाधिकारियों को सौंपकर बधाई दी।

भारतीय नौसेना ने आईओएनएस समुद्री अभ्यास में की मेजबानी

•16 देशों ने लिया हिस्सा

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय नौसेना ने 27 मार्च 2026 को कोच्चि स्थित दक्षिणी नौसेना कमान के मैरीटाइम वारफेयर सेंटर में आईओएनएस मैरीटाइम एक्सरसाइज (आईएमईएक्स) टेबल-टॉप एक्सरसाइज (टीटीएक्स) 2026 का आयोजन किया। इस उच्च स्तरीय बैठक में हिंद महासागर नौसेना संगोष्ठी (आईओएनएस) से जुड़े देशों की नौसेनाओं के प्रतिनिधि, आईओएस सागर के अंतरराष्ट्रीय अधिकारी और भारतीय नौसेना के अधिकारी शामिल हुए। इस दौरान हिंद महासागर क्षेत्र में उभर रही गैर-पारंपरिक समुद्री सुरक्षा चुनौतियों पर चर्चा की गई।

इस अभ्यास में बांग्लादेश, फ्रांस, इंडोनेशिया, केन्या, मालदीव, मॉरीशस, म्यांमार, सेशेल्स, सिंगापुर, श्रीलंका, तंजानिया और तिमोर-लेस्ते के देशों ने भाग लिया। यह विविध बहुराष्ट्रीय प्रतिनिधित्व पूरे क्षेत्र में आपसी विश्वास को बढ़ावा देने और सहयोगात्मक समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने की साझा प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। सोलह वर्षों के अंतराल के बाद भारत द्वारा 2026-2028 चक्र के लिए आईओएनएस की अध्यक्षता ग्रहण करने के साथ, आईएमईएक्स टीटीएक्स 2026 क्षेत्रीय समुद्री नेतृत्व को मजबूत करने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह अभ्यास एक आधुनिक सिमुलेशन वातावरण में किया गया।

बिहार बोर्ड माध्यमिक परीक्षा का परिणाम जारी, 81.79 प्रतिशत छात्र सफल, दो छात्राओं ने संयुक्त रूप से किया टॉप

पटना। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति (बीएसईबी) ने रविवार को मैट्रिक वार्षिक परीक्षा 2026 का परिणाम जारी कर दिया। राज्य के शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने बोर्ड अध्यक्ष आनंद किशोर की मौजूदगी में नतीजों की घोषणा की। इस वर्ष कुल 81.79 प्रतिशत परीक्षार्थी सफल हुए हैं, जो पिछले साल के 82.11 प्रतिशत के मुकाबले थोड़ा कम है। लगातार आठवें वर्ष बिहार बोर्ड ने देश में सबसे पहले मैट्रिक परीक्षा का परिणाम जारी कर एक बार फिर रिकॉर्ड कायम किया है। शिक्षा मंत्री ने बताया कि बिहार देश का पहला राज्य बन गया है जहां मार्च महीने में ही इंटर और मैट्रिक दोनों परीक्षाओं के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि मात्र 12 दिनों के मूल्यांकन कार्य के बाद परिणाम जारी करना बोर्ड की बड़ी उपलब्धि है। इस वर्ष परीक्षा में दो छात्राओं ने संयुक्त रूप से टॉप किया है। दूसरे स्थान पर बेगूसराय की नाहिद सुल्ताना रहीं, जिन्होंने 489 अंक (97.8 प्रतिशत) प्राप्त किए। तीसरे स्थान पर बक्सर की अनूपा कुमारी और बेगूसराय के ओम कुमार रहे, जिन्हें 488 अंक (97.6 प्रतिशत) मिले। चौथे स्थान पर समस्तीपुर की ज्योति कुमारी, बांका के अनुभव कुमार और पूर्णिया के अंश राज ने 487 अंक (97.4 प्रतिशत) हासिल किए। वहीं, पांचवें स्थान पर बेगूसराय की प्रेरणा कुमारी, भोजपुर की नसरीन परवीन, बेगूसराय के अवनीश कुमार, कैमूर के विकास कुमार गुप्ता और सहरसा के रुपेश कुमार शामिल रहे, जिन्होंने 486 अंक (97.2 प्रतिशत) प्राप्त किए।

•जमुई क सिमतु आवासय विय क पुपांजं कुमार अर वैशा क चराई ति च मायमिक विय क सबरन परवन ने 2 अंक (8. पतिशत) हासि कर पहा ान पा किया

तमिलनाडु के प्रसिद्ध मंदिर की छत गिरी, महिला श्रद्धालु की मौत, दो घायल

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के त्रिची में प्रसिद्ध सामयापुरम मरियम्मन मंदिर के मंडपम में सो रही एक महिला श्रद्धालु की छत का हिस्सा गिरने से मौत हो गई। सामयापुरम मरियम्मन मंदिर तमिलनाडु के सबसे बड़े शक्ति मंदिरों में से एक है। दूर-दूर से श्रद्धालु पैदल चलकर यहां आते हैं, रात को मंडपम में रुकते हैं और सुबह माता मरियम्मन के दर्शन करते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक थंजावुर जिले से अपने परिजनों के साथ आई नथिया (32) अन्य श्रद्धालुओं के साथ मंडपम में सो रही थी। रात को अचानक छत का एक बड़ा हिस्सा टूटकर तीन महिलाओं पर आ गिर गया। नथिया को भी इस हादसे में गंभीर चोटें आईं उसकी मौके पर ही उनकी मौत हो गई। दो अन्य महिलाओं को वहां मौजूद दूसरे श्रद्धालुओं ने बचाया और अस्पताल पहुंचाया जहां उनका इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। यह सवाल उठ रहे हैं कि इतने बड़े और प्रसिद्ध मंदिर में इमारत की नियमित जांच क्यों नहीं होती और श्रद्धालुओं की सुरक्षा का जिम्मा कौन लेगा। यह हादसा उस वक्त हुआ जब मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे। एक तरफ जहां लोग आस्था लेकर आते हैं वहीं इस तरह की घटनाएं मंदिर प्रशासन की लापरवाही पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं।

पटना के दलदली रोड में भीषण अग्निकांड, मकान में फंसे 4 लोग, फायरकर्मियों ने किया रेस्क्यू

पटना (एजेंसी)। राजधानी के गांधी मैदान थाना क्षेत्र अंतर्गत दलदली रोड में शनिवार देर रात एक आवासीय मकान में भीषण आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। यह घटना रात करीब 2:30 बजे की है, जब प्रेम कुमार नामक व्यक्ति के मकान में अचानक आग की लपटें उठने लगीं। देखते ही देखते आग ने इतना विकराल रूप धारण कर लिया कि महज पांच मिनट के भीतर पूरी बिल्डिंग धू-धू कर जलने लगी। आग की तेज लपटों और धुएं के गुबार को देखकर आसपास के घरों के लोग और दुकानदार जान बचाकर बाहर की ओर भागे। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। अनुमंडल अग्निशमन पदाधिकारी अजीत कुमार ने बताया कि संकरी गलियां और पतले रास्ते होने के कारण दमकल वाहनों को घटनास्थल तक पहुंचने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। दमकल कर्मियों ने करीब ढाई घंटे की कड़ी मेहनत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया।हालांकि, जब तक आग बुझाई जा सकी, तब तक मकान के भीतर रखा सारा कीमती सामान जलकर राख हो चुका था। इस हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन संपत्ति का भारी नुकसान हुआ है। शुरुआती जांच में आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है, प्रशासन मामले की जांच कर रहा है।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने और ब्लैकमेलिंग मामले का आरोपी गिरफ्तार

नूंह (एजेंसी)। हरियाणा के फिरोजपुर झिरका क्षेत्र में शादी का झांसा देकर दुष्कर्म, अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल और धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाने का गंभीर मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, 28 मार्च को सिटी थाना फिरोजपुर झिरका में मामला दर्ज किया गया। यह केस हरियाणा धर्म परिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम 2022 और भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत दर्ज किया गया है। इस संबंध में शिकायतकर्ता महिला, जो पंजाबी समुदाय से बताई जा रही है, ने आरोप लगाया है, कि आरोपी जाहिर पुत्र यूनुस ने पहले उससे ऑनलाइन दोस्ती की। बाद में शादी का झांसा देकर उसे मेवात क्षेत्र में बुलाया, जहां एक होटल में उसके साथ जबरदस्ती दुष्कर्म किया गया। पीड़िता का कहना है कि आरोपी ने घटना के दौरान अश्लील वीडियो बना लिया और बाद में उसी के जरिए उसे ब्लैकमेल करने लगा। आरोप है कि आरोपी लगातार धर्म परिवर्तन के लिए दबाव डालता रहा और विरोध करने पर उसके साथ मारपीट भी की गई। शिकायत में यह भी उल्लेख है कि आरोपी ने महिला को धमकाकर वहां से भगा दिया। इसके बाद पीड़िता ने पुलिस से संपर्क कर पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी और न्याय की मांग की। पुलिस ने आरोपी की पहचान जाहिर पुत्र यूनुस, निवासी फिरोजपुर झिरका के रूप में की है और उसे गिरफ्तार कर लिया है। मामले की जानकारी देते हुए डीएसपी अजायब सिंह ने बताया कि पीड़िता के बयान के आधार पर केस दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है। उन्होंने कहा कि आरोपी को अदालत में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा, ताकि मामले के सभी पहलुओं की गहराई से जांच की जा सके। पुलिस का कहना है कि साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

बीजेपी सांसद और विधायक ने किया कई विकास परियोजनाओं का शुभारंभ

-पालम की बदलेगी तस्वीर, भविष्य की योजनाओं पर होगा तेजी से काम

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण दिल्ली से बीजेपी सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी और विधायक कुलदीप सोलंकी ने शनिवार को 12 करोड़ रुपए से ज्यादा की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का औपचारिक शुभारंभ किया। इन योजनाओं के तहत क्षेत्र की बुनियादी सुविधाओं, जैसे सड़कों, गलियों, नालियों और पार्कों को आधुनिक और बेहतर बनाया जाएगा। एक शिलान्यास समारोह के दौरान बिधूड़ी और सोलंकी ने विकास कार्यों की नींव रखी। इस बजट से पालम गांव में होगी सड़क और ड्रेनेज (जल निकासी) व्यवस्था का सुदृढ़ीकरण, क्षेत्र के पार्कों में दो नए जिम और बच्चों के लिए लगाए जाएंगे झूले, राजनगर की गलियों का पुनर्निर्माण, गोकल गार्डन की सड़क, शिक्षा भारती से रामफल चौक तक की सड़क, सेक्टर-7 की मुख्य रोड और वर्धमान माल से दादा देव श्मशान घाट तक की सड़क का निर्माण कार्य शामिल है। सांसद बिधूड़ी ने कहा कि दिल्ली सरकार क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने जानकारी दी कि दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता ने पूरे पालम विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों के लिए कुल 187 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं। उन्होंने पिछले एक साल की उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा कि दिल्ली में आरोग्य मंदिर, इलेक्ट्रिक बसें, अटल कैंटीन और स्कूलों में कंप्यूटर जैसी सुविधाओं पर तेजी से काम हुआ है। उन्होंने भविष्य की योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि आने वाले दिनों में यमुना की सफाई, सीवर मास्टर प्लान और पानी की पुरानी पाइपलाइनों को बदलने जैसी बड़ी परियोजनाएं शुरू हो रही हैं। इन कार्यों के पूरा होने से दिल्ली तेजी से विकास के पथ पर दौड़ती नजर आएगी।

पुरुलिया रैली को संबोधित करते हुए ममता ने कहा...

बंगाल में अगर बीजेपी आई तो लोग मछली, मांस और अंडे नहीं खा पाएंगे

कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख और सीएम ममता बनर्जी ने रविवार को पश्चिम बंगाल के पुरुलिया में आयोजित एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, कि यदि बीजेपी राज्य में सत्ता में आती है, तो वह बंगाल की पारंपरिक खान-पान संस्कृति पर रोक लगा सकती है। बीजेपी के आने पर लोग मछली, मांस और अंडे नहीं खा पाएंगे।

रैली को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि भाजपा ऐसे विचारों को बढ़ावा देती है, जिनमें मछली, मांस और अंडे जैसे खाद्य पदार्थों के सेवन पर प्रतिबंध की बात कही जाती है। उन्होंने दावा किया कि यह बंगाल की सांस्कृतिक पहचान पर सीधा हमला होगा। उन्होंने भाजपा पर धार्मिक और जातीय विभाजन करने के साथ ही दंगे भड़काने के आरोप भी लगाए।

टीएमसी सुप्रीमो ममता ने बीजेपी शासित राज्यों का जिक्र करते हुए कहा कि वहां आदिवासियों का शोषण होता है और महिलाओं की सुरक्षा पर सवाल उठते हैं। अपने भाषण में ममता बनर्जी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर भी सीधा निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बीजेपी नेताओं द्वारा टीएमसी के खिलाफ जारी की गई 'चार्जशीट' निराधार है और असल में भाजपा को अपने पिछले रिकॉर्ड का जवाब देना चाहिए। उन्होंने गुजरात के दंगों का जिक्र करते हुए बीजेपी की आलोचना की।

इसके साथ ही ममता बनर्जी ने राज्य सरकार की 'लक्ष्मी भंडार' योजना की सराहना करते हुए कहा कि इससे महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी चुनाव से पहले लाभ देने का वादा करती है, लेकिन बाद में योजनाओं को बंद कर देती है।

चुनाव आयोग की प्रक्रिया 'स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन' (एसआईआर) पर भी सवाल उठाते हुए उन्होंने दावा किया कि करीब 1.2 करोड़ मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं, जिनमें उनके समर्थक शामिल हैं। साथ ही, उन्होंने आईएएस और आईपीएस अधिकारियों के तबादलों को लेकर भी असंतोष जताया। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल की 294 सीटों के लिए चुनाव दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को होंगे, जबकि मतगणना 4 मई को की जाएगी।

भारत की पाकिस्तान-बांग्लादेश बॉर्डर पर एंटी ड्रोन-सेंसर से निगरानी : चीन सीमा पर पेट्रोलिंग 3 गुना बढ़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर और गलवान झड़प के बाद सीमाओं पर निगरानी बढ़ा दी है। पाकिस्तान और बांग्लादेश सीमा पर एंटी-ड्रोन, सेंसर और लेजर की मदद से निगरानी की जा रही है। वहीं, लद्दाख में चीन सीमा पर 29 नए आउटपोस्ट तैयार किए गए हैं। साथ ही भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) की पेट्रोलिंग 3 गुना बढ़ा दी गई है। केंद्रीय गृह मंत्रालय की सालना रिपोर्ट 2024-25 के मुताबिक, भारत-पाकिस्तान सीमा पर जम्मू क्षेत्र और भारत-बांग्लादेश सीमा पर धुबरी में 5-5 किमी इलाके में 'कंप्रीहेंसिव इंटीग्रेटेड बॉर्डर मैनेजमेंट सिस्टम' (सीआईबीएमएस) के दो पायलट प्रोजेक्ट शुरू किए गए हैं। सीआईबीएमएस कई तकनीकों और संसाधनों का एक नेटवर्क है। वहीं, म्यांमार सीमा पर अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर में 'हाइब्रिड सर्विलांस सिस्टम' पर काम जारी है। सीमाओं पर ड्रोन के बढ़ते खतरे को देखकर सुरक्षा बलों को स्पेशल ट्रैनिंग और मॉडर्न उपकरणों से लैस किया जा रहा है। यह सिस्टम अवैध हवाई घुसपैठ का पता लगाने और खत्म करने में प्रभावी है। जीआईएस लेयर और पीएम गति शक्ति पोर्टल का इस्तेमाल सीमावर्ती बुनियादी ढांचे की सटीक मैपिंग और रणनीतिक योजना बनाने के लिए हो रहा है। यह संवेदनशील इलाकों की निगरानी सुनिश्चित करता है। आईटीबीपी ने 2022 से 2024 के बीच 29 नए बॉर्डर आउटपोस्ट बनाए हैं। इससे कुल संख्या 209 हो गई है। यह बढ़ोतरी जून 2020 में पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में हुई झड़प के बाद की गई है। तब आईटीबीपी के 180 आउटपोस्ट थे। नए आउटपोस्ट बनने से दूर-दराज के हाई-एल्टीट्यूड इलाकों में आईटीबीपी की सालभर मौजूदगी बनी रहेगी। साथ ही फॉरवर्ड पोस्ट के बीच कनेक्टिविटी बेहतर हुई है। मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक, 2017-18 में आईटीबीपी औसतन 173 पेट्रोलिंग प्रति माह करता था। यह संख्या 2023-24 में बढ़कर करीब 500 प्रति माह हो गई, यानी करीब 3 गुना बढ़ोतरी हुई है।

अमेठी में पुलिस ने सपा कार्यकर्ता के घर से 1400 लीटर पेट्रोल-डीजल किया जब्त

अमेठी। यूपी के अमेठी में डीजल-पेट्रोल की कमी की अफवाहों और पेट्रोल पंप पर लग रही भीड़ को लेकर प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। मामले में सपा कार्यकर्ता के घर से भारी मात्रा में तेल बरामद किया गया है, जिसके बाद प्रशासन ने बरामद तेल को जब्त करते हुए विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पूरा मामला जनपद अमेठी कोतवाली क्षेत्र के भरेथा निधि के पुरवा गांव का है। जहां शनिवार को प्रशासन को सूचना मिली थी की कि किसी घर में बड़ी मात्रा में डीजल और पेट्रोल रखा है। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम ने करीब 1400 लीटर डीजल-पेट्रोल बरामद किया है। तेल को चार नीले ड्रम, एक पानी की टंकी और चार छोटे डिब्बों में भरकर अवैध रूप से डंप किया गया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर तेल जमा करने वाले दयाराम यादव के खिलाफ विधिक कार्यवाही शुरू कर तेल जब्त कर लिया है। वहीं दयाराम यादव समाजवादी पार्टी का सक्रिय कार्यकर्ता और पूर्व मंत्री गायत्री प्रसाद प्रजापति का करीबी बताया जा रहा है। जिलाधिकारी की अनुमति के बाद सप्लाई विभाग के अधिकारी की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। वहीं इस मामले को लेकर सप्लाई इंस्पेक्टर शुभम चौधरी ने बताया की सूचना पर पहुंचकर छापा मारा गया।

बिना पट्टे के कुत्ते को घुमाया, सड़कों पर गायों या भैंसों को बांधा तो लगेगा जुर्माना

-दिल्ली नगर निगम के बदलेंगे नियम, लोकसभा में जन विश्वास विधेयक हुआ पेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली नगर निगम ने पुराने नियमों में बड़े बदलाव की तैयारी कर ली गई है। वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने लोकसभा में जन विश्वास विधेयक, 2026 पेश किया है। इस विधेयक का मुख्य उद्देश्य छोटे अपराधों के लिए जुर्माने की राशि को बढ़ाना और पुराने कानूनों को आज के समय के मुताबिक प्रासंगिक बनाना है। नए विधेयक में यदि कोई मालिक अपने पालतू कुत्ते को बिना पट्टे के सड़क पर घुमाता है, तो उसे अब 50 रुपए के बजाय 1,000 रुपए जुर्माना देना होगा। इसी तरह सड़कों पर गायों या भैंसों को बांधने पर भी जुर्माने की राशि 100 से बढ़ाकर 1,000 रुपए करने का प्रस्ताव है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने और पेशाब करने वालों पर अब सख्त कार्रवाई होगी। पहले इसके लिए 50 रुपये का जुर्माना लगता था, जिसे अब बढ़ाकर 500 रुपए किया जा रहा है। गंदगी न हटाने पर पहली बार पकड़े जाने पर चेतावनी दी जाएगी, लेकिन दूसरी बार उल्लंघन करने पर सीधे 500 रुपए का जुर्माना लगेगा। कूड़ा फेंकने या सड़क पर गंदगी बहाने पर भी अब 50 के बजाय 200 रुपए देने होंगे।

विधेयक में कई अन्य नागरिक नियमों के उल्लंघन पर भी दंड बढ़ाया गया है। मकान नंबर मिटाने पर जुर्माना 50 से बढ़ाकर 1,000 रुपए करने का प्रस्ताव है। खतरनाक आतिशबाजी पर 50 की जगह पर अब 500 रुपए देने होंगे। निगम अधिकारी को परिसर में आने से रोकने पर जुर्माना 50 से बढ़कर 500 रुपए किया जा रहा है। आदेश के बाद भी असुरक्षित इमारत में रहने पर जुर्माना 200 से बढ़ाकर 1,000 रुपए किया गया है। विधेयक में एक मानवीय बदलाव भी किया गया है। पुराने नियम के तहत, यदि कोई सफाईकर्मी बिना सूचना दिए काम से गायब रहता था, तो उसे एक महीने की जेल हो सकती थी। नए प्रस्ताव में इस अपराध की श्रेणी को खत्म कर दिया गया है और जेल की जगह केवल 500 रुपए का जुर्माना लगाने का प्रावधान है।

शादी के समय लड़कों के डोप टेस्ट और चिकित्सा जांच को अनिवार्य करने बने कानून

-आम आदमी पार्टी के सांसद मालविंदर सिंह कंग ने केंद्र सरकार से किया आग्रह

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के सांसद मालविंदर सिंह कंग ने केंद्र सरकार से आग्रह किया था कि शादी के समय लड़कों के डोप टेस्ट और चिकित्सा जांच को अनिवार्य बनाने के लिए कानून बनाया जाए। उन्होंने सदन में शून्यकाल के दौरान यह मांग उठाई थी। कंग ने कहा था कि आज हमारे समाज में तलाक और घरेलू हिंसा के मामले बढ़ रहे हैं। जब नया रिश्ता जुड़ता है तो लड़की के बारे में बहुत जांच-पड़ताल की जाती है, लेकिन लड़कों को लेकर उतनी जांच-पड़ताल नहीं होती। उनका कहना था कि शादी के समय लोग इस तरह की चीजें छिपा लेते हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने कहा कि सरकार से मांग है कि एक कानून बनाया जाए कि शादी के समय डोप टेस्ट और चिकित्सा जांच अनिवार्य हो। उन्होंने कहा कि शादी के बाद कई बार सामने आता है कि लड़का गंभीर रूप से बीमार है या फिर वह आपराधिक प्रवृत्ति का है। इससे महिलाओं के जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। कंग ने

कहा कि दूल्हे के लिए अनिवार्य कर दिया जाना चाहिए कि वह मेडिकल फिटनेस सर्टिफिकेट और डोप टेस्ट का सर्टिफिकेट लड़की वालों के सामने पेश करे और तभी शादी हो।

कांग्रेस के उज्जवल रमण सिंह ने सरकार से ऑनलाइन कारोबार पर अंकुश लगाने और छोटे एवं मझौले व्यापारियों के हितों के संरक्षण की मांग की है। उन्होंने शुक्रवार को शून्य काल में इस बारे में नियम बनाने और छोटे दुकानदारों और मझौले व्यापारियों का व्यवसाय को बचाने के उपाय करने की सरकार से मांग की। वहीं सपा के वीरेन्द्र सिंह ने किसानों के घरों में बिजली के स्मार्ट मीटर लगाने पर बिल बढ़कर आने तथा प्रीपेड मीटर लगाने से उन्हें हो रही कठिनाइयों की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए उनकी समस्यायें दूर करने की मांग की।

बीजेपी के निशिकांत दुबे ने मुस्लिमों और ईसाइयों से विवाह करने वाली आदिवासी युवतियों का अनुसूचित जनजाति का दर्जा समाप्त करने की मांग की। बीजेपी के ही चन्दूभाई छगनभाई शिहोरा ने गुजरात के सुरेन्द्र नगर इलाके के नमक किसानों को बारिश से हुए नुकसान की भरपाई करने और उन्हें भी प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत सहायता उपलब्ध कराने की मांग की। सपा के आनंद भदौरिया ने यूपी में शहीदों और संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की मूर्तियों को क्षतिग्रस्त किये जाने का मुद्दा उठाया और इसके दोषियों को सजा देने की मांग की। कांग्रेस के डॉ. प्रशांत यादव राव पडोले ने 2027 की जनगणना के लिए तय प्रारूप के कॉलम में अन्य पिछड़ा वर्ग को भी जोड़ने की मांग की।

25 साल पुराना सपना सच, भारत के सबसे बड़े एयरपोर्ट से अगले 60 दिनों में शुरू होंगी उड़ानें

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के जेवर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के औपचारिक उद्घाटन के साथ ही भारत के नागरिक उड्डयन क्षेत्र में एक नया अध्याय जुड़ गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शनिवार को किए गए इस उद्घाटन के बाद अब सभी की निगाहें कमर्शियल ऑपरेशंस शुरू होने पर टिकी हैं। नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने स्पष्ट किया है कि नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो से हवाई अड्डा सुरक्षा कार्यक्रम की अंतिम मंजूरी मिलते ही यहाँ से व्यावसायिक उड़ानें पूरी तरह शुरू हो जाएंगी। उम्मीद जताई जा रही है कि अगले 45 से 60 दिनों के भीतर सभी सुरक्षा मानक पूरे कर लिए जाएंगे और एयरपोर्ट एंट्री पास जारी होने के बाद स्टेकहोल्डर्स अपना काम शुरू कर सकेंगे।

लगभग 6,200 हेक्टेयर भूमि पर पांच चरणों में विकसित किए जा रहे इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट का पहला चरण 11,200 करोड़ रुपये की लागत से सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल पर तैयार हुआ है। शुरुआत में यहाँ से घरेलू उड़ानों का परिचालन होगा, जिसमें दिल्ली और मुंबई जैसे

मेट्रो शहरों को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके बाद टियर-2 और टियर-3 शहरों के लिए सेवाएं विस्तार लेंगी। जहाँ तक अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का सवाल है, इसमें थोड़ा अधिक समय लग सकता है क्योंकि इसके लिए आव्रजन और सीमा शुल्क विभाग की गहन समीक्षा और मंजूरी अनिवार्य है। हालांकि, इंडिगो जैसी प्रमुख एयरलाइन कंपनियां अंतरराष्ट्रीय परिचालन के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

कनेक्टिविटी के मामले में यह एयरपोर्ट देश के सबसे सुगम हवाई अड्डों में से एक होगा। इसे यमुना एक्सप्रेसवे, दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे, ईस्टर्न पेरिफेरल और गंगा एक्सप्रेसवे जैसे बड़े सड़क मार्गों से जोड़ा गया है। साथ ही रेल और मेट्रो कनेक्टिविटी पर भी तेजी से काम चल रहा है। एयरपोर्ट के आसपास फिल्म सिटी, टॉय पार्क, अपैरल पार्क और सेमीकंडक्टर पार्क जैसी औद्योगिक इकाइयां विकसित की जा रही हैं। इस परियोजना से सीधे तौर पर 50,000 लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है, जबकि लाखों अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। तकनीकी रूप से यह एयरपोर्ट वैश्विक स्तर का है। पहले चरण में 3,900 मीटर लंबा रनवे तैयार किया गया है, जो आधुनिक नेविगेशन सिस्टम और हर मौसम में उड़ान भरने की सुविधा से लैस है। यहाँ 40 एकड़ में विमानों की मरम्मत के लिए विशेष केंद्र बनाया गया है। भविष्य में यहाँ कुल 8 रनवे बनाने की योजना है। एयरपोर्ट का डिजाइन बनारस के घाटों और भारतीय हवेलियों की वास्तुकला से प्रेरित है, जो इसे सांस्कृतिक पहचान भी देता है। फार्म टू ग्लोबल मार्केट मॉडल के तहत यहाँ से पश्चिमी यूपी के किसानों के उत्पाद और राज्य के करीब 1 करोड़ एमएसएमई उद्योगों का सामान सीधे वैश्विक बाजारों तक पहुँच सकेगा।

बाबा खरात ने पति को किया बाहर, महिला को नशीला पदार्थ पिलाकर किया रेप

-ज्योतिषी खरात के खिलाफ रेप का आठवां मामला दर्ज, व्यापारी से ठगे लाखों

मुंबई, (एजेंसी)। नासिक के स्वयंभू बाबा और ज्योतिषी अशोक खरात के खिलाफ रेप का आठवां मामला दर्ज हुआ है। सरकारवाड़ा पुलिस थाने में दो नए केस दर्ज किए गए हैं। एक शिकायत में कहा गया है कि खरात ने नेवासा फाटा अहिल्यानगर के एक व्यापारी से 2.6 लाख रुपए ठगने का आरोप है। वहीं दूसरा मामला महिला के यौन शोषण का है। आरोप है कि अगस्त 2024 से दिसंबर 2024 के बीच अशोक खरात ने महिला को अपनी हवस का शिकार बनाया था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक महिला का आरोप है कि चार महीने के अंदर अशोक खरात ने चार बार उसके साथ दुष्कर्म किया। शिकायत में कहा गया है कि पीड़िता की शादी 2013 में हुई थी। एक बेटी का जन्म हुआ और फिर पति से अनबन हो गई। 2022 में एक रिश्तेदार ने दंपती को अशोक खरात से मिलवाया। उनकी सलाह के बाद पति-पत्नी साथ रहने लगे। अगस्त में दंपती खरात से मिलने गया था। खरात ने पति से बाहर इंतजार करने को कहा और इसके बाद महिला को अंदर ले गया। तांबे के बर्तन में कोई नशीला पदार्थ दिया।

पुलिस ने बताया कि खरात ने महिला के साथ दुष्कर्म किया और धमकी भी दी कि अगर यह बात किसी से बताई तो दैवीय शक्तियां जीवन तबाह कर देंगी। इसके बाद खरात ने कई बार उसे बुलाकर रेप किया और जीवन खराब होने के डर से महिला चुप रही। रेप मामले में खरात की गिरफ्तारी के बाद पीड़िता सब कुछ बताने की हिम्मत जुटा पाई। महाराष्ट्र में नासिक के स्वयंभू बाबा अशोक खरात के खिलाफ पुलिस हेल्पलाइन के जरिए 100 से ज्यादा शिकायतें दर्ज की गई हैं जिनमें लगभग 70 फीसदी शिकायतकर्ता महिलाएं हैं।

पुलिस सूत्रों ने शनिवार को कहा कि कई पीड़ित, विशेष रूप से महिलाएं, बदनामी के डर, सामाजिक कलंक और आरोपी के राजनीतिक संबंधों के कारण शिकायत देने में संकोच कर रहे थे। इसे हल करने के लिए अधिकारियों ने पीड़ितों को आगे आने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए एक गोपनीय हेल्पलाइन शुरू की, जिसे काफी प्रतिक्रिया मिली है। खरात के खिलाफ आरोपों में धोखाधड़ी और यौन शोषण दोनों शामिल हैं। पुलिस जांच कर रही है और अधिकारियों ने सभी पीड़ितों से बिना किसी डर के आगे आने का आग्रह किया है। इसके साथ ही खरात के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

चुनावों में जमकर बंट रहीं मुफ्त की रेबड़ियां, महिलाओं के खाते में सीधे 24,500 करोड़ रुपये होंगे जमा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेताओं ने वोट खरीदने का एक आसान और सरल रास्ता अपना लिया है। ये बात कोई और नहीं बल्कि आम आदमी कहता सुना जा रहा है। इस बार के चुनावों में राज्यों में होड़ लगी हुई है मुफ्त में रेबड़ियां बांटने की। नतीजा आम आदमी की जेब से निकलकर सीधे साढ़े 24 सौ करोड़ रुपए महिलाओं को बांट दिए जाएंगे। ताकि उन्हे वोट मिले और सत्ता पर काबिज हो जाएं।

5 राज्यों में आगामी विधानसभा चुनावों की आहट के साथ ही राजनीतिक दलों ने सत्ता की चाबी हासिल करने के लिए कैश ट्रांसफर यानी सीधे नकद सहायता को अपना सबसे बड़ा हथियार बना लिया है। एक विश्लेषण के अनुसार, चुनावी राज्यों में चार प्रमुख सरकारें महिलाओं के बैंक खातों में सीधे 24,500 करोड़ रुपये ट्रांसफर कर रही हैं।

इन दलों का चुनावी वादा भी यही है कि यदि वे दोबारा सत्ता में आते हैं, तो अगले पांच वर्षों तक यह वित्तीय सहायता निर्बाध रूप से जारी रहेगी। आंकड़ों के लिहाज से देखें तो इन चार राज्यों में कुल 17.89 करोड़ मतदाता हैं, जिनमें से 4.1 करोड़ महिलाएं इन नकद योजनाओं की सीधी लाभार्थी हैं। यानी कुल वोटरों का लगभग 23 प्रतिशत हिस्सा सीधे तौर पर इन योजनाओं से जुड़ा है। विभिन्न राज्यों में इस नकद राजनीति के अलग-अलग रंग देखने को मिल रहे हैं। तमिलनाडु की सत्तारूढ़ सरकार ने स्पेशल समर पैकेज के नाम पर महिलाओं के खातों में 2-2 हजार रुपये डाल दिए हैं। वहीं, असम में बिहू उत्सव के उपलक्ष्य में महिलाओं को 4-4 हजार रुपये की सहायता दी गई है। केरल की वामपंथी सरकार स्त्री सुखम नकद योजना के जरिए करीब 10 लाख महिलाओं को हर महीने एक हजार रुपये दे रही है। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस सरकार ने अपनी प्रसिद्ध लक्ष्मी भंडार योजना की राशि में 500 रुपये की बढ़ोतरी की है। दिलचस्प बात यह है कि खस्ताहाल अर्थव्यवस्था के बावजूद बंगाल सरकार को इस योजना के लिए अगले साल 5,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ उठाना पड़ेगा।

पिछले पांच वर्षों के चुनावी रुझान बताते हैं कि महिलाओं को नकद सहायता देने वाले राज्यों की संख्या 1 से बढ़कर अब 15 हो गई है। ये राज्य सालाना लगभग 2.46 लाख करोड़ रुपये 13 करोड़ से अधिक महिलाओं के खातों में भेज रहे हैं। हालांकि, विशेषज्ञों ने इस रेवड़ी संस्कृति के दुष्प्रभावों पर भी चिंता जताई है। आंकड़ों के अनुसार, झारखंड जैसा राज्य अपने ग्रामीण विकास बजट का 81 प्रतिशत हिस्सा नकद ट्रांसफर में खर्च कर रहा है। इसके चलते महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे बड़े राज्यों को बुनियादी विकास कार्यों और अन्य महत्वपूर्ण खर्चों में कटौती करनी पड़ रही है। कई विकास परियोजनाएं धन के अभाव में अधूरी पड़ी हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि केवल नकद योजनाओं के दम पर चुनाव जीतना हमेशा संभव नहीं होता। सीएसडीएस के निदेशक प्रो. संजय कुमार के अनुसार, अलग-अलग विचारधारा वाली पार्टियां एक ही फॉर्मूले पर चल रही हैं, लेकिन यह हमेशा सफल नहीं होता।

उदाहरण के तौर पर, आंध्र प्रदेश में वाईएसआर कांग्रेस और राजस्थान में कांग्रेस की सरकारें भारी-भरकम नकद योजनाओं के बावजूद सत्ता बचाने में विफल रहीं। इसके उलट, मध्य प्रदेश में लाड़ली बहना और कर्नाटक में गृह लक्ष्मी जैसी योजनाओं को गेमचेंजर माना गया। वर्तमान में चुनावी राज्यों में मुफ्त राशन, मुफ्त गैस सिलेंडर और बेरोजगारी भत्ते जैसे वादों की झड़ी लगी हुई है, जिसने मतदाताओं को लुभाने की जंग को और तेज कर दिया है।

गुरुग्राम में ट्रैफिक सिस्टम हुआ डिजिटल, कैमरे से कटेगा चालान

नई दिल्ली। गुड़गांव में ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों के लिए अब नया सिस्टम लागू हो गया है। अब जहां-जहां ऑटोमैटिक नंबर प्लेट

रिकॉग्निशन (ह्वक्क्र) कैमरे लगे हैं, वहां ट्रैफिक पुलिस चालान हाथ से नहीं काटेगी। यह कदम ट्रैफिक सिस्टम को और तेज, पारदर्शी और ऑटोमैटिक बनाने के लिए उठाया गया है। इसका मकसद ट्रैफिक पुलिस पर निर्भरता कम करना और चालान की प्रक्रिया को पूरा तरह डिजिटल बनाना है। ह्वक्क्र कैमरे शहर के कई चौराहों और व्यस्त सड़कों पर लगाए गए हैं। ये कैमरे एक साथ 14 तरह के ट्रैफिक उल्लंघन पकड़ सकते हैं। जैसे कि ओवरस्पीडिंग, रेड लाइट पार करना, बिना हेलमेट चलाना या गलत लेन में गाड़ी चलाना। जब कोई नियम तोड़ता है, तो कैमरा गाड़ी का नंबर प्लेट स्कैन करता है, उसका डेटा तुरंत प्रोसेस करता है और रियल टाइम में ई-चालान जारी कर देता है। चालान सीधे गाड़ी मालिक के मोबाइल या पते पर भेजा जाता है। ट्रैफिक डीसीपी डॉ. राजेश मोहन के मुताबिक, इस सिस्टम से कामकाज की कार्यक्षमता और जवाबदेही दोनों बढ़ेगी। उन्होंने कहा, अब से, ह्वक्क्र कैमरे खुद ही रियल टाइम में ई-चालान जारी करेंगे। इससे इंसानी गलती और बहस जैसी दिक्कतें भी खत्म होंगी। नए नियम को लेकर सोशल मीडिया पर कई तरह की प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। एक यूजर ने मजाक में लिखा, कोई बात नहीं, अब मशीन को ही खराब बता देंगे! दूसरे ने पूछा, अगर गाड़ी पर नंबर प्लेट ही नहीं लगी हो तो कैमरा क्या करेगा? कुछ लोगों ने यह भी सवाल उठाया कि क्या चालान की रकम ऑफलाइन जमा कर सकते हैं, या फिर सब कुछ ऑनलाइन ही होगा। कई लोगों को डर है कि अगर ऑफलाइन भुगतान रहेगा, तो भ्रष्टाचार के मौके फिर भी रहेंगे। हालांकि, सोशल मीडिया पर पुलिस से सबसे ज्यादा पूछा गया सवाल था, तो अब ड्रिंक एंड ड्राइव वाले केस में पुलिस कैसे पकड़ेगी? इस पर फिलहाल अधिकारियों ने कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया है। फिलहाल ये कैमरे गुड़गांव के कई मुख्य चौराहों पर काम कर रहे हैं। आने वाले महीनों में ट्रैफिक विभाग इन्हें और सड़कों तक फैलाने की योजना बना रहा है। लगभग 50 व्यस्त जगहों पर अब फिजिकल चालान बंद कर दिए जाएंगे। यानी, गुड़गांव का ट्रैफिक सिस्टम अब पूरी तरह डिजिटल दौर में प्रवेश कर चुका है।

शॉर्ट-सर्किट से तीन मंजिला इमारत में लगी आग, पहले माले पर फंसे छह लोग झुलसे; छानबीन चालू

नई दिल्ली। केशवपुरम के त्रिनगर इलाके में शुक्रवार की सुबह एक तीनमंजिला इमारत के भूतल पर आग लग गई। आग तेजी से सीढ़ियों में फैली और पहली मंजिल पर रह रहे एक परिवार के छह लोग इसमें फंसकर मामूली रूप से झुलस गए। मौके पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने स्थानीय लोगों की मदद से सभी को दूसरी इमारत के जरिये बाहर निकालकर पास के अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से घायल चार महिलाओं को सफदरजंग अस्पताल रेफर किया है। सभी 15 फीसदी झुलसे हैं। शुरुआती जांच के बाद पानी के मोटर में शॉर्ट सर्किट होने से आग लगने की आशंका जताई गई है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। उत्तर पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त आकांक्षा यादव ने बताया कि शुक्रवार सुबह 7.10 बजे त्रिनगर के गणेशपुरा में एक इमारत में आग की जानकारी मिली। सूचना मिलते ही केशवपुरम थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। तब तक दमकल की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंच चुकी थीं। स्थानीय लोगों ने बताया कि पहले आस-पड़ोस के लोगों ने भूतल पर लगी आग को खुद ही पानी मारकर बुझाने की कोशिश की। फिर उन लोगों ने दमकल कर्मियों की मदद से पहली मंजिल पर फंसे छह लोगों को दूसरी इमारत से बाहर निकाला। वहीं दूसरी मंजिल पर रहने वाले समय रहते छत से छत के जरिये बाहर निकल गए। पुलिस अधिकारी ने बताया कि दूसरी मंजिल पर रहने वाले लोग घटना के समय सो रहे थे। घायलों की पहचान भरत लाल(32), अनीता(55), प्रीतमलाल(30), वंदना (24), मोनी (27) और तीन साल की बच्ची सोमिया के रूप में हुई। डॉक्टरों ने चार घायल महिलाओं को इलाज के लिए सफदरजंग अस्पताल रेफर किया गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि इमारत पचास गज में तीन मंजिला बना है। पहली मंजिल पर इमारत के मालिक रहते हैं, उनके पंजाब जाने की वजह से मकान बंद था। भूतल पर कन्हैया साड़ी नाम की एक दुकान है, जिस पर आग का कोई असर नहीं पड़ा। सीढ़ियों पर कॉस्मेटिक का सामान से आग भड़की ः शुरुआती जांच में आशंका है कि आग बिजली के एक वॉटर मोटर के पास शॉर्ट सर्किट होने की वजह से लगी। सीढ़ियों पर तिसरी मंजिल पर रहने वाले किरायेदार का कॉस्मेटिक का सामान और बाइक चपेट में आने से आग तेजी से फैली।

अब आसान टेस्ट से होगी क्रॉनिक डायरिया की सही पहचान

नई दिल्ली। लंबे समय से दस्त (क्रोनिक डायरिया) से परेशान मरीजों के लिए राहत की खबर है। अब एक साधारण मल (स्टूल) टेस्ट से बीमारी का पता लगाया जा सकेगा। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के अध्ययन में यह खुलासा हुआ है। डॉ. गोविंद के. मखारिया के नेतृत्व में अध्ययन किया गया, जो इंडियन जर्नल ऑफ गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी में प्रकाशित हुआ है। शोधकर्ता शुभम मेहता, समग्र अग्रवाल, आदित्य विक्रम पचीसिया और विकास सचदेव के अनुसार, यह तरीका भविष्य में बड़े स्तर पर अपनाया जा सकता है। अध्ययन में सामने आया है कि बाइल एसिड मालएब्जॉर्प्शन (बीएएम) का पता अब आसान तरीके से लगाया जा सकता है। यह पित्त अम्ल कुअवशोषण एक पाचन संबंधी विकार है, जो पुराने दस्त का एक आम लेकिन अक्सर अनजाना कारण है। अब तक बीएएम की जांच के लिए जो टेस्ट उपलब्ध थे, वे काफी जटिल थे। नए शोध में मल के एक ही सैंपल में बाइल एसिड (एफबीए) की मात्रा मापी जाती है। इसके लिए एंजाइम आधारित स्पेक्ट्रोफोटोमेट्री तकनीक का इस्तेमाल किया गया। अध्ययन में पाया गया कि यदि एफबीए का स्तर 2.8 माइक्रोग्राम प्रति ग्राम या उससे अधिक होता है, तो बीएएम की पहचान काफी सटीक तरीके से की जा सकती है। इस टेस्ट की संवेदनशीलता 89.5 प्रतिशत और विशिष्टता 92 प्रतिशत पाई गई।

तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवारों को रौंदा

हमीरपुर। हमीरपुर जिले में राठ कोतवाली क्षेत्र के बसेला इलाके में एक भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार तीन युवकों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। बताया जा रहा है कि तीनों युवक मजदूरी कर अपने घर लौट रहे थे, तभी एक तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें रौंद दिया। हादसे के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने सड़क पर जाम लगाकर जोरदार प्रदर्शन किया। मिली जानकारी के अनुसार, हादसा राठ कोतवाली क्षेत्र के बसेला इलाके में हुआ। तीनों युवक मजदूरी का काम खत्म कर एक ही बाइक से सवार होकर घर जा रहे थे। इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की खबर सुनते ही सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर जमा हो गए। आक्रोशित ग्रामीणों ने तत्काल रोड पर जाम लगा दिया और प्रदर्शन शुरू कर दिया। ग्रामीणों का गुस्सा इतना अधिक था कि उन्होंने हादसे को अंजाम देने वाले ट्रक पर जमकर पथराव भी की।

बिना पट्टे के कुत्ता घुमाने पर 1000 जुर्माना, कई प्रावधानों में बड़ा बदलाव

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम अधिनियम, 1957 में व्यापक संशोधन की तैयारी के साथ केंद्र सरकार ने सख्ती का संकेत दिया है। जन विश्वास (प्रावधानों का संशोधन) विधेयक, 2026 को लोकसभा में पेश किया गया है, जिसे केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने शुक्रवार को प्रस्तुत किया। इस विधेयक का मकसद छोटे-छोटे उल्लंघनों पर जुर्माने को तर्कसंगत बनाना, पुराने प्रावधानों को हटाना और नियमों को ज्यादा प्रभावी बनाना है। इसके लागू होने पर दिल्ली में नागरिक नियमों को लेकर सख्ती साफ दिखाई देगी। सरकार का कहना है कि यह संशोधन %जन विश्वास% को बढ़ाने, नियमों को सरल बनाने और प्रशासनिक बोझ कम करने की दिशा में उठाया गया कदम है।

शख्स को कार ने कुचला, मौके पर ही मौत

नई दिल्ली। पश्चिम दिल्ली के मोती नगर फ्लाईओवर के पास मंगलवार की सुबह एक शख्स को कार ने कुचल दिया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान 54 साल के रेहड़ी चलाने वाले रामकरन के रूप में हुई है। घटना के कुछ घंटों बाद ही दिल्ली पुलिस ने आरोपी ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, रामकरन का शव फ्लाईओवर के पास मिला था और उनके पेट के निचले हिस्से और माथे पर गंभीर चोटें थीं। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, सुबह करीब 7ः15 बजे पीसीआर कॉल आई कि नजफगढ़ रोड पर एक बैंक्वेट हॉल के पास एक शव पड़ा है। एक सीनियर पुलिस अफसर ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया, पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो फुटपाथ पर एक आदमी का शव पड़ा मिला। उसके शरीर पर चोट के निशान साफ दिख रहे थे। बाद में शव की शिनाख्त रामकरन के रूप में हुई। उनके सामान इधर-उधर बिखरे पड़े थे। पुलिस ने वारदात की जगह को सील कर दिया। बाद में मौके पर क्राइम और फॉरेंसिक टीमें बुलाई गई और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए दीन दयाल उपाध्याय (डीडीयू) अस्पताल भेज दिया गया। पुलिस ने जांच के दौरान आसपास के कई सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। सीसीटीवी फुटेज में सफेद रंग की एक डिजायर कार क्षतिग्रस्त हालत में दिखी, जिसे देखकर पुलिस ने घटना से जोड़ा। सीसीटीवी फुटेज में मिले सबूतों के आधार पर केस दर्ज हुआ। टेक्निकल निगरानी और लगातार पूछताछ के बाद नोएडा सेक्टर-53 के गुहेरी निवासी आरोपी ड्राइवर 25 साल के मोहित यादव को गिरफ्तार किया गया। पुलिस अफसर ने बताया कि इस मामले की जांच जारी है और सीसीटीवी फुटेज की अच्छी तरह जांच की जा रही है ताकि रामकरन की मौत की सही वजह और हादसे की पूरी कहानी साफ हो सके।

प्रदूषण के खिलाफ 24 घंटे में 500 निरीक्षण, 9,000 से ज्यादा चालान

नई दिल्ली। प्रदूषण के खिलाफ सख्ती से पिछले 24 घंटे में दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी), एमसीडी, एनडीएमसी, डीसीबी, पीडब्ल्यूडी, जल बोर्ड, राजस्व, डीएसआईआईडीसी और डीएमआरसी की टीमों ने मिलकर 500 से अधिक निरीक्षण किए और नियम तोड़ने वालों पर 9,325 चालान जारी किए। 387 निर्माण व ध्वस्तीकरण साइटों, 79 कचरा स्थलों, 22 डीजी सेट और 12 होटल रेस्टोरेंट्स की जांच की गई, जहां उल्लंघन मिले वहां पर कार्रवाई हुई। दिल्ली सरकार ने इससे हवा की गुणवत्ता में सुधार का दावा किया है। दिल्ली सरकार ने जानकारी दी है कि सामूहिक प्रयास से बुधवार को दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआइ) 202 दर्ज किया गया, जो पिछले सात सालों में इस दिन का सबसे बेहतर स्तर है। सरकार का कहना है कि यह सुधार जमीनी स्तर पर चल रहे विज्ञान आधारित और सख्त प्रवर्तन अभियान का नतीजा है। पर्यावरण मंत्री मंजिंदर सिंह सिरसा ने बताया कि विंटर एक्शन प्लान के तहत 1200 से अधिक प्रवर्तन टीमें पूरे शहर में सक्रिय हैं। सड़कों से 90 मीट्रिक टन धूल हटाई गई, करीब 2 हजार किलोमीटर सड़कों की सफाई हुई और एंटी स्मॉग गन से 1 लाख लीटर ट्रीटेड पानी का छिड़काव किया गया। उन्होंने अपील की कि नागरिक खुले में कचरा न जलाएं, सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें और वाहनों का पीयूसी अपडेट रखें।

आरोपी को पकड़ने गई पुलिस तो किया हाईवोल्टेज ड्रामा

नई दिल्ली। आदर्श नगर थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह नशा बेचने की साजिश रच रहे आरोपी को पकड़ने पुलिस गई तो आरोपी ने परिवार व रिश्तेदारों के साथ मिलकर हाई वोल्टेज ड्रामा किया। उसने व परिजनों ने पुलिसकर्मियों से बदसलूकी की। आदर्श नगर थाना पुलिस ने आरोपी मोहम्मद तारिफ (32) को पकड़ लिया। मामले का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में दावा किया जा रहा है कि एक पुलिसकर्मी आरोपी पक्ष की महिला के साथ मारपीट कर रह है। उत्तर-पश्चिमी जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि महिला के साथ मारपीट के आरोपी की जांच की जा रही है और जांच एसीपी जहांगीरपुरी को सौंपी गई है। पुलिस उपायुक्त सिंह ने बताया कि पेट्रोलिंग के दौरान लाल बाग बीट, थाना आदर्श नगर के बीट स्टाफ को सूचना मिली कि हत्या और जानलेवा हमला करने के मामले में शामिल रहे आरोपी लाल बाग निवासी मोहम्मद तारिफ इलाके में ड्रग्स बेचने की साजिश रच रहा है।

अब्दुल कादिर ने राजकुमार और अमन को बनाया निशाना

नई दिल्ली। दक्षिण-पूर्व दिल्ली के गोविंदपुरी इलाके में शनिवार देर रात पैर छूने के विवाद में एक बदमाश ने अपने साथियों के साथ मिलकर कई राउंड गोलियां चला दीं। गोली पीड़ित राजकुमार के अलावा वहां खड़े एक अन्य युवक अमन जोशी को भी लगी। लहूलुहान हालत में दोनों को अस्पताल ले जाया गया जहां राजकुमार की हालत नाजुक है। उसके टांग, पेट और हाथ में गोली लगी है जबकि अमन की कोहनी में गोली लगी है। कुछ लोगों ने घटना को सांप्रदायिक रंग देने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर आरोपी अब्दुल कादिर को गिरफ्तार कर लिया है। दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस उपायुक्त डॉ. हेमंत तिवारी ने बताया कि मुख्य आरोपी अब्दुल कादिर उर्फ लल्ला (40) के पास से खून से सने कपड़े और एक खोखा बरामद किया है। कादिर गोविंदपुरी थाने का घोषित बदमाश है। दो माह पूर्व हत्या के मामले में जमानत पर रिहा होकर आया था। गोविंदपुरी थाना पुलिस को शनिवार देर रात एक बजे गोविंदपुरी थाना पुलिस को संत निरंकारी स्कूल, नेहरू कैंप के पास गोलीबारी की सूचना मिली। कॉलर ने बताया कि उसके जीजा को गोली मार दी गई है, वह उनको अस्पताल ले जा रहे हैं। पुलिस पहुंची तो पता चला कि नेहरू कैंप में जागरण चल रहा था। जागरण पंडाल के पीछे राजकुमार कुछ युवकों के साथ था। इस बीच एरिया का घोषित बदमाश अब्दुल कादिर उर्फ लल्ला साथियों के साथ वहां पहुंचा। आरोपी राजकुमार से उलझने लगे और पैर छूने के लिए कहने लगा।

मना करने पर आरोपी आग बबूला हो गया और उसने पिस्टल निकालकर राजकुमार पर गोलियां चला दी। कुछ लोगों ने घटना को सांप्रदायिक रंग देने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस समय पर पहुंच गई। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर उसके बाकी साथियों की तलाश कर रही है।

19,778 प्रीपेड मीटर की बत्ती बंद, पानी तक को तरसे

लखनऊ। बिजली महकमे ने शनिवार सुबह आठ बजे से माइनस बैलेंस वाले बकायेदारों के प्रीपेड मीटरों की बत्ती बंद करना शुरू किया। एक घंटे के भीतर 19,778 घरों, दुकानों व कार्यालयों में अंधेरा हो गया। माइनस बैलेंस के मिले मेसेज के आधार पर बकायेदारों ने रकम को जमा कर दिया। मगर, उसमें भी 30 फीसदी बकायेदारों की बिल जमा होने पर ऑटोमेटिक बत्ती चालू नहीं हुई। ऐसे बकायेदारों ने हुसैनगंज कॉल सेंटर सहित सभी कलेक्शन कार्यालयों में हंगामा किया। शनिवार को 6294 कनेक्शन अमौसी, 3269 गोमतीनगर, 4207 जानकीपुरम व 6008 कनेक्शन लखनऊ मध्य जोन में कटे। दोपहर दो बजे तक बकायेदारों ने 2.17 करोड़ के बिल भी जमा किए। हालांकि, शाम छह बजे तक हुसैनगंज कॉल सेंटर, इंद्रलोक हाइडिल कॉलोनी, पुरनिया उपकेंद्र व मंत्री आवास उपकेंद्र स्थित कार्यालयों में बिल जमा करने कटी बिजली को चालू कराने के लिए जूझते रहे। इससे लोगों को बिजली के संग पानी को भी तरसना पड़ा। लखनऊ मध्य जोन के मुख्य अभियंता रवि कुमार अग्रवाल ने बताया कि जिन बकायेदारों की बिल जमा करने के बाद भी बिजली ऑटोमेटिक चालू नहीं हो रही उनका बैलेंस प्लस नहीं होगा। प्लस बैलेंस का मेसेज सिस्टम पर पहुंचते ही इंटेली स्मार्ट कंपनी के ऑपरेटर कमांड देकर उन्हें जोड़ देते हैं। उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील की है कि बिल जमा करने से पहले अपने पास के कार्यालय या हेल्पडेस्क पर जाकर जमा होने वाली रकम की जानकारी हासिल कर लें। उपभोक्ता के खाते में बैलेंस प्लस होते ही बत्ती चालू हो जाएगी।

प्रॉपर्टी विवाद में बुजुर्ग महिला को राहत, लेकिन घर खाली कराने से इन्कार

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के शकरपुर इलाके से एक अहम मामला सामने आया है, जिसमें 83 वर्षीय वरिष्ठ नागरिक राज पोपली ने अपने नाती और उसकी पत्नी पर उत्पी ?न का आरोप लगाते हुए घर खाली कराने की मांग की थी। इस मामले में जिला मजिस्ट्रेट (ईस्ट) अमोल श्रीवास्तव की अदालत ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। सुनवाई के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि विवादित मकान की मालिक राज पोपली ही हैं। हालांकि, अदालत ने पाया कि उत्पीड़न से जुड़े आरोप पर्याप्त रूप से स्पष्ट और प्रमाणित नहीं हैं। इसी आधार पर अदालत ने घर खाली कराने का आदेश देने से इन्कार कर दिया। फिर भी अदालत ने बुजुर्ग महिला की उम्र और स्वास्थ्य को देखते हुए उनकी सुविधा के लिए विशेष निर्देश दिए। आदेश में कहा गया कि उन्हें तुरंत ग्राउंड फ्लोर पर शिफ्ट किया जाए, ताकि उन्हें दैनिक जीवन में आसानी हो सके। इसके अलावा, शकरपुर थाना पुलिस को निर्देश दिया गया है कि एक महीने तक हर सप्ताह बीट कांस्टेबल भेजकर महिला की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए और स्थिति पर नजर रखी जाए। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि प्रॉपर्टी विवाद के समाधान के लिए आवेदक संबंधित सिविल कोर्ट का रुख कर सकती हैं। आवेदक राज पोपली ने आरोप लगाया था कि उनके नाती कुणाल गांधी और उसकी पत्नी सपना गांधी उन्हें मानसिक रूप से परेशान करते हैं, गाली-गलौज करते हैं और मकान अपने नाम कराने के लिए दबाव बनाते हैं। वहीं, प्रतिवादियों ने इन सभी आरोपों को बेबुनियाद बताया।

डीजे बजाने को लेकर विवाद में दो पक्षों के बीच विवाद, चाकू से वार कर नाबालिग की हत्या, दोस्त घायल

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के रानीबाग में एक शादी समारोह में डीजे बजाने को लेकर विवाद में दो पक्षों के बीच झगड़े में 17 साल के नाबालिग की हत्या कर दी गई, जबकि उसका दोस्त घायल हो गया। हमलावरों ने दोनों पर चाकू से हमला किया। मृतक की शिनाख्त निखिल यादव और घायल की पहचान सनी के रूप में हुई है। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त विक्रम सिंह ने बताया कि देर रात चाकूबाजी की घटना की जानकारी के बाद रानीबाग थाना पुलिस मौके पर पहुंची, तब तक परिवार वाले घायलों को पास के अस्पताल ले जा चुके थे। अस्पताल में डॉक्टरों ने निखिल को मृत घोषित कर दिया। उसके सीने पर चाकू के घाव था। पूछताछ में मृतक के दोस्त ने बताया कि निखिल अपने साथियों के साथ रानी बाग स्थित एक शादी समारोह में गया था। जहां उनका दूसरे कुछ ल ?कों से विवाद हो गया और दूसरे पक्ष ने निखिल और सनी पर चाकू से हमला कर दिया। पुलिस ने हत्या का मामला दर्जकर लिया। पुलिस ने रात में दबिश देकर मुख्य आरोपी समेत सात नाबालिगों को पकड़ लिया है और उनसे पूछताछ कर रही है।

NAME CHANGE
I, ABDUL TAWWAB S/O Shri Abdul Rehman Resident of House No. C-16, Abhimanyu Gali, Near Babu Ram Chowk, Arjun Mohalla, Moujpur, Delhi-110053 have changed my name ABDUL TAUWAB to ABDUL TAWWAB for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SIDDHARATH RANA S/O BHAGWAN RANA residing at H NO-1074, SIRASPUR, DELHI-110042 have changed my name to SIDDHARTH RANA for all future purpose.

NAME CHANGE
I Kapil Kumar Yadav S/o Dinesh Yadav R/o House No-523 P, Sector-14,Gurgaon,Haryana-122001, Have Changed My Name To Kapil Yadav For All Purpose

NAME CHANGE
I, Pradeep Kumar S/o Prem Chand R/o D-754/A, Gali No.1, Ashok Nagar, Shahdara, Delhi-110093 have changed the name of my minor son from Arjun to Arjun Vaidwan.

NAME CHANGE
I, Anupama D/o Pradeep Kumar R/o D-754/A, Gali No.1, Ashok Nagar, Shahdara, Delhi-110093 have changed my name to Anupama Chaudhary.

NAME CHANGE
I, VINOD KUMAR S/O UDAY SINGH residing at FLAT NO-G-3/8, NEAR DDA WATER TANK, SECTOR-4, ROHINI, DELHI-110085 have changed my name to VINOD KUMAR KUSHWAHA for all future purpose.

NAME CHANGE
I Manoj Ram S/o Ram Bilash Ram R/o Flat No-6, Tower-8,Hamelia Street,IRIS,Vatika City, Sector-49, Gurgaon, Haryana-122018, Have Changed My Name To Manoj Kumar For All Purpose

NAME CHANGE
I Taran Preet Singh Kochhar S/o Manpreet Singh Kochhar R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Change My Given Name Taranpreet Singh and Surname Kochhar for all purpose.

NAME CHANGE
I, DEEPAK KUMAR VERMA S/O PARTAP SINGH resident of H.No.16, Tara Nagar Main Kakrola Road, Kakrola, South West Delhi, Delhi-110078 have changed the name of my minor daughter SHREYA ALIAS SHREYA VERMA aged 13 years, and she shall hereafter be known as SHREYA VERMA.

NAME CHANGE
I hitherto known as SAMEERA SINGH D/O SUDHIR KUMAR SINGH residing at Flat No.E-1058, River Heights, Raj Nagar, Extension, Tower-15, Ghaziabad, U.P.-201001, have changed my name and shall hereafter be known as SAMEERA SINGH AMETHIA.

NAME CHANGE
I, Sushma D/O Shambu Prasad Dharmana W/O Vinod Kumar R/O B-6 Police Colony Mandir Marg New Delhi 110001 Have changed my name to Sushma Badola for all future purposes.

NAME CHANGE
I Swaran Kaur Sawhney W/o Prith Pal Singh R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Changed My Name to Swaran Kaur for all purpose.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Rahul Vishwakarma S/o H.P. Vishvakarma R/o J-4, Ground Floor Gandhi Market, Mir Dard Road, Minto Road, Indraprastha, Central Delhi, Delhi-110002 declare that name of mine has been wrongly written as Rahul Kumar Vishvakarma in my minor daughter namely Anika Vishvakarma aged 5 years in his School Records. The actual name of mine is Rahul Vishwakarma.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that 1 INDU CHAUHAN W/O NARENDER SINGH CHAUHAN R/O N-129/1, T-HUTS, KHILONA BAGH DIST NORTH WEST DELHI-110009 declare that name of mine has been wrongly written as INDU KANWAR in my minor son namely HARSH VARDHAN SINGH CHAUHAN aged 13 years in his school record and birth certificate No. MCDOLIR - 2211-005020356. The actual name of mine is INDU CHAUHAN which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE
It is for general information that CHANDER VEER S/O RAM JI LAL R/O Q-157 Vikas Vihar Uttam Nagar West Delhi Delhi-110059 declare that name of mine has been wrongly written as CHANDER PAL in my minor daughter namely KIRTI aged 15 years in her birth certificate No.MCDOLIR-0110-004425168. The actual name of mine is CHANDER VEER which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, BALJEET SINGH S/o GURCHARAN SINGH R/o 12/32, Geeta Colony, East Delhi-110031 declare that name of mine, my wife and my minor daughter has been wrongly written as BALJEET SINGH CHUGH, GURPREET KAUR CHUGH, JASLEEN KAUR CHUGH in my minor daughter JASLEEN KAUR aged 16 years in her 10th class Educational Documents. The actual name of mine, my wife and my minor daughter are BALJEET SINGH, GURPREET KAUR and JASLEEN KAUR respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, MOGHAL FATHIMA BAIG Wife of JC-335017L Rank-NB/SUB Name-MOGHAL MOHAMMAD BAIG Presently residing at 9-5-5, ANDHRA RATNA NAGAR, PERALA HIGH SCHOOL, PERALA, CHIRALA PRAKASAM DISTRICT, ANDHRA PRADESH-523157, have changed my name from MOGHAL FATHIMA BAIG to FATHIMA SHAIK for all future purposes vide Affidavit dated 16/07/2025 before First Class Magistrate, Shillong, Meghalaya.

NAME CHANGE
I Jugal Kishor S/o Lila Dhar R/o H.No-196 S/F, Kh.No-619/21, Chattar Pur, South Delhi, Delhi-110074 have changed the name of my minor daughter namely Krishna Devi aged 16 years and she shall hereafter be known as Priya.

NAME CHANGE
I hitherto known as Farman S/o Akeel Ahmed R/o B 272/27, Gali No 4, Subhash Mohalla North Ghonda, Garhi Mendu, Bhajan Pura, North East, Delhi-110053 have changed my name and shall hereafter be known as Farman Ahmed.

NAME CHANGE
I hitherto known as Atif S/o Manzoor Khan R/o 1/99-C, 4F/F, Gali No-5, Guru Harkrishan School Wali Gali, Kabir Nagar, Gokal Pur, North East Delhi, Delhi-110094 have changed my name and shall hereafter be known as Atif Khan.

NAME CHANGE
I hitherto known as Aakash S/o Makan Singh Rawat R/o 2087/5, Gali No.20, Prem Nagar Patel Nagar, Patel Nagar S.O, Central Delhi, Delhi-110008 have changed my name and shall hereafter be known as Akash Rawat.

NAME CHANGE
I hitherto known as Sanam Kumari W/o Samarjeet Gupta R/o E-400-D, Block-E, Ashok Nagar, Vasundhra Enclave, East Delhi, Delhi, Delhi-110096 have changed my name and shall hereafter be known as Sonam Sav.

NAME CHANGE
I hitherto known as Laxman Yadav alias Bhavikshan Yadav S/O Bechan Yadav R/O Gram Debra, Post Bela, Thana Babubarhi, Ward No-02, Bela, PO Bela, Dist Madhubani, Bihar-847224 have changed my name and shall hereafter be known as Bhavikshna Yadav.

NAME CHANGE
I Tajinder Kaur W/o Jaspreet Singh Baweja R/o 52/43 Ramjas Road Karol Bagh Delhi -110005 Have Changed My Name To Tajinder Kaur Baweja For All Purpose.

NAME CHANGE
I, Sansare Amrut Narayan father of No.4580889H Rank-Hav Name Sansare Ravindra Amrut residing at Vill. Deolali Pravara, Tehsil - Rahuri, District.Ahilyanagar, Maharashtra - 413716 have changed my name from Sansare Amrut Narayan to Amrut Narayan Sansare vide affidavit dated 15.07.2025 executed before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, ANITA BANSAL W/O PAWAN BANSAL residing at B-504, MAYURDHWAJ APARTMENT, I.P EXTN. EAST DELHI-110092 have Change my name to ANITA RANI BANSAL for all future purpose.

PUBLIC NOTICE
I Jyoti pal W/O Sunil Kumar R/O WZ-125, Village Begumpur, North West Delhi , -110086.declare that name of mine has been wrongly written as Jyoti in my minor Daughter Yashika aged 14 years in her school cords and birth certificate no MCDOLR09368299 .The actual my name is Jyoti Pal.

NAME CHANGE
I, PUNNAM DEVI Wife of No-14913053K Rank-HAV Name-NARENDER SINGH R/O C-7, LAXMI GARDEN, NAJAFGARH, NEW DELHI-110043 have changed my name from PUNNAM DEVI to POONAM DEVI for all future purposes vide Affidavit Dated 30/09/2023 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE
I, NEETAS DEVI Wife of No-3204848W Rank-HAV Name-DHARMENDRA SINGH R/O VILL-BISHUNDAS, PO-MURSAN, DISTT-HATHRAS, U.P-204213 have changed my name from NEETAS DEVI to NITESH DEVI for all future purposes vide Affidavit Dated 30/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, hitherto known as ASHISH KUMAR RATHOR S/O PURAN LAL R/O Q-48, RAJEEV NAGAR BEGUM PUR, NORTH WEST DELHI, DELHI-110086, have changed my name and shall hereafter be known as RAZA AHMED.

NAME CHANGE
I, SANJAY KUMAR CHOUDHARY S/o LATE SH. LAXMAN CHAUDHARY Permanent R/o Parsauni Khirodhar, Sitamarhi, Bihar-843325 and Presently Residing at Plot No. B-20, Second Floor, Dass Garden, Baprola Vihar, Najafgarh, New Delhi-110043. declare that name of mine has been wrongly written as SANJAY CHOUDHARY in my minor daughter namely SHIWANGI CHOUDHARY aged 17 years in her 10th class Marksheet. The actual name of mine is SANJAY KUMAR CHOUDHARY, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, VINOD KUMAR S/O UDAY SINGH residing at FLAT NO-G-3/8, NEAR DDA WATER TANK, SECTOR-4, ROHINI, DELHI-110085 have changed my name to VINOD KUMAR KUSHWAHA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, SANTOSH KUMAR S/O VISHVA NATH PRASAD residing at PLOT NO-58&59, FLAT NO-B-2, STREET NO-5, HAVENS GARDEN MATIALA, DELHI-110059 have changed my name to SANTOSH KUMAR GUPTA for all future purposes

NAME CHANGE
I, Anil Balakrishna Panicker s/o Angakattil Narayan Balakrishna Panicker R/o A-6/334-A, Janta Flats, Paschim Vihar, Delhi-110063, have changed my name to Anil Bala Panicker permanently.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, NIDHI AGGARWAL YADAV D/o VIRENDER KUMAR AGGARWAL, and Ex. Wife of AMIT YADAV, R/o H.No E-12, Hauz Khas, South West Delhi-110016, declare that I got divorce from my Ex. Husband AMIT YADAV vide Court Decree HMA No. 603/2019 dated 30 - 04-2019, further I have changed my name and shall hereafter be known as NIDHI AGGARWAL. I also have changed the name of my minor Son namely AAYAN YADAV, aged 16 years and my minor daughter namely ARSHIYA YADAV, aged 13 years and they shall hereafter be known as AAYAN AGGARWAL and ARSHIYA AGGARWAL respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I Taran Preet Singh Kochhar S/o Manpreet Singh Kochhar R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Change My Given Name Taranpreet Singh and Surname Kochhar for all purpose.

NAME CHANGE
I, S VANITHA W/o No. 14838283N Rank-HAV/MT Name-RAMESH P R/o VILL-SEDRAMPUTTU, PO-SEDRAMPUTTU, TEH-POLUR, DIST-THRUVANNAMALAI, TAMIL NADU-632315, have changed my name from S VANITHA to VANITHA R for all future purposes vide Affidavit dated 15/07/2025 before Notary Public, Kupwara.

NAME CHANGE
I, SH AUTAR SINGH Father of JC-413677X Rank-SUB MAJ Name-BHAGAT SINGH presently residing at VILL-BILTIYA SUKOLI TALLI, PO-DHAUNTIYAL, DIST-PAURI GARHWAL, UTTARAKHAND-246155 have changed my name from SH AUTAR SINGH to AVTAR SINGH for all future purposes vide affidavit dated 12/03/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, BALJEET SINGH S/o GURCHARAN SINGH R/o 12/32, Geeta Colony, East Delhi-110031 declare that name of mine, my wife and my minor daughter has been wrongly written as BALJEET SINGH CHUGH, GURPREET KAUR CHUGH, JASLEEN KAUR CHUGH in my minor daughter JASLEEN KAUR aged 16 years in her 10th class Educational Documents. The actual name of mine, my wife and my minor daughter are BALJEET SINGH, GURPREET KAUR and JASLEEN KAUR respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, Kulsum w/o Rozuddin R/o B-17, Gali No.3A, Near Mohalla Dilshad Masjid, Old Mustafabad, Delhi-110094, have changed my name to Kulsoom for all future purposes.

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हरियाणा में पहली अप्रैल से लागू होंगे नए कलेक्टर रेट

चंडीगढ़। प्रदेश में वित्त वर्ष 2026-27 में पहली अप्रैल से रजिस्ट्रेशन सिस्टम बदल जाएगा। नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत होते ही पहली अप्रैल से नए कलेक्टर रेट लागू होंगे। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से प्रदेश के सभी मंडलायुक्तों और उपायुक्तों को निर्देश दिए हैं कि तय समयसीमा के भीतर प्रक्रिया पूरी की जाए। संपत्ति के हस्तांतरण (रजिस्ट्री) के लिए नए कलेक्टर रेट एक अप्रैल से प्रभावी होंगे और 31 मार्च 2027 तक लागू रहेंगे। विभाग ने प्रस्तावित कलेक्टर रेट पर आम जनता से प्राप्त आपत्तियों और शिकायतों के निपटारे को लेकर सख्त रुख अपनाया है। निर्देश दिए गए हैं कि सभी आपत्तियों का समाधान 31 मार्च किया जाए। संशोधित दरों को लागू करने में कोई ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही, यह भी निर्देश दिया गया है कि कलेक्टर रेट तय करने की प्रक्रिया पारदर्शी, संतुलित और बाजार दरों के अनुरूप होनी चाहिए, ताकि आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। सभी जिलों में रेट निर्धारण की प्रक्रिया समयबद्ध तरीके से पूरी की जाए और रजिस्ट्रेशन से जुड़ी व्यवस्थाओं को सुचारू बनाए रखा जाए।

आयुर्वेद केवल रोगों के उपचार तक सीमित नहीं : प्रो. बीआर कम्बोज

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'औषधीय, सुगंधित एवं संभावित फसलों की खेती, संरक्षण एवं उपयोग' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग के औषधीय, सुगंधित एवं संभावित फसल अनुभाग तथा सुपारी एवं मसाला विकास निदेशालय कालीकट द्वारा प्रायोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज मुख्य अतिथि रहे जबकि सिविल हस्पताल से वैध (डॉ.) सुखबीर सिंह वर्मा मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित रहे। यह कार्यशाला विशेष रूप से अनुसूचित जाति के किसानों के लिए आयोजित की गई। कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने शनिवार को टिकाऊ कृषि में औषधीय पौधों के बढ़ते महत्व, उनकी बढ़ती बाजार मांग तथा उन्नत उत्पादन तकनीकों पर प्रकाश डालते हुए किसानों को अधिक लाभ के लिए इन फसलों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि आयुर्वेद केवल रोगों के उपचार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवन के समग्र संतुलन–शरीर, मन और प्रकृति–पर आधारित एक प्राचीन वैज्ञानिक पद्धति है।

खाना बनाते समय फटा सिलेंडर, पांच घायल

गुरुग्राम। जिले के गांव खेडक़ीमाजरा में एक कमरे में खाना बनाते समय पांच किलो का छोटू सिलेंडर फट गया। इस दौरान कमरे में मौजूद पांच श्रमिक झुलस गए। उन्हें यहां सेक्टर-10 नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया। गंभीर अवस्था में सभी को यहां से दिल्ली एम्स रेफर कर दिया गया। धनकोट पुलिस चौकी इंचार्ज जगमाल के मुताबिक घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच की। जानकारी के अनुसार मूल रूप से बिहार निवासी श्रमिक खेडक़ीमाजरा गांव में बिट्टू नामक व्यक्ति के मकान में किराये पर रहते हैं। शुक्रवार की रात करीब नौ बजे एक युवक आटा लेने के लिए गया। अन्य श्रमिक कमरे में छोटू सिलेंडर से खाना बना रहे थे। सिलेंडर से गैस लीक होने की वजह से सिलेंडर में आग लग गई। इससे पहले कि श्रमिक कुछ कर पाते, सिलेंडर धमाके के साथ फट गया। पूरा कमरा आग की लपटों से घिर गया। कमरे में पांचों मजदूरों को भी आग लग गई। घटना की सूचना पाकर धनकोट पुलिस चौकी से पुलिस व एंबुलेंस लेकर कर्मचारी मौके पर पहुंचे। सभी घायलों को सेक्टर-10 नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया। गंभीर हालत होने की वजह से पांचों को दिल्ली एम्स अस्पताल में रेफर कर दिया गया।

हिसार के एचएयू को क्यूएस विश्वविश्वविद्यालय रैंकिंग-2026 में 301-350 रैंकिंग

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय देश में ही नहीं अपितु विश्व स्तर पर अपना परचम लहराते हुए क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में विश्वविद्यालय ने 301-350 रैंकिंग में अपना स्थान बनाएं रखने में कामयाब हुआ है। कृषि विश्वविद्यालयों में हकृवि ने कृषि और वानिकी में देश में दूसरा स्थान प्राप्त किया। क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग दुनिया भर के विश्वविद्यालयों का प्रमुख वार्षिक मूल्यांकन है, जो रोजगार क्षमता, शैक्षणिक प्रतिष्ठा, शोध पत्र गुणवत्ता और संकाय-छात्र अनुपात के आधार पर किया जाता है। कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने बताया कि यह छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए सर्वश्रेष्ठ संस्थान चुनने में मदद करती है। यह रैंकिंग कृषि विज्ञान के क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा और नवाचार को दर्शाती है। यह उपलब्धि विश्वविद्यालय के निरंतर उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन, उच्च गुणवत्ता वाले शोध कार्य तथा कृषि क्षेत्र में उसके उल्लेखनीय योगदान का प्रमाण है। कुलपति ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे विश्वविद्यालय के समर्पित शिक्षकों, वैज्ञानिकों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों और किसानों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि यह सफलता विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता, शोध नवाचार और विस्तार सेवाओं के प्रति उसकी निरंतर प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने हरियाणा सरकार, राज्यपाल, मुख्यमंत्री तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद जैसे संस्थानों के मार्गदर्शन और सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

विपक्ष आपदा में राजनीति की बजाय सहयोग करे : नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। खाड़ी देशों में युद्ध की स्थिति से बढ़ते पेट्रोलियम संकट के बीच नायब सरकार अलर्ट मोड में है। सरकार की ओर से कालाबाजारी और मुनाफाखोरी पर सख्ती बरतने के साथ संवदेनशील स्थानों पर पुलिस की गश्त बढ़ाई जा रही है। पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी घटाने को लेकर मुख्यमंत्री नायब सैनी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताते हुए स्पष्ट किया कि द्वारा पेट्रोलियम उत्पादों पर एक्साइज ड्यूटी में की गई कटौती से आम जनता को महंगाई के दबाव से राहत मिली है और ईंधन के दाम स्थिर बने हुए हैं। हरियाणा निवास में पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री नायब सैनी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि आपदा के समय में विपक्ष को राजनीति की बजाय सहयोग करना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक संकट के बीच

राष्ट्र प्रथम के संकल्प पर प्रतिबद्धता जताते हुए एक्साइज ड्यूटी में कटौती करके देश में ईंधन की कीमतों को नियंत्रित रखने का दूरदर्शी नेतृत्व का प्रमाण दिया है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में कुल 4032 पेट्रोल पंप संचालित हैं, जहां प्रतिदिन औसतन 4804 किलोलीटर पेट्रोल और 12003 किलोलीटर डीजल की बिक्री हो रही है। रसोई गैस की स्थिति भी पूरी तरह संतुलित है, हर दिन करीब 2 लाख सिलेंडर प्राप्त हो रहे हैं, जिनमें से लगभग 1.90 लाख सिलेंडर वितरित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि शहरी क्षेत्रों में 25 दिन और ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन तक का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि अस्पतालों, स्कूलों और अन्य आवश्यक संस्थानों में गैस की आपूर्ति को प्राथमिकता दी जा रही है, ताकि किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। वर्तमान में 1.73 लाख कमर्शियल सिलेंडर का स्टॉक उपलब्ध है और केंद्र सरकार द्वारा 70 प्रतिशत आवंटन सुनिश्चित किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कालाबाजारी और जमाखोरी करने वालों पर सख्ती बरती जा रही है। अब तक 928 वाहनों को जब्त किया जा चुका है और अफवाह फैलाने वालों पर भी कड़ी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने जनता से आह्वान किया कि घबराकर अतिरिक्त खरीदारी न करें और सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों से बचें। पीएनजी गैस के क्षेत्र में एक बड़ा निर्णय लेते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि पाइपलाइन बिछाने के लिए पहले 3 लाख रुपये प्रति किलोमीटर की दर से 10 वर्षों का अग्रिम शुल्क लिया जाता था, जिसे अब घटाकर मात्र 1000 प्रति किलोमीटर एकमुश्त कर दिया गया है। इससे प्रदेश में गैस इंफ्रास्ट्रक्चर को तेजी से विस्तार मिलेगा।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने साझा किया 'मन की बात' कार्यक्रम का अनुभव

एजेंसी

कुरुक्षेत्र। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' को परिवार के साथ सुनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम हम सभी के लिए प्रेरणा और मार्गदर्शन का सशक्त माध्यम है। परिवारजनों के साथ इसे सुनना इस अनुभव को और भी विशेष बनाता है। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने जल संरक्षण, 'एक पेड़ माँ के नाम' के तहत पौधरोपण, और 'पीएम सूर्य घर मुफ़्त बिजली योजना' सहित अनेक जनकल्याणकारी मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की।

सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री के विचार राष्ट्र निर्माण, पर्यावरण संरक्षण और जनभागीदारी के लिए अत्यंत प्रेरणादायी हैं और हम सभी को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं।

मैरिज पैलेस स्टोर में लगी आग, सामान जला

एजेंसी

जींद। जिले के गांव हैबतपुर के निकट सेक्टर सात स्थित निजी मैरिज पैलेस में उस समय हड़कंप मच गया जब वहां अचानक से आग भड़क उठी। आग भड़कने की सूचना मिलने पर फायर बिग्रेड की तीन गाडियां तथा सिविल लाइन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से कड़ी मशक्त के बाद आग पर काबू पाया। आग लगने के पीछे शार्ट सर्किट बताया जा रहा है। आग से स्टोर में रखा सामान जल गया और पैलेस को भी नुकसान पहुंचा है। आग लगने से कुछ समय पहले वहां भगवत कथा भी संपन्न हुई थी।प्राप्त जानकारी के अनुसार सेक्टर सात के निकट शनिवार दोपहर बाद मैरिज पैलेस के स्टोर में आग भड़क उठी। मौके पर मौजूद लोगों ने आग पर काबू पाने की कोशिश भी की। लेकिन तेजी से फैलने लगी। सूचना पाकर सिविल लाइन थाना पुलिस तथा फायर बिग्रेड की तीन गाडिय़ा मौके पर पहुंच गई और आधे घंटे की मशक्त के बाद आग पर काबू पाया। बताया जा रहा है कि स्टोर में सजावट, बर्तन, मेट व अन्य सामान था। जो जल गया। आगजनी से कुछ समय पहले पैलेस मे भगवत कथा संपन्न हुई थी। कुछ ही लोग वह पर थे। जिन्होंने स्टोर से आग की लपटे उठती दिखाई दी। बताया जाता है कि आग के पीछे कारण शार्ट सर्किट रहा है। आग की घटना मे स्टोर मे रखा सामान तो जल ही गया, साथ मे पैलेस को भी काफी नुकसान पहुंचा है।

नायब सरकार कर रही जनता के हित में काम : रामकुमार गौतम

एजेंसी

जींद। सफीदों विधायक रामकुमार गौतम ने कहा है कि नायब सरकार लगातार जनता के हित में काम कर रही है और ग्रामीण क्षेत्रों के विकास को प्राथमिकता दी जा रही है। सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने के लिए कई योजनाएं लागू की गई हैं, जिनका लाभ आमजन तक पहुंच रहा है। सफीदों विधायक रामकुमार गौतम आगामी चार अप्रैल को हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की प्रस्तावित धन्यवाद एवं विकास रैली को लेकर सफीदों विधानसभा क्षेत्र में जनसंपर्क अभियान के दौरान ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे। विधायक ने कहा कि चार अप्रैल को आयोजित होने वाली यह रैली सफीदों के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ेगी ।

यह केवल एक रैली नही बल्कि

क्षेत्र के विकास की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने बताया कि इस जनसंपर्क अभियान का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को जोडऩा और उन्हें सरकार की योजनाओं एवं विकास कार्यों से अवगत कराना है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की यह धन्यवाद एवं विकास रैली क्षेत्र के लिए कई नई सौगातें लेकर आएगी। इस रैली के माध्यम से जहां सरकार जनता का आभार व्यक्त करेगी, वहीं विकास परियोजनाओं की घोषणा और शिलान्यास भी किया जाएगा। इससे सफीदों विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को नई गति मिलेगी और क्षेत्र की आधारभूत सुविधाओं में सुधार होगा। विधायक ने क्षेत्रवासियों से अपील की कि वे इस रैली में बढ़चढ़ कर भाग लें और इसे सफल बनाएं।

उन्होंने कहा कि जनता की भागीदारी ही किसी भी लोकतांत्रिक कार्यक्रम की असली ताकत होती है और इस रैली में अधिक से अधिक लोगों की उपस्थिति क्षेत्र की एकजुटता और विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाएगी। इस मौके पर पूर्व विधायक कलीराम पटवारी, सरपंच श्यामलाल, होशियार सैनी, रामधन शर्मा सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

गेहूं खरीद की शर्तों पर इनेलो आक्रामक

राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

एजेंसी

चंडीगढ़। इनेलो ने गेहूं खरीद की शर्तों पर सवाल उठाते हुए राज्यपाल प्रोफेसर असीम कुमार घोष को ज्ञापन सौंपा। इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय चौटाला और प्रदेशाध्यक्ष रामपाल माजरा के नेतृत्व में इनेलो प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को गेहूं खरीद में आ रही समस्याओं बारे अवगत कराया। अभय चौटाला ने राज्यपाल को अवगत कराया कि खरीद प्रक्रिया में लागू शर्तें जिनमें, गेट पास, बायोमेट्रिक और नॉमिनी प्रणाली जटिल और किसानों के लिए बाधक है। उन्होंने कहा कि खरीद केंद्र शुरू न होने से किसानों को भारी परेशानी हो रही है।

राज्यपाल को ज्ञापन सौंपने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए अभय चौटाला ने कहा कि सरकार ने गेहूं की खरीद पर ट्रैक्टर-ट्राली का नंबर देने, मंडी में जाकर गेट पास लेने, बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन कराने और 3 लोग नॉमिनी अनिवार्य होने जैसी शर्तें लगाई हैं। ये सभी शर्तें क्यों

लगाई गई हैं? गेहूं की खरीद पर ऐसी शर्तें कभी नहीं थी। गेट पास का समय सुबह 6 से रात 8 बजे तक का रखा है यह भी चौबीस घंटे होना चाहिए। क्योंकि दिन में आग लगने का डर रहता है इसलिए गेहूं रात को कटती है और रात को ही मंडियों में आती है। झोटा बुगी, बैल गाड़ी और उंट गाड़ी पर जो फसल लेकर आएगा उनको गेट पास कैसे मिलेगा। इन सभी मांगों को लेकर 12 मार्च को मुख्यमंत्री ने हमें आश्वासन दिया था कि खरीद केंद्र बंद नहीं किए जाएंगे और लाइसेंस रिन्यू किए जाएंगे। आज तक मुख्यमंत्री की तरफ से कोई जवाब नहीं आया है इसलिए राज्यपाल से मिले हैं। इसके लिए राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा है। राज्यपाल ने आश्वासन दिया है इनेलो की मांगों को लेकर वे सरकार से बातचीत करेंगे। प्रतिनिधिमंडल में इनेलो के राष्ट्रीय संरक्षक प्रो. सम्पत सिंह किसान प्रकोष्ठ के प्रदेशाध्यक्ष फूल सिंह मंजूरा, राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष आरएस चौधरी, राष्ट्रीय प्रधान महासचिव प्रकाश भारती, पूर्व मंत्री एवं इनेलो की पार्लियामेंट अफेयर्स कमेटी के चेयरमैन वासुदेव शर्मा, सदस्य पूर्व विधायक राधेश्याम शर्मा, सदस्य पूर्व विधायक भरत सिंह छोकर, विधायक अदित्य देवीलाल, विधायक अर्जुन चौटाला, महिला प्रदेशाध्यक्ष तनुजा कश्यप, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य ओमप्रकाश गोयल, पूर्व विधायक रामफल कुंडू, पार्टी सेक्रेटरी नछत्तर सिंह मल्हान, प्रदेश प्रवक्ता डा. सतबीर सैनी शामिल रहे।

अभय चौटाला ने कहा इनेलो 30 मार्च को पानीपत में बैठक करेगी और किसानों को लेकर रणनीति बनाएगी। इनेलो मंडियों में किसान कष्ट निवारण केंद्र बनाएगी। अगर किसी किसान को कोई दिक्कत आएगी तो किसान हमारे किसान कष्ट निवारण केंद्र पर आकर संपर्क करेगा। उसके बाद किसानों की समस्याओं को लेकर अधिकारियों से बात करेंगे।

ट्रोल व डीजल की एक्साइज ड्यूटी में भारी कटौती जनहित में केन्द्र का बड़ा कदम : आशा खेदड़

एजेंसी

हिसार। भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़ ने केन्द्र सरकार द्वारा फ्यूल एक्साइज ड्यूटी कम किए जाने की सराहना करते हुए इसे सरकार का जनता के हित में बड़ा कदम बताया है। उन्होंने कहा कि तेल संकट के समय में केन्द्र ने पैट्रोल व डीजल पर एक्साइज डॅयूटी में बड़ी कटौती की है, जिससे जनता को उसी दर पर तेल मिलता रहेगा। डॉ. आशा खेदड़ ने शनिवार को कहा कि केन्द्र सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए पैट्रोल व एक्साइज ड्यूटी 13 रुपये से घटाकर तीन रुपये व डीजल पर एक्साइज ड्यूटी 10 रुपये घटाकर शून्य कर दिया है। केन्द्र के इस फैसले से तेल की कीमतों को नियंत्रित रखने में मदद मिलेगी और जनता को संकट के इस समय में तेल कीमतों में बढ़ोतरी का सामना नहीं करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार जनहित में व जनता के हितों को ध्यान में रखकर काम कर रही है। यही कारण है कि सरकार ने जनता पर पड़ने वाला भार खुद वहन करके जनता के हर वर्ग को बड़ी राहत दी है। डॉ. आशा खेदड़ ने केन्द्र व प्रदेश सरकार के दावों का

हवाला देते हुए कहा कि देश में तेल व इंधन की कोई कमी नहीं है। सरकार एवं प्रशासन हर स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं तथा सुनिश्चित आपूर्ति के प्रयास में है ताकि हर नागरिक को उसकी जरूरत के अनुसार तेल व गैस मिल सके। उन्होंने नागरिकों से भी अपील की कि वे पैनिक न हो और अपनी जरूरत के अनुसार ही तेल व गैस खरीदें ताकि इनका आबंटन सुचारू रह सके।

हरियाणा में पैट्रोल, डीज़ल और रसोई गैस की कोई कमी नहीं : नायब सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश के लोगों को आश्वस्त किया कि मध्य -एशिया में बने हालातों के मद्देनजर राज्य में पेट्रोल, डीज़ल और रसोई गैस की कोई कमी नहीं है, उनको घबराने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने स्वयं इस संबंध में पेट्रोलियम कंपनियों के साथ बैठक की है। प्रदेश में पेट्रोल, डीजल व गैस की आपूर्ति की स्थिति इस समय भी वैसी ही है, जैसी चार महीने पहले थी। वर्तमान में पेट्रोल-डीजल का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। मुख्यमंत्री हरियाणा निवास में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि ऑयल मार्केटिंग कंपनियों द्वारा टर्मिनल संचालन बढ़ाया गया है। डिस्पैच तेज किए गए हैं, फील्ड अधिकारियों की तैनाती की गई है और सुबह के समय सप्लाई को प्राथमिकता दी जा रही है। इससे स्थिति सामान्य है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नायब सिंह सैनी ने बताया कि वर्तमान में कुल एक लाख 73 हजार कमर्शियल सिलेंडर का स्टॉक उपलब्ध है। केंद्र सरकार द्वारा कमर्शियल एल.पी.जी. के क्षेत्र में 70

प्रतिशत आवंटन ढांचा बनाया गया है। उन्होंने इसके लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में घरेलू एलपीजी की देश में की जा रही प्रोडक्शन को 40 प्रतिशत से बढ़ा दिया है, ताकि आयात पर निर्भरता कम हो जाए। उन्होंने बताया कि वर्तमान में, हरियाणा में पीएनजी गैस पाइपलाइन बिछाने पर तीन लाख रुपये प्रति किलोमीटर का लीज रेंट 10 साल के लिए अग्रिम लिया जाता है। सरकार ने इसे एक हजार रुपये प्रति किलोमीटर एकमुश्त करने का निर्णय लिया है। इससे गैस कंपनियों और आम जनता को भी राहत मिलेगी। उन्होंने बताया कि राज्य में इस समय 28 हजार 377 किलोमीटर लंबी पीएनजी पाइपलाइन बिछी हुई है। अब इस काम में और तेजी आएगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण कुमार गुप्ता, सूचना, जनसम्पर्क एवं भाषा विभाग के महानिदेशक के. मकरंद पांडुरंग, अतिरिक्त निदेशक (प्रशासन) वर्षा खांगवाल, मुख्यमंत्री के मीडिया सचिव प्रवीण आत्रेय उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने ऊर्जा मंत्री अनिल विज के अंबाला छावनी स्थित आवास पर पहुंच उनका हालचाल जाना

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज से आज उनके अम्बाला छावनी स्थित आवास पर पहुंचे प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने उनका हालचाल जाना और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की मंगलकामना की। इससे पहले, मंत्री विज ने मुख्यमंत्री नायब सैनी का पुष्पगुच्छ भेंटकर उनका सम्मानपूर्वक स्वागत किया। आज दोपहर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के साथ आत्मीयता और सद्भाव का प्रतीक रही इस भेंट के दौरान प्रदेश के विकास एवं जनसेवा से जुड़े विषयों पर भी संक्षिप्त चर्चा हुई। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि अनिल विज प्रदेश की राजनीति के वरिष्ठ एवं अनुभवी नेता हैं, जिनका प्रशासनिक अनुभव और

जनसेवा के प्रति समर्पण हरियाणा के लिए अमूल्य है। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि विज शीघ्र पूर्ण स्वस्थ होकर पुनः ऊर्जा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। इस दौरान मंत्री अनिल विज ने मुख्यमंत्री नायब सैनी को सम्मानपूर्वक शॉल भेंट की। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के आगमन पर अनिल विज, उनके भाई राजिंद्र विज, कपिल विज, गौरव विज, शुभम विज, अतुल महेंद्रू, भारती एवं परिवार के अन्य सदस्यों ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। पारिवारिक आत्मीयता के माहौल में हुई इस भेंट ने आपसी विश्वास और सहयोग की भावना को और मजबूत किया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री असीम गोयल, भाजपा नेत्री बंतो कटारिया आदि मौजूद रहे।

भारतीय जनता पार्टी का इतिहास संघर्ष, सेवा और राष्ट्रहित के मूल्यों से प्रेरित : कृष्ण बेदी

एजेंसी

जींद। हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी का इतिहास संघर्ष, सेवा और राष्ट्रहित के मूल्यों से प्रेरित रहा है। पार्टी की मजबूती का आधार समर्पित कार्यकर्ता हैं। जो संगठन की विचारधारा को समाज के बीच लेकर जाते हैं।

कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी सफीदों स्थित गीता विद्या मंदिर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान में भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए मंडल स्तरीय प्रशिक्षण शिविरों को संबोधित कर रहे थे। कैबिनेट मंत्री एवं प्रदेश महामंत्री कृष्ण बेदी ने अपने संबोधन में कहा कि 370 मंडलों में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 के अंतर्गत कार्यकर्ताओं को प्रभावी वक्ता बनाने का मौका मिल रहा है। एक समर्पित कार्यकर्ता को इसका फायदा उठाना चाहिए ताकि पार्टी की नींव और मजबूत हो सके। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण शिविर कार्यकर्ताओं को संगठन की नीतियों और सिद्धांतों की गहराई से समझ प्रदान करते हैं। इससे कार्यकर्ताओं में संगठन के प्रति निष्ठा

और सेवा भाव और अधिक मजबूत होता है। उन्होंने कहा कि पार्टी द्वारा देश वासियों के लिए अनेक कदम उठाए हैं। पार्टी के लिए देश सर्वप्रथम है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए सक्रिय रूप से कार्य करें। कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि सफीदों में यह मंडल प्रशिक्षण 24 घंटे का है। इसमें पार्टी की नीति, सोच, विचार जनता तक पहुंचाने की पूरी गमबीरता के साथ काम किया जा रहा है। इस मौके पर मुख्यमंत्री के मीडिया एडवाइजर अशोक छाबड़ा, जिला प्रभारी मदन गोयल, जिला अध्यक्ष तेजेंदर ढुल, प्रदेश संयोजक विजयपाल सिंह, चेयरमैन श्रवण गर्ग, मंडल अध्यक्ष गीता सहित अन्य भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सिरसा सांसद कुमारी सैलजा ने लोकसभा में उठाया कैंसर के बढ़ते मामलों का मुद्दा

एजेंसी

सिरसा। सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने लोकसभा में हरियाणा विशेषकर सिरसा और आसपास के क्षेत्रों में तेजी से बढ़ रहे कैंसर के मामलों को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की। सैलजा ने जारी एक प्रेस बयान में कहा कि सिरसा, फतेहाबाद, हिसार और जींद जैसे जिलों में कैंसर के मामले लगातार बढ़ रहे हैं, जो अत्यंत चिंताजनक हैं। उन्होंने विशेष रूप से घग्गर और यमुना नदी से प्रभावित क्षेत्रों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन इलाकों में पर्यावरण एवं जल प्रदूषण की स्थिति की गहन जांच आवश्यक है। उन्होंने कहा कि रासायनिक उर्वरकों, कीटनाशकों और अन्य हानिकारक तत्वों के अत्यधिक उपयोग के कारण मिट्टी और भूजल दोनों दूषित हो रहे हैं, जिसका सीधा असर आमजन के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। उन्होंने सरकार से मांग की कि यह पता लगाने के लिए तत्काल व्यापक और वैज्ञानिक अध्ययन कराया जाए कि क्या भूजल में प्रदूषण कैंसर के बढ़ते मामलों का प्रमुख

कारण है।

कुमारी सैलजा ने कहा कि सरकार को तुरंत ठोस कदम उठाते हुए इस गंभीर समस्या के वास्तविक कारणों की पहचान करनी चाहिए और प्रभावी रोकथाम के उपाय लागू करने चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने सिरसा में एक सुपर स्पेशलिटी कैंसर अस्पताल स्थापित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि इस अस्पताल के बनने से न केवल सिरसा बल्कि आसपास के जिलों के हजारों मरीजों को समय पर जांच, बेहतर इलाज और समुचित देखभाल की सुविधा मिल सकेगी। अपने वक्तव्य के अंत में कुमारी सैलजा ने कहा कि यह केवल एक क्षेत्र का नहीं बल्कि पूरे देश के स्वास्थ्य से जुड़ा गंभीर विषय है, जिस पर सरकार को प्राथमिकता के आधार पर कार्य करना चाहिए।

ड्राई फ्रूट्स और दवाइयां महंगी, रेडी-टू-ईट फूड की मांग बढ़ी

– पिस्ता, आलूबुखारा, अंजीर और ममरा बादाम की कीमतें 30-40 फीसदी तक बढ़ी

नई दिल्ली ।

दिल्ली की खारी बावली मंडी में ड्राई फ्रूट्स और जड़ी-बूटियों की कीमतों में 20 फीसदी से 50 फीसदी तक उछाल आया है। व्यापारियों के अनुसार, काजू को छोड़कर ज्यादातर ड्राई फ्रूट्स मिडल ईस्ट, खासकर ईरान से आते हैं, जिसकी सप्लाई अब रुक गई है। पिस्ता, आलूबुखारा, अंजीर और ममरा बादाम की कीमतें 30-40 फीसदी तक बढ़ गई हैं। त्योहारों पर खजूर की मांग बढ़ने के बावजूद सीमित स्टॉक के कारण इसकी कीमतें भी बढ़ रही हैं। पैरासिटामोल जैसी दवाइयों में इस्तेमाल होने वाले जड़ी-बूटियों और अन्य कच्चे माल की कीमतें 47 फीसदी तक बढ़ गई हैं। खारी बावली के व्यापारी बताते हैं कि दवाइयों में प्रयुक्त जड़ी-बूटियों की सप्लाई भी मिडल ईस्ट संकट के कारण बाधित है। घरों में कुकिंग गैस की कमी और समय की कमी के कारण लोग रेडी-टू-ईट और पैक्ड फूड की ओर बढ़ रहे हैं। अमेज़न इंडिया पर इंस्टेंट नूडल्स, पैकेट बंद मील और स्नैक्स की मांग 15 फीसदी से अधिक बढ़ गई है। यह ट्रेंड सिर्फ मेट्रो शहरों तक सीमित नहीं है, बल्कि सोनीपत और पणजी जैसे टियर-2 शहरों में भी देखा जा रहा है। क्विक-कॉमर्स प्लेटफ़ॉर्म अमेज़न नाउ पर मंथ-ऑन-मंथ 20 फीसदी सेल बढ़ी। वहीं दिल्ली के करीब 50,000 स्ट्रीट फूड वेंडर्स में से 20-30 फीसदी गैस की कमी और बढ़ती लागत के कारण बंद होने के कगार पर हैं। 28 फरवरी 2026 को अमेरिका और इज़राइल ने ईरान पर मिलकर हवाई हमले किए, जिनमें कई सैन्य ठिकाने और उच्च अधिकारी मारे गए। इससे स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में तनाव बढ़ा, जो भारत का 80-85 फीसदी एलपीजी आयात मार्ग है। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा एलपीजी आयातक है, और 60 फीसदी से अधिक एलपीजी विदेश से आती है। सरकार ने कहा कि देश में एलपीजी और तेल की कोई कमी नहीं है और लोगों से अफवाहों से बचने की अपील की।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों के मार्केट कैप में 2.82 लाख करोड़ से अधिक गिरावट

- वैश्विक तनाव और तेल की कीमतों ने बढ़ाई बाजार की बेचैनी

मुंबई ।

पिछले सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई, जिससे निवेशकों का लगभग 4 लाख करोड़ रुपये डूब गया। विशेषज्ञों का कहना है कि गिरावट के पीछे ईरान-अमेरिका तनाव और कच्चे तेल की ऊंची कीमतें प्रमुख कारण हैं। रुपया भी दबाव में रहा और डॉलर के मुकाबले 94 के स्तर से नीचे गिरकर रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया। ` पिछले सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 2.82 लाख करोड़ से अधिक` गिरावट रही। सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) ने शीर्ष स्थान बनाए रखा। हालांकि, इसके मार्केट वैल्यू में भी गिरावट दर्ज हुई। एचडीएफसी बैंक और टीसीएस ने सबसे ज्यादा नुकसान उठाया। इनके मार्केट कैप में भारी कमी आई, जिससे निवेशकों को बड़े स्तर पर नुकसान हुआ। भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एलआईसी सभी ने मार्केट कैप में गिरावट दर्ज की। कुल मिलाकर शीर्ष 10 कंपनियों का मार्केट वैल्यू लगभग 2.82 लाख करोड़ रुपये से अधिक घट गया। विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक घटनाओं और कच्चे तेल की कीमतों के प्रभाव से भारतीय शेयर बाजार अस्थिर बना हुआ है।

एफपीआई ने मार्च में अब तक भारतीय शेयर बाजार से निकाले 1.14 लाख करोड़

- इस साल अब तक एफपीआई ने कुल 1.27 लाख करोड़ रुपये की निकासी की

नई दिल्ली ।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने मार्च 2026 में अब तक 1.14 लाख करोड़ रुपये (लगभग 12.3 अरब डॉलर) भारतीय शेयर बाजार से निकाले हैं। यह अब तक की सबसे बड़ी मासिक निकासी है। एनएसडीएल के आंकड़ों के अनुसार इस साल अब तक एफपीआई ने कुल 1.27 लाख करोड़ रुपये की निकासी की है। 27 मार्च तक शेयरों की बिक्री 1,13,380 करोड़ रुपये रही। मार्च का एक कारोबारी सत्र अभी बचा है, इसलिए निकासी का आंकड़ा और बढ़ सकता है। एफपीआई ने इससे पहले अक्टूबर 2024 में एक महीने में सबसे अधिक 94,017 करोड़ रुपये की निकासी की थी। फरवरी 2026 में एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार में 22,615 करोड़ रुपये का निवेश किया था, जो पिछले 17 महीनों का उच्चतम निवेश था। विशेषज्ञों के अनुसार इस बार की बिकवाली के पीछे कई कारक हैं। बाजार के`` विशेषज्ञों के अनुसार, पश्चिम एशिया में संघर्ष, रुपये की लगातार गिरावट, खाड़ी क्षेत्र से रेमिटेंस में कमी की आशंका और कच्चे तेल की ऊंची कीमतें भारत की आर्थिक वृद्धि और कंपनियों के लाभ पर दबाव डाल रही हैं। मेरिका में उच्च बॉन्ड प्रतिफल और वैश्विक स्तर पर कड़ी तरलता ने एफपीआई को विकसित बाजारों की ओर आकर्षित किया है। शेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता और भू-राजनीतिक तनाव के चलते एफपीआई बिकवाल बने हुए हैं। अगर यह प्रवृत्ति जारी रही, तो भारतीय शेयर बाजार पर दबाव और बढ़ सकता है। निवेशकों को सतर्क रहने की सलाह दी जा रही है।

ईरान युद्ध और घरेलू आंकड़ों से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

– वैश्विक और क्षेत्रीय अनिश्चितताओं के चलते बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजारों में पिछले कुछ सप्ताह से जारी गिरावट के बीच आने वाले सप्ताह में एक बार फिर निवेशकों की नजर ईरान युद्ध की स्थिति पर रहेगी। इसके अलावा इस सप्ताह में कुछ प्रमुख आंकड़े भी आने वाले हैं। सोमवार 30 मार्च को फरवरी के औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े जारी होने हैं। पश्चिम एशिया संकट शुरू होने के बाद की तस्वीर बताने वाला मार्च का पहला वृहत आंकड़ा विनिर्माण पीएमआई का होगा जो 2 अप्रैल को जारी होगा। वाहनों की बिक्री के कंपनियों के अलग-अलग आंकड़े भी 1 और 2 अप्रैल को जारी किये जायेंगे। इन सभी कारकों का असर शेयर बाजारों पर दिखेगा। बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में गिरावट का सिलसिला जारी रहा। पश्चिम एशिया में ईरान युद्ध के बढ़ते तनाव और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। इस सप्ताह में निवेशकों की निगाहें ईरान संकट पर रहेंगी। विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक और क्षेत्रीय अनिश्चितताओं के चलते बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है। बीएसई का सेंसेक्स सप्ताह के अंत में 73,583.22 अंक पर बंद हुआ, जो 949.74 अंक यानी 1.27 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक 22,819.60 अंक पर बंद हुआ, जो 294.90 अंक या 1.27 प्रतिशत कम है। मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों पर भी दबाव देखा गया। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.13 प्रतिशत गिरकर बंद हुआ जबकि स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.63 प्रतिशत घटा। सेंसेक्स की 30 प्रमुख कंपनियों में से 20 के शेयरों में साप्ताहिक गिरावट दर्ज की गई। सबसे अधिक गिरावट बीईएल के शेयर में रही, जो 5 प्रतिशत तक लुढ़क गया। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज 4.69 फीसदी, ट्रेंट 4.64 फीसदी, भारतीय स्टेट बैंक 3.62 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 3.10 फीसदी और टाइटन 3.09 प्रतिशत टूटे। हालांकि, कुछ कंपनियों ने मजबूती दिखाई। एलएंडटी के शेयर में 3.82 प्रतिशत की बढ़त रही। इसके अलावा एचसीएल टेक्नोलॉजीज 2.22 फीसदी, बजाज फाइनेंस 1.68 फीसदी, इंफोसिस 1.23 फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 1.14 फीसदी और सनफार्मा 1.02 प्रतिशत ऊपर बंद हुए।

सीएमएस ने एफएसएस के एटीएम प्रबंधन कारोबार का 115 करोड़ में अधिग्रहण किया

मुंबई ।

सीएमएस इन्फो सिस्टम्स ने फाइनेंशियल सॉफ्टवेयर एंड सिस्टम्स (एफएसएस) के प्रबंधित सेवाओं के कारोबार का अधिग्रहण 115 करोड़ में करने की घोषणा की है। इस सौदे में एफएसएस की परिचालन परिसंपत्तियों और ग्राहक अनुबंधों का हस्तांतरण शामिल है। कंपनी का कहना है कि यह अधिग्रहण 2026-27 की पहली तिमाही तक पूरा होने की उम्मीद है। एफएसएस के 8,000 एटीएम जुड़ने के बाद सीएमएस के एटीएम पोर्टफोलियो की संख्या 39,000 हो जाएगी। यह कदम कंपनी को एंड-टू-एंड एटीएम प्रबंधन सेवाओं में अपनी स्थिति मजबूत करने में मदद करेगा। इसके साथ ही नए निजी क्षेत्र के बैंक भी कंपनी के ग्राहक बनेंगे, जिससे ग्राहक आधार और व्यापक होगा। सीएमएस के एक कार्यकारी अे धिकारी ने कहा कि प्रबंधित सेवा उद्योग मजबूत हो रहा है और बैंक अब कम संख्या में भरोसेमंद भागीदारों के साथ काम करना पसंद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एफएसएस के ग्राहक वे हैं, जिनके साथ कंपनी अपने संबंध और मजबूत करना चाहती है। इस अधिग्रहण से सीएमएस की बाजार स्थिति, बैंकिंग प्रौद्योगिकी सेवाओं और ग्राहक आधार दोनों ही मजबूत होंगे, जिससे कंपनी को लंबी अवधि में लाभ होगा।

बीते सप्ताह खाद्य तेल-तिलहन के दाम में मजबूती, सरसों तेल सोयाबीन से सस्ता

– शादी-विवाह के मौसम की बढ़ती मांग, डॉलर के मुकाबले रुपए की कमजोरी से कीमतें बढ़ीं

नई दिल्ली ।

देश के तेल-तिलहन बाजार में बीते सप्ताह अधिकांश तेल-तिलहन के दाम मजबूती के साथ बंद हुए। शादी-विवाह के मौसम की बढ़ती मांग, डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी और विदेशों में तेल की ऊंची कीमतों ने इस तेजी में योगदान किया। हरियाणा में पहली बार सरसों तेल का दाम सोयाबीन तेल से कम रहा (सरसों 148.25 प्रे ति` किलो, सोयाबीन 165 रुपए प्रे ति` किलो) बिना प्रसंस्करण वाला सरसों तेल सस्ता होने की वजह से इसकी मांग बढ़ी। आवक घटकर 6.75 लाख बोरी रह गई, जिससे दाम मजबूत बने। मूंगफली तेल की कीमत ऊंची होने के कारण स्थिर रही, जबकि बिनौला तेल लगभग 27 रुपए प्रे ति` किलो सस्ता होने से उपभोक्ताओं का रुझान बढ़ा। कपास नरमा की आवक 42,000 गांठ रह जाने से भी बिनौला तेल के दाम में सुधार हुआ। सोयाबीन डीगम तेल के अंतरराष्ट्रीय दाम बढ़कर 1,360-65 डालर प्रे ति टन हुए। पाम और पामोलीन तेल के दाम भी मजबूत रहे। विशेषज्ञों का कहना है कि देशी तेल-तिलहन उत्पादन बढ़ाना जरूरी है ताकि आयात पर निर्भरता कम हो और घरेलू बाजार स्थिर रहे। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 75 रुपये के सुधार के साथ 7,025-7,050 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दादरी मंडी में बिकने वाला सरसों तेल 225 रुपये के सुधार के साथ 14,825 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 30-30 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,460-2,560 रुपये और 2,460-2,605 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ।समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमशः 25-25 रुपये की तेजी के साथ क्रमशः 5,725-5,775 रुपये और 5,325-5,475 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए।

इसी प्रकार, दिल्ली में सोयाबीन तेल 150 रुपये के सुधार के साथ 16,450 रुपये प्रति क्विंटल, इंदौर में सोयाबीन तेल 150 रुपये के सुधार के साथ 15,850 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल का दाम 100 रुपये के सुधार के साथ 13,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।मूंगफली तिलहन का दाम 7,250-7,725 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 17,550 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 2,770-3,070 रुपये प्रति टिन पर स्थिर रुख के साथ बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में कारोबारी धारणा में आम मजबूती के रुख के अनुरूप, सीपीओ तेल का दाम 25 रुपये के मामूली सुधार के साथ 13,625 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 25 रुपये सुधरकर 15,425 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव भी 25 रुपये की बढ़ोतरी के साथ 14,375 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। तेजी के आम रुख के अनुरूप, बिनौला तेल का दाम 150 रुपये के सुधार के साथ 14,850 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

ईरान-यूएस संघर्ष से तेल की कीमतों में उछाल, महंगाई का खतरा बढ़ा

नई दिल्ली ।

ईरान और अमेरिका के बीच जारी तनाव ने दुनिया भर में महंगाई के खतरे को बढ़ा दिया है। एक ब्रोकरेज फर्म के अनुसार, अगर संघर्ष जून तक चलता है और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बंद रहता है, तो कच्चे तेल की कीमतें 200 डॉलर प्रति बैरल तक पहुँच सकती हैं, जिसकी संभावना 40 फीसदी है। दूसरी ओर, कंपनी ने 60 फीसदी आशावादी संभावना भी जताई है, जिसमें संघर्ष जल्द ही कम हो सकता है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज दुनिया के प्रमुख तेल मार्गों में से एक है, और ईरान द्वारा इसका नियंत्रण तेल आपूर्ति को प्रभावित कर रहा है। 27 मार्च को दो चीनी जहाजों को मार्ग से रोकने के बाद ब्रेंट क्रूड 111.06 डॉलर और अमेरिकी डब्ल्यूटीआई 97.01 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। मेरीन ट्रे फिक की रिपोर्ट के अनुसार, यह इस मार्ग को पार करने वाले बड़े कंटेनर जहाजों पर पहला प्रतिबंध है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को इस मार्ग को खोलने के लिए 10 दिन का समय दिया और इस अवधि में ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर हमले से रोकने का ऐलान किया। ट्रंप के अनुसार, बातचीत सकारात्मक दिशा में चल रही है। अगर संघर्ष जल्दी हल होता है, तो तेल की कीमतों में स्थिरीकरण संभव है और वैश्विक महंगाई पर नियंत्रण आ सकता है।

क्रेडिट कार्ड के नियमों में 1 अप्रैल से होंगे बड़े बदलाव

– बदलावों का मकसद बड़े खर्चों पर निगरानी बढ़ाना

नई दिन्ली

। अब वित्तीय वर्ष में अगर किसी कार्ड से 10 लाख रुपये या उससे अधिक खर्च होता है, तो बैंक इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को इसकी जानकारी दे सकता है। विदेश में किए गए बड़े खर्चों पर भी नजर रहेगी। यदि खर्च आपकी आय के अनुरूप नहीं है, तो नोटिस मिल सकता है। 1 अप्रैल से सभी नए और मौजूदा क्रेडिट कार्ड पेन नंबर से लिंक होंगे।

पेन के बिना कार्ड जारी नहीं होगा। इसका मतलब है कि आपका कार्ड आपकी टैक्स पहचान का हिस्सा बन जाएगा। अगर आप कंपनी कार्ड का निजी खर्च करते हैं, जैसे ट्रैवल या मनोरंजन, तो यह टैक्स योग्य लाभ माना जाएगा। खर्च के सबूत (बिल/इनवॉइस) रखना जरूरी होगा, वरना यह राशि आपके वेतन में जोड़कर टैक्स लगेगा। अब इनकम टैक्स का भुगतान क्रेडिट कार्ड से भी किया जा सकेगा। यह सुविधा तब मददगार है जब तुरंत नकदी उपलब्ध न हो।

हालांकि, प्रोसेसिंग फीस और बिल देर से चुकाने पर ब्याज देना पड़ सकता है।

क्रेडिट कार्ड स्टेटमेंट अब पेन कार्ड के पते के प्रमाण के रूप में स्वीकार होगा। यह नए आवेदन या पते अपडेट करने में आसान बनाता है।

सोने में तेज उतार-चढ़ाव- लंबी अवधि में चमक बरकरार, शॉर्ट टर्म में दबाव

सेंट्रल बैंकों की रिकॉर्ड खरीद से सपोर्ट, लेकिन ऊंची ब्याज दरें और बिकवाली से कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली।

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के बीच सोने की कीमतों में इन दिनों भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। एक ओर जहां सेंट्रल बैंक लगातार बड़ी मात्रा में सोना खरीद रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ हालिया गिरावट ने निवेशकों को असमंजस में डाल दिया है। ताजा विश्लेषण के अनुसार, ग्लोबल गोल्ड रिजर्व में सोने की हिस्सेदारी बढ़कर करीब 30 फीसदी तक पहुंच गई है, जो 1991 के बाद का उच्चतम स्तर है। अनुमान है कि इस साल सेंट्रल बैंक लगभग 800 टन सोने की खरीद कर सकते हैं, जो कुल वार्षिक उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा है। यह ट्रेंड लंबे समय में कीमतों को मजबूती देता है। हालांकि, शॉर्ट टर्म में सोने पर दबाव बना हुआ है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की संभावना कम होने से निवेशक सोने से दूरी बना रहे हैं।

रूस ने पेट्रोल निर्यात पर लगाई रोक, भारत पर इसका असर ज्यादा नहीं

– रूस ने 1 अप्रैल से 31 जुलाई तक पेट्रोल निर्यात पर रोक लगाई

मॉस्को ।

रूस ने 1 अप्रैल से 31 जुलाई तक पेट्रोल निर्यात पर अस्थायी रोक लगाने का निर्णय लिया है। उप-प्रधानमंत्री और ऊर्जा मंत्री अलेक्जेंडर नोवाक ने इस कदम को घरेलू सप्लाई सुनिश्चित करने और पेट्रोल की कीमतें नियंत्रित रखने के लिए जरूरी बताया। नोवाक ने कहा कि मिडिल ईस्ट में इजराइल और ईरान के बीच जारी संघर्ष के कारण वैश्विक तेल और पेट्रोलियम बाजार में अस्थिरता बढ़ गई है। रूस रोजाना लगभग 1.2 से 1.7 लाख बैरल पेट्रोल निर्यात करता है। रूस के पेट्रोल उत्पादों के बड़े खरीदार देशों में चीन, तुर्की, ब्राजील, अफ्रीका और सिंगापुर शामिल हैं। इन देशों को निर्यात रोकने से सप्लाई में कमी और कीमतों में उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ सकता है। वैश्विक बाजार में इस कदम का असर तेल और पेट्रोलियम की कीमतों पर पड़ सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि भारत सीधा पेट्रोल आयात नहीं करता, बल्कि देश कच्चा तेल (क्रूड ऑयल) आयात करता है, जिसे अपने रिफाइनरी नेटवर्क में प्रोसेस करके पेट्रोल और डीजल बनाया जाता है। भारत अपनी जरूरत का करीब 80 फीसदी कच्चा तेल आयात करता है, जिसमें से लगभग 20 फीसदी रूस से आता है। भारत रोजाना लगभग 56 लाख बैरल कच्चा तेल रिफाइन करता है, जिससे न केवल घरेलू जरूरत पूरी होती है बल्कि तैयार ईंधन का निर्यात भी होता है। इसलिए, रूस की पेट्रोल निर्यात रोक का भारत पर सीधा असर बहुत कम होने की संभावना है। हालांकि, वैश्विक सप्लाई में कमी के कारण कच्चे तेल की कीमतें बढ़ सकती हैं। पहले से ही तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी हुई हैं, जिससे भारत को तेल महंगाई का अप्रत्यक्ष असर महसूस हो सकता है।

पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति संकट में, आईएमएफ से जुटाएगा 1.2 अरब डॉलर लोन

नई दिल्ली।

पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था संकट की स्थिति में है। फरवरी 2026 में महंगाई दर बढ़कर 7 फीसदी हो गई, जबकि जनवरी में यह 5.8 फीसदी थी। महंगाई के मुख्य कारण खाद्य पदार्थ, बिजली और ईंधन की बढ़ती कीमतें हैं। मार्च में पेट्रोल की कीमत लगभग 321 पाकिस्तानी रुपये प्रति लीटर और डीजल 335 रुपये प्रति लीटर हो गई। मिडिल ईस्ट में तनाव के कारण वैश्विक ईंधन आपूर्ति प्रभावित होने से यह बढ़ोतरी हुई है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने पाकिस्तान के साथ स्टाफ-स्तरीय समझौता किया है। इसके तहत पाकिस्तान को 1.2 अरब डॉलर का लोन मिल सकता है। इसमें 1 अरब डॉलर 'एक्सटेंडेड फंड फैसिलिटी' और 210 मिलियन डॉलर 'रेज़ीलियंस एंड सस्टेनेबिलिटी फैसिलिटी' के तहत दिए जाएंगे। इससे पहले पाकिस्तान को आईएमएफ से 3.3 अरब डॉलर का लोन मिल चुका है। नई मंजूरी के बाद कुल लोन 4.5 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा। आईएमएफ के अनुसार पाकिस्तान की जीडीपी ग्रोथ 2026 में लगभग 3.6 फीसदी रहने का अनुमान है। हालांकि, बढ़ती महंगाई और आर्थिक कमजोरी विकास को सीमित कर रही है। देश लगातार अपने बचाव के लिए विश्व बैंक और आईएमएफ से वित्तीय सहायता मांगता रहा है।

बीमा सुरक्षा का माध्यम बने, न कि मुनाफे का जाल

ललित गर्ग

विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार, हजारों करोड़ रुपये के बीमा दावे हर वर्ष खारिज कर दिए जाते हैं। यह स्थिति न केवल चिंताजनक है, बल्कि बीमा प्रणाली की विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिह्न लगाती है। अक्सर देखा गया है कि पॉलिसी लेते समय ग्राहकों को शर्तों की पूरी जानकारी नहीं दी जाती। जटिल भाषा में लिखे गए नियम और शर्तें आम व्यक्ति की समझ से बाहर होती हैं। परिणामस्वरूप, जब दावा प्रस्तुत किया जाता है, तो उन्हीं शर्तों को आधार बनाकर भुगतान रोक दिया जाता है। इस समस्या का एक महत्वपूर्ण पहलू निजी अस्पतालों और बीमा कंपनियों के बीच संभावित गठजोड़ भी है।

बीमा का मूल उद्देश्य जीवन की अनिश्चितताओं से सुरक्षा प्रदान करना है। यह व्यवस्था व्यक्ति को बीमारी, दुर्घटना या अन्य संकटों के समय आर्थिक सहारा देती है। परंतु आज के दौर में यह व्यवस्था अपने मूल उद्देश्य से भटकती हुई दिखाई दे रही है। विशेषकर स्वास्थ्य बीमा के क्षेत्र में जो जटिलताएं, अपारदर्शिता और मनमानी देखने को मिल रही है, उसने आमजन के विश्वास को गहरी चोट पहुंचाई है। बीमा, जो सुरक्षा का माध्यम होना चाहिए था, वह कई बार शोषण का उपकरण बनता जा रहा है। वर्तमान समय में चिकित्सा सेवाओं की लागत अत्यधिक बढ़ चुकी है। निजी अस्पतालों में इलाज का खर्च लाखों में पहुंच जाता है। सरकार के द्वारा रियायती मूल्यों पर उपलब्ध कराई भूमि पर बने अस्पताल आज गरीबों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। ऐसे में स्वास्थ्य बीमा एक आवश्यक सुरक्षा कवच के रूप में उभरता है। बीमा कंपनियां भी इसी भय और भविष्य की अनिश्चितता का उपयोग कर लोगों को पॉलिसी खरीदने के लिए प्रेरित करती हैं। लेकिन वास्तविक समस्या तब सामने आती है जब बीमा धारक को उसकी जरूरत होती है। दावों के निपटान के समय कंपनियां अनेक तकनीकी कारणों, शर्तों और अपवादों का हवाला देकर भुगतान से बचने का प्रयास करती हैं।

विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार, हजारों करोड़ रुपये के बीमा दावे हर वर्ष खारिज कर दिए जाते हैं। यह स्थिति न केवल चिंताजनक है, बल्कि बीमा प्रणाली की विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिह्न लगाती है। अक्सर देखा गया है कि पॉलिसी लेते समय ग्राहकों को शर्तों की पूरी जानकारी नहीं दी जाती। जटिल भाषा में लिखे गए नियम और शर्तें आम व्यक्ति की समझ से बाहर होती हैं। परिणामस्वरूप, जब दावा प्रस्तुत किया जाता है, तो उन्हीं शर्तों को आधार बनाकर भुगतान रोक दिया जाता है। इस समस्या का एक महत्वपूर्ण पहलू निजी अस्पतालों और बीमा कंपनियों के बीच संभावित गठजोड़ भी है। कई मामलों में अस्पताल अत्यधिक बिलिंग करते हैं और बीमा कंपनियां कम भुगतान करती हैं, जिससे मरीज को भारी आर्थिक बोझ उठाना पड़ता है। यह स्थिति विशेष रूप से मध्यम और निम्न वर्ग के लोगों के लिए अत्यंत पीड़ादायक होती है। कई बार तो ऐसी घटनाएं भी सामने आती हैं, जहां अस्पताल बकाया राशि के कारण मरीज के शव को तक रोक लेते हैं, जो मानवीय संवेदनाओं के विरुद्ध है।

यदि हम विकसित देशों की तुलना करें, तो वहां बीमा प्रणाली अधिक पारदर्शी और उत्तरदायी है। दावों का निपटान समयबद्ध और न्यायसंगत तरीके से किया जाता है। भारत में भी भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) जैसे नियामक संस्थान मौजूद हैं, जिनका उद्देश्य बीमा क्षेत्र को नियंत्रित और संतुलित करना है।

लेकिन व्यावहारिक स्तर पर इनकी प्रभावशीलता पर प्रश्न उठते रहे हैं। नियामक तंत्र की निष्क्रियता या सीमित हस्तक्षेप के कारण बीमा कंपनियों की मनमानी पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। इस स्थिति में सुधार के लिए सबसे पहले बीमा प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाना आवश्यक है। पॉलिसी दस्तावेजों को आम भाषा में प्रस्तुत किया जाना चाहिए ताकि एक सामान्य व्यक्ति भी उसकी शर्तों को समझ सके। इसके साथ ही, बीमा एजेंटों की जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए कि वे ग्राहकों को पूरी और सही जानकारी दें। गलत जानकारी देकर पॉलिसी बेचने पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

दूसरा महत्वपूर्ण कदम है-दावा निपटान प्रक्रिया का सरलीकरण। बीमा दावों के लिए एक मानकीकृत और समयबद्ध प्रक्रिया लागू की जानी चाहिए। यदि कोई दावा खारिज किया जाता है, तो उसके स्पष्ट और उचित कारण बताए जाएं। इसके लिए एक स्वतंत्र अपीलीय तंत्र भी होना चाहिए, जहां उपभोक्ता अपनी शिकायत दर्ज कर सके और उसे त्वरित न्याय मिल सके। तीसरा, अस्पतालों और बीमा कंपनियों के बीच पारदर्शिता सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। उपचार की लागत को नियंत्रित करने के लिए एक मानक दर प्रणाली लागू की जा सकती है। इससे अनावश्यक बिलिंग और वित्तीय शोषण पर रोक लगेगी। साथ ही, कैशलेस उपचार की सुविधा को अधिक प्रभावी और व्यापक बनाया जाना चाहिए ताकि मरीज को तत्काल आर्थिक राहत मिल सके। चौथा, सरकार को इस क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। एक राष्ट्रीय स्तर की निगरानी प्रणाली स्थापित की जानी चाहिए, जो बीमा कंपनियों और अस्पतालों की गतिविधियों पर नजर रखे। समय-समय पर ऑडिट और जांच के माध्यम से अनियमितताओं को उजागर किया जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। पांचवां, बीमा साक्षरता को बढ़ावा देना अत्यंत आवश्यक है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को बीमा की शर्तों, अधिकारों और प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी दी जानी चाहिए। विशेष रूप से गरीब और अशिक्षित वर्ग के लिए सरल मार्गदर्शिका और सहायता केंद्र स्थापित किए जाने चाहिए। निश्चित तौर पर बीमा व्यवसाय को केवल लाभ कमाने का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक सुरक्षा के एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में देखा जाना चाहिए। जब तक इस क्षेत्र में नैतिकता, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित नहीं होगी, तब तक आमजन का विश्वास बहाल नहीं हो सकता। आज आवश्यकता इस बात की है कि बीमा प्रणाली को पुनर्गठित कर उसे जनहितकारी बनाया जाए। सरल प्रक्रियाएं, स्पष्ट नियम, सशक्त नियामक तंत्र और जागरूक उपभोक्ता-ये चार स्तंभ ही बीमा क्षेत्र को उसकी वास्तविक दिशा में ले जा सकते हैं। यदि समय रहते इन सुधारों को लागू नहीं किया गया, तो बीमा का यह महत्वपूर्ण साधन आम आदमी के लिए सुरक्षा के बजाय संकट का कारण बना रहेगा।

चिकित्सा और बीमा-दोनों ही ऐसे क्षेत्र हैं जो मूलतः मानव जीवन की सुरक्षा, राहत और सेवा से जुड़े हुए माने जाते हैं, लेकिन विडंबना यह है कि आज ये दोनों क्षेत्र आमजन के लिए सबसे अधिक जटिल, महंगे और अविश्वसनीय होते जा रहे हैं। एक ओर रियायती जमीन पर बने निजी अस्पताल गरीबों को मुफ्त इलाज देने के अपने दायित्व से बचते नजर आते हैं, वहीं दूसरी ओर स्वास्थ्य बीमा के नाम पर बीमा कंपनियां ऐसी शर्तें और प्रक्रियाएं थोप देती हैं कि जरूरत के समय मरीज को बीमा का लाभ मिलना कठिन हो जाता है। यह स्थिति केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं, बल्कि संवेदनहीन व्यवस्था का प्रतीक बनती जा रही है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिल्ली के रियायती जमीन पर बने अस्पतालों को नोटिस जारी करना केवल एक प्रशासनिक कार्रवाई नहीं, बल्कि व्यवस्था को आईना दिखाने जैसा है। जब अस्पताल रियायती जमीन लेते समय गरीबों के इलाज का वायदा करते हैं, तो वह केवल कागजी औपचारिकता नहीं, बल्कि सामाजिक दायित्व होता है। लेकिन दुर्भाग्य यह है कि लाभ तो निजी अस्पताल उठा रहे हैं और दायित्व निभाने से बच रहे हैं। यही स्थिति बीमा क्षेत्र में भी दिखाई देती है, जहां पॉलिसी बेचते समय बड़े-बड़े वायदे किए जाते हैं, लेकिन क्लेम के समय छोटी-छोटी तकनीकी वजहों से दावे खारिज कर दिए जाते हैं।

आम आदमी सालों तक प्रीमियम भरता रहता है, लेकिन जरूरत के समय उसे राहत नहीं मिलती। इस स्थिति में सुप्रीम कोर्ट की सक्रियता एक सकारात्मक संकेत है। जिस प्रकार अदालत ने अस्पतालों से जवाब मांगा है, उसी प्रकार बीमा कंपनियों की कार्यप्रणाली पर भी सख्त निगरानी और स्पष्ट नियम बनने चाहिए, ताकि बीमा वास्तव में सुरक्षा का माध्यम बने, न कि मुनाफे का जाल। सरकारों की जिम्मेदारी केवल नीतियां बनाने तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि उनके क्रियान्वयन की सख्त निगरानी भी होनी चाहिए। यदि रियायती जमीन लेने वाले अस्पताल गरीबों का मुफ्त इलाज नहीं करते तो उनसे जमीन का बाजार मूल्य वसूला जाना चाहिए या उनकी मान्यता पर पुनर्विचार होना चाहिए। इसी तरह बीमा कंपनियों को भी क्लेम प्रक्रिया सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनानी चाहिए। स्वास्थ्य और बीमा दोनों ही आम आदमी की जीवन सुरक्षा से जुड़े विषय हैं, इसलिए इनमें मुनाफाखोरी की मानसिकता पर नियंत्रण आवश्यक है। यदि सरकार, न्यायपालिका और नियामक संस्थाएं मिलकर सख्ती और पारदर्शिता सुनिश्चित करें, तो चिकित्सा और बीमा दोनों क्षेत्रों में आमजन का विश्वास फिर से स्थापित हो सकता है। अन्यथा सेवा के ये क्षेत्र केवल व्यवसाय बनकर रह जाएंगे और गरीब आदमी इलाज और बीमा दोनों के बीच पिसता रहेगा।

(खक, पत्रकार, स्तंभकार)

संपादकीय

भारत में 'तेल आपातकाल' नहीं

प्रधानमंत्री मोदी ने राज्य के मुख्यमंत्रियों के साथ, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संवाद और विमर्श किया। यह हमारे लोकतंत्र का संघीय चरित्र है। प्रधानमंत्री ने ईरान युद्ध से उपजे पश्चिम एशिया ही नहीं, बल्कि वैश्विक हालात पर चर्चा की होगी। ऐसे ही संघीय संवाद कोरोना महामारी के दौरान भी किए गए थे। तब एक खास किस्म का विषैला, जानलेवा संक्रमण दुनिया भर में फैला था। भारत में लॉकडाउन के साथ-साथ कई सख्त कदम भी उठाए गए थे। हमारी अर्थव्यवस्था नकारात्मक हो गई थी। बेहद भयावह माहौल और हालात थे। बहरहाल आज वैसे हालात नहीं हैं। तेल-गैस, उर्वरक आदि की आपूर्ति अवरुद्ध हुई है, लिहाजा किल्लत महसूस हो रही है। कुछ संकट का दौर तो है। अफवाहों और दुष्प्रचार की ह्यकाली भेड़ोंह्ल ने लॉकडाउन की फर्जी खबरें चलाना भी शुरू कर दिया है। मीडिया के एक वर्ग में यह विश्लेषण भी छापा गया कि देश में तेल-गैस का स्टॉक मात्र 7-9 दिन का है। शायद उसी से आम आदमी घबराया है और पेट्रोल पंपों पर जन-सैलाब की स्थितियां हैं। मारा-पीटी भी हुई है। पुलिस पर भी प्रहार किया गया है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने हकीकत का खुलासा किया है कि देश में पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस (एलपीजी) का 60 दिन का स्टॉक सुरक्षित है। अगले 60 दिन के कच्चे तेल की बुकिंग सरकार ने कर ली है। करीब 8 लाख टन एलपीजी कार्गो सुरक्षित कर लिए गए हैं। वे रूस, अमरीका, ऑस्ट्रेलिया आदि कई देशों से आ रहे हैं। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, इराक, रूस आदि देशों से कच्चा तेल आ रहा है। यह आपूर्ति 60 दिन के लिए सुनिश्चित कर ली गई है। देश के एक लाख पेट्रोल पंपों में से एक पर भी पेट्रोल-डीजल खत्म नहीं हुए हैं। लगातार सप्लाई जारी है। देश में करीब 3.3 करोड़ मीट्रिक टन एलपीजी की सालाना खपत होती है और हमारी रिफाइनरियां हररोज औसतन 50,000 टन एलपीजी का उत्पादन कर रही हैं। उत्पादन 40 फीसदी बढ़ाया गया है। यदि जमाखोर, कालाबाजारी, मुनाफाखोर, चोर-लुटेरे, देश-विरोधी लोग सरकार के इस खुलासे से आश्वस्त नहीं हैं, तो देश में दूसरा कौनसा वैकल्पिक माध्यम है, जो तेल-गैस की अपडेट वस्तुस्थिति देश को बता सके? आप सरकार-विरोधी, प्रधानमंत्री-विरोधी, नीति-विरोधी हो सकते हैं, लेकिन राजनीतिक दुराग्रह भारत-विरोध की हद तक नहीं पहुंचना चाहिए।

चिंतन-मनन

मृत्यु का अर्थ

मृत्यु एक शात सत्य है। यह अनुभूति प्रत्यक्ष प्रमाणित है, फिर भी इसके संबंध में कोई दर्शन नहीं है। अब तक जितने ऋषि-महर्षि या संत-महंत हुए हैं, उन्होंने जीवन दर्शन की चर्चा की है। जीवन के बारे में ऐसी अनेक दृष्टियां उपलब्ध हैं जिनसे जीवन को सही रूप में समझा जा सकता है और जिया जा सकता है। किंतु मृत्युक को एक अवश्यंभावी घटना मात्र मानकर उपेक्षित कर दिया गया। मृत्यु के पीछ भी कोई दर्शन है, इस रहस्य को अधिक लोग पकड़ ही नहीं पाए। यही कारण है कि जीवन दर्शन की भांति मृत्यु दर्शन जीवन में उपयोगी नहीं बन सका।

जैन दर्शन एक ऐसा दर्शन है जिसने जीवन को जितना महत्व दिया, उतना ही महत्व मृत्यु को दिया। बशत्रे कि वह कलात्मक हो। कलात्मक जीवन जीने वाला व्यक्ति जीवन की सब विसंगतियों के मध्य जीता हुआ भी उसका सार तत्व खींच लेता है। इसी प्रकार मृत्यु की कला समझने वाला व्यक्ति भी मृत्यु से भयभीत न होकर उसे चुनौती देता है। जैन दर्शन में इसका सवार्गीण विवेचन उपलब्ध है।

मृत्यु का अर्थ है- आयुष्य प्राण चुक जाने पर जीव का स्थूल शरीर से वियोग।इसके कई प्रकार हैं। उन सबका संक्षिप्त वर्गीकरण किया जाए तो मृत्यु के दो प्रकार होते हैं- बाल मरण और पंडित मरण. असंयम और असमाधिमय मरण बाल मरण है। अकाल मृत्यु, आत्महत्या, अज्ञान मरण आदि सभी प्रकार के मरण बाल मरण में अंतर्निहित हैं। संयम और समाधिमय मृत्यु पंडित मरण है। जीवन के अंतिम क्षणों में भी संयम और समाधि का स्पर्श हो जाए तो वह मरण पंडित मरण की गणना में आ जाता है। कुछ व्यक्ति मौत के नाम से ही घबराते हैं।

वे जीवन को महत्व देते हैं। अपना-अपना चिंतन है। मुझे इस संबंध में अपने विचार देने हों तो मैं मृत्यु को वरीयता दूंगा। क्योंकि जीवन की सार्थकता भी मृत्यु पर ही निर्भर करती है। किसी व्यक्ति ने तपस्या की है और जागरुकता के साथ धर्म की आराधना की है, तो उसका फल समाधिमय मृत्यु ही है।

आसमान से गिरे, खजूर में अटके ट्रंप

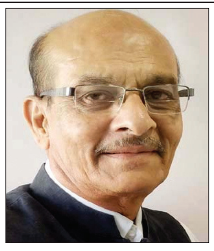

सनत जैन

बड़बोले ट्रम्प को ईरान ने दिखाया आईनाह्न राजनीति में ताकत का प्रदर्शन ही सबसे बड़ी रणनीति माना जाता है। इतिहास गवाह है, अति-आत्मविश्वास कई बार सबसे बड़ी कमजोरी और नुकसान का करण बन जाता है। वर्तमान में कुछ ऐसी ही स्थिति अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के संदर्भ में देखने को मिल रही है। दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद जिस तरह से उन्होंने दुनिया के देशों को टैरिफ युद्ध के माध्यम से हड़काकर स्वयंभू शांतिदूत के रूप में सारी दुनिया में स्थापित होना चाह रहे थे। 1 साल में ही वह ह्लआसमान से गिरे, खजूर में अटकेह्व वाली कहावत को चरितार्थ करते नजर आ रहे है। ट्रंप ने अपने कार्यकाल में खुद को एक आक्रामक और निर्णायक नेता के रूप में सारे विश्व के देशों पर अपना वर्चस्व बनाने की कोशिश कर रहे थे। वैश्विक स्तर पर अपनी ताकत का प्रदर्शन कर रहे थे। मध्य-पूर्व देशों की जटिल राजनीति में उनका यह रवैया पिछले 1 वर्ष में चचाओं में बना रहा। इजराइल और फिलिस्तीन की लड़ाई में वह इजरायल के पक्ष में खड़े थे। गाजा में हजारों मासूम बच्चों और महिलाओं की हत्या हुई। रूस और यूक्रेन के युद्ध में वह नाटो देश और अमेरिका के मित्र देशों के साथ जिस तरह का व्यवहार कर रहे थे, इसका असर सारी दुनिया के देशों में देखने को मिला। इसराइल और ईरान के बीच बढ़ते हुए तनाव और इजराइल के साथ उनकी नजदीकी ने हालात को पेचीदा बना दिया है। इजराइल और ईरान के युद्ध मे अमेरिका को झोंक देने के कारण समय-समय पर तरह-तरह की बयानबाजी करने से आज ट्रंप सारी दुनिया में अलग-थलग पढ़ते चले जा रहे हैं।

कहा जाता है, ह्लऊंट जब पहाड़ के नीचे आता है तब उसे अपनी असलियत समझ आती है। ट्रंप के साथ भी कुछ ऐसा ही होता दिख रहा है। जो नेता खुद को विश्व राजनीति का निर्णायक मानकर अहंकार दिखा रहा था, अपने आपको दुनिया का सर्वशक्तिमान मानकर चल रहा था, आज वही ट्रम्प ऐसी स्थिति में फंस गये हैं, जहां से वह आगे भी नहीं बढ़ पा रहे हैं और नाही पीछे हट पा रहे हैं। पहली बार अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की यह स्थिति ह्लधोबी का कुत्ता, न घर का न घाट काह्व जैसी होती हुई दिख रही है।

मध्य-पूर्व में जारी संघर्ष ने सवाल खड़ा कर दिया है। क्या अमेरिका अपने लक्ष्य की पूर्ति के लिए अपनी रणनीति के तहत आगे बढ़ रहा है, या वह इजरायल के हितों के कारण स्वयं और अमेरिका को उलझाता जा रहा है। ईरान की ओर से हाल ही में मुस्लिम देशों को दिया गया संदेश इस पूरे परिदृश्य मे अमेरिका की स्थिति को और भी गंभीर बना रहा है। अरब देशों के साथ अमेरिका का कई दशकों से सुरक्षा संबंधी समझौता था। खाड़ी के अधिकांश देशों में अमेरिका ने अपने सैन्य अड्डे बनाए हुए थे। कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस का पूरा कारोबार डॉलर मुद्रा में होता था, जिसके कारण अमेरिका का एकाधिकार था। ईरान ने जिस तरह से खाड़ी देशों में मौजूद अमेरिकी सैन्य अड्डों को तबाह किया है, उसने असलियत सामने ला दी है। खाड़ी देशों को ईरान ने चेतावनी दी है वे अमेरिका की मदद नहीं करें। ईरान ने इस्लामी ब्रदरहुड की भावना को जागृत करते हुए कहा है जो देश अपनी जमीन को ईरान के ऊपर हमला करने के लिए उपलब्ध नहीं कराएंगे उनसे ईरान की कोई दुश्मनी नहीं है। हम सब मिलकर काम करेंगे। अमेरिका की दादागिरी नहीं सहेंगें। अंतरराष्ट्रीय राजनीति भावनाओं या आक्रामक बयानों से नहीं चलती है। इसमें संतुलन, कूटनीति और दीर्घकालिक सोच और लाभ-हानि की आवश्यकता से जुड़ी होती है। ट्रंप की नीतियाँ, उनके तरह-तरह के बयान, धमकी तथा अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करते हुए जो दादागिरी और अहंकार कर रहे थे, ईरान ने अब उस पर तगड़ा वार किया है। अमेरिका ने जिन देशों को सुरक्षा देने का वचन दिया था वह सुरक्षा तो अमेरिका कर नहीं पाया। इस स्थिति में उठ रहे सवाल इसी बात की ओर इशारा करते हैं। केवल शक्ति प्रदर्शन से ना तो किसी देश पर कब्जा किया जा सकता है, नाही किसी समस्या का स्थायी समाधान निकाला जा सकता है।

अमेरिका और इजरायल ने क्या सोचकर ईरान के ऊपर हमला किया था यह तो अमेरिका और इजराइल ही जानते हैं लेकिन अब जिस तरीके की स्थिति बन गई है, उसमें ट्रंप ना तो वहां से निकल पा रहे हैं और आगे बढ़ने के सारे रास्ते बंद हो चुके हैं। वर्तमान स्थिति का घटनाक्रम अहंकारी राजनेताओं को महत्वपूर्ण सीख देता है। राजनीति और सत्ता के वैश्विक मंच पर हर कदम को सोच-समझकर उठाना जरूरी होता है। बड़बोलेपन और अहंकार की राजनीति लंबे समय तक टिक नहीं पाती है। जब हकीकत सामने आती है, तो सबसे ताकतवर अमेरिका और उसके राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जैसे नेता भी असहज स्थिति में फंसते हैं। इस युद्ध के कारण जिस तरह से अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप का विरोध हो रहा है, अमेरिका में महंगाई और बेरोजगारी बढ़ रही है। अमेरिका का आर्थिक संकट बढ़ रहा है। ऐसी स्थिति में अब उन्हें अपनी ही रिपब्लिकन पार्टी से चुनौती मिलना शुरू हो गई है। उनके लिए अब राष्ट्रपति पद पर बने रहने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। युद्ध के लिए अर्थतंत्र को मजबूत करने के लिए प्रयास करना पड़ रहा है। ईरान जैसे छोटे से देश से उन्हें इस तरह की चुनौती मिलेगी इसकी उन्होंने कल्पना भी नहीं की थी। लेकिन जब सच्चाई सामने आई तो यह दोनों कहावतें सत्य होती प्रतीत हो रही हैं।

भगवान महावीर का जिओ और जीने दो का अहिंसा संदेश आज भी प्रासंगिक

विजय कुमार जैन

अहिंसा के अवतार युगदृष्टा भगवान महावीर का 2625 वाँ जन्मोत्सव हम चैत्र शुक्ल 13 दिनांक 30 मार्च दिन सोमवार को मना रहे हैं। भगवान महावीर का 2552 वाँ निवार्णोत्सव हमने कार्तिक कृष्णा अमावस्या 21अक्टूबर 25 मंगलवार को मनाया है। भगवान महावीर एक युग पुरुष, युग दृष्टा, एक महामानव थे। वे जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर थे। क्षत्रिय राज कुमार होने के बावजूद भी उन्होंने कभी विश्व विजय का सपना नहीं देखा। जिस समय भगवान महावीर का अवतरण हुआ, दुनिया में हिंसा और अत्याचार का बोल बाला था। महाबीर ने विषम परिस्थिति में सच्चा मार्ग दुनिया को दिखलाया। आपने प्राणीमात्र के सुख के लिये जिओ और जीने दो का अमूल्य मंत्र दिया। वर्तमान में भगवान महावीर के जन्मोत्सव के अवसर हम पीछे मुड़कर देखें तो विगत वर्षों सारी दुनिया कोरोना से पीड़ित रही है। कहते हैं चीन में आम आदमी ने जहरीले जीव जन्तुओं को अपनी जिव्हा का स्वाद बढ़ाने उनका वेरहमी से भक्षण किया, यह भी आरोप है कि कोरोना महामारी का शुभारंभ सन 2019 में चीन से हुआ, और यह महामारी सारी दुनिया में आग की तरह फैल गई। सभी ओर से आबाज थी, हिंसा और मांसाहार को त्याग कर ही कोरोना जैसी जानलेवा महामारी से बचा जा सकता हैं। इस महामारी से लड़ने भगवान महाबीर का अहिंसा शाकाहार सिद्धांत प्रासंगिक है। शाकाहारी समाज के लिये यह सुखद संदेश है कोरोना महामारी से पीड़ित दुनिया के लगभग सभी देशों में स्वस्थ्य रहने मांसाहार त्याग कर शाकाहार को स्वीकार किया जा रहा है।

विश्व प्रेम ही भगवान महावीर का दिव्य संदेश है। भगवान महावीर के इसी सिद्धांत को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने अपने जीवन का मूलमंत्र माना था। हमारे भारत की यह नीति है किसी दूसरे देश की भूमि मत हड़पो। सन 1971 में तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने पाकिस्तान युद्ध में पश्चिमी पाकिस्तान जीतकर उस पर कव्जा न कर स्वतंत्र बंगलादेश बनाया।

भगवान महावीर का मंगल उपदेश था, पाप से घ्रणा करो, न कि पापी से। उन्होंने विरोधी को कभी विरोध से नहीं वरन सद्भावना एवं शांति से जीता। भगवान महावीर ने दुनिया को अहिंसा, सत्य, अचौर्य, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह का पावन संदेश दिया, इस मार्ग पर चलकर उन्होंने सांसारिक बंधनों से मुक्त होकर मोक्ष प्राप्त किया। उन्होंने अपना कल्याण किया एवं मोक्ष मार्ग बताया। भगवान महावीर ने कहा-आत्मा के चार बड़े शत्रु हैं काम, क्रोध,लोभ और मोह। इनके चक्कर में पड़ा हुआ व्यक्ति जीवन में कभी अच्छे कार्य नहीं कर पाता। स्व कल्याण के लिये इन पर विजय प्राप्त करना बहुत आवश्यक है।

विश्व वंदनीय भगवान महावीर के जीवन एवं दर्शन का गहराई से अध्ययन करते हैं तो हम पाते हैं, वे किसी एक जाति या सम्प्रदाय के न होकर सम्पूर्ण मानव समाज की अमूल्य धरोहर हैं। वह सबके थे और सब उनके थे। वह स्वयं क्षत्रिय कुल में उत्पन्न हुए थे, उनके मुख्य गणधर इन्द्रभूति गौतम ब्राह्मण थे तथा उनकी धर्मसभा (समवशरण) में सभी धर्मों और जातियों के लोग उनकी दिव्य देशना, मंगल उपदेश सुनने के लिये आते थे। उन्हें केवल जैनों या जैन मंदिरों तक सीमित रखना उनके उद्दात एवं विराट व्यक्तित्व के प्रति अन्याय है वह जैन नहीं जिन थे। इन्द्रिय जन्य वासनाओं और मनोजन्य कषायों को जीत लेते हैं,वे कहलाते हैं जिन। किसी का भी कल्याण जैन बनकर नहीं, जिन बनकर ही हो सकता है। भगवान महावीर ने कहा है त्याग व तपस्या से जीवन महान बनता है। श्रावकों को अपने आचरण में अहिंसा तथा जीवन में अपरिग्रह रखना चाहिए।

युग दृष्टा, अहिंसा, करुणा, परोपकार की पावन प्रेरणा देने वाले भगवान महावीर के 2625 वे जन्मोत्सव के पुनीत अवसर पर हमे चिंतन करने की आवश्यकता है। वर्तमान में चल रहे रूस-यूक्रेन युद्ध,मध्य पूर्व में चल? रहे भयाभय युदू,विश्व में बढ़ रहे अलगाववाद, आतंकवाद, सम्प्रदायवाद, हिंसा की निरंतर बढ़ती प्रवृत्ति, अमेरिका के राष्ट्रपति श्री डोनाल्ड ट्रम्प की एकाधिकार नीति से पूरी दुनिया पर निरंकुश भावना पर अंकुश लगाने भगवान महावीर के सिद्धांत प्रासंगिक हैं। महावीर के सिद्धांत प्राणीमात्र के लिए हितकारी हैं।आज हम त्याग, सेवा, परोपकार के मार्ग पर चलने के बजाय अपने-अपने स्वार्थों को पूरा करने में लिप्त हो गये हैं। वर्तमान में नई पीढ़ी को अच्छे संस्कार देने के स्थान पर उन्हें गुमराह किया जा रहा है, नई पीढ़ी भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों से विमुख होकर पाश्चात्य संस्कृति का अनुकरण कर रही है। समाज का नेतृत्व करने बाले ही पतन के मार्ग चलने लगे तो नई पीढ़ी को कैसा आदर्श मिलेगा। क्रांतिकारी जैन संत समाधिस्थ मुनि तरुण सागर जी महाराज ने कड़वे प्रवचन करते हुए कहा था भगवान महावीर को जैन मंदिर की चार दीवारी से बाहर निकाल कर नगर के मुख्य चौराहे पर लाना होगा, तभी जनमानस भगवान महावीर जीवन दर्शन को समझ सकेगा।

दुनिया में सुख शांति की स्थापना करने के लिये हमें हर कीमत पर भगवान महावीर के बताये मार्ग पर चलना होगा। तभी भारत की प्राचीन संस्कृति और विरासत की रक्षा होगी। भारत ने कभी हिंसा में विश्वास नहीं किया। हमारा विश्वास भगवान महावीर के सिद्धांतों पर चलकर दूसरों की जान लेकर जीने में नहीं वरन अपनी जान की बाजी लगाकर दूसरों की रक्षा करने में है। अलगाव वाद,साम्राज्यवाद, तानाशाही से विश्व मुक्त हो इस हेतु भगवान महावीर द्वारा बताये मार्ग का अनुशरण करने में ही हम सबका कल्याण होगा। भगवान महावीर का जन्मोत्सव एवं निवार्णोत्सव मनाकर हम आज औपचारिकता ही कर रहे हैं। आवश्यकता है उनके द्वारा बताये मार्ग पर चलने की।

भगवान महावीर के उपदेश को जैन धर्म की मेरी भावना नामक सुप्रसिद्ध विनती की निम्न पंक्तियां सार्थक करती हैं:-

मैत्री भाव जगत में मेरा सब जीवों से नित्य रहे,
दीन दुखी जीवों पर मेरे उर से करुणा स्त्रोत वहें।

(लेखक स्थायी अधिमान्य स्वतंत्र पत्रकार एवं भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय संरक्षक है)

संक्षिप्त समाचार

न्यूयॉर्क में हमले की साजिश नाकाम

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में एक बड़ी साजिश को समय रहते नाकाम कर दिया गया। पुलिस और एफबीआई ने मिलकर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया, जो एक फिलिस्तीनी कार्यकर्ता के घर पर पेट्रोल बम से हमला करने की योजना बना रहा था। आरोपी कई हफ्तों से इस हमले की तैयारी कर रहा था और उसने बम बनाने का सामान भी इकट्ठा कर लिया था। गुप्त ऑपरेशन के जरिए पुलिस को इसकी जानकारी मिली और उसे पकड़ लिया गया। जिस महिला को निशाना बनाया गया था, उन्होंने कहा कि यह घटना डराने वाली है, लेकिन उन्हें राहत है कि समय रहते कार्रवाई हो गई।

अमेरिका में स्कूल बस हादसा, 2 छात्रों की मौत

टेनेसी, एजेंसी। अमेरिका के टेनेसी राज्य में शुक्रवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें स्कूल बस की टक्कर में दो छात्रों की मौत हो गई और कम से कम सात लोग घायल हो गए। यह हादसा हाईवे 70 पर हुआ, जहां एक डंप ट्रक, एक कार और स्कूल बस आपस में टकरा गए। बस में कुल 25 छात्र और 5 वयस्क मौजूद थे, जो केनवुड मिडिल स्कूल से एक शैक्षणिक यात्रा पर जा रहे थे। हादसे के बाद कई घायलों को हेलीकॉप्टर से अस्पताल पहुंचाया गया। चार बच्चों का इलाज नैशविले के एक अस्पताल में चल रहा है और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। फिलहाल पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

मिसिसिपी में रेलवे क्रॉसिंग पर ट्रेन और वैन की टक्कर, 5 की मौत

मिसिसिपी, एजेंसी। अमेरिका के मिसिसिपी राज्य के एक ग्रामीण इलाके में रेलवे क्रॉसिंग पर ट्रेन और वैन की टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई। स्टोन काउंटी के कोरोनर वेन फ्लरी के अनुसार, हादसे में जान गंवाने वाले सभी लोग वैन में सवार थे। वैन में मौजूद एकमात्र जीवित बची 23 वर्षीय महिला को एयरलिफ्ट कर अस्पताल पहुंचाया गया है। ट्रेन में सवार किसी भी व्यक्ति के घायल होने की सूचना नहीं है। रेलवे कंपनी के बयान के मुताबिक, यह दुर्घटना उस समय हुई जब कैनेडियन पैसिफिक कंसास सिटी की एक मालगाड़ी रेलवे क्रॉसिंग पर एक वाहन से टकरा गई। हादसा उत्तर-पश्चिम में स्थित विगिंस शहर के पास हुआ। मृतकों में वैन चालक 26 वर्षीय रयान सी. पीटरसन और आगे की सीट पर बैठीं 45 वर्षीय क्रिस्टिना कार्वर शामिल हैं। कार्वर की दो बेटियां (22 वर्षीय एमली चैंबली और 20 वर्षीय सारा बेथ चैंबली) की भी इस हादसे में मौत हो गई। इसके अलावा 23 वर्षीय डेमार्कस पर्किन्स की भी जान गई।

जिल बाइडन के सीक्रेट सर्विस एजेंट से गलती से गोली चली

फिलाडेल्फिया, एजेंसी। अमेरिका में फिलाडेल्फिया एयरपोर्ट पर एक सीक्रेट सर्विस एजेंट से गलती से गोली चल गई, जिससे वह खुद घायल हो गया। यह एजेंट पूर्व फर्स्ट लेडी जिल बाइडन की सुरक्षा में तैनात था। घटना उस समय हुई जब वह अपनी कार में था और अचानक उसकी बंदूक चल गई। गोली उसके पैर में लगी और उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया। अधिकारियों के अनुसार उसकी हालत स्थिर है। इस घटना से एयरपोर्ट के कामकाज पर कोई असर नहीं पड़ा।

चिली के स्कूल में चाकूबाजी, एक की मौत

कालामा, एजेंसी। चिली के एक स्कूल में शुक्रवार को चाकूबाजी की घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई और चार लोग घायल हो गए। यह हमला उत्तरी शहर कालामा के एक स्कूल में हुआ। पुलिस के मुताबिक एक छात्र ने तीन छात्रों और दो स्टाफ पर हमला किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया। इस हमले में एक 59 साल के स्कूल कर्मचारी की मौत हो गई। घटना के बाद स्कूल खाली करा लिया गया और कक्षाएं रद्द कर दी गईं। अधिकारी इसे गंभीर घटना मान रहे हैं और जांच कर रहे हैं कि यह हमला पहले से योजना बनाकर किया गया था या नहीं।

बेलारूस के राष्ट्रपति ने किम जोंग को तोहफे में दी राइफल

मिन्स्क, एजेंसी। बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको ने प्योंगयांग में उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन के साथ मैत्री संधि पर ही दस्तखत नहीं किए, बल्कि उन्हें एक राइफल भी तोहफे में दी। बेलारूसी सरकारी समाचार बेलटा के मुताबिक, यूक्रेन के खिलाफ रूसी जंग की वकालत करने वाले दोनों नेता संधि के तहत पश्चिमी दबाव का विरोध करने और अधिक निकटता से सहयोग करने पर रजामंद हुए हैं। लुकाशेंको ने इस मैत्री संधि को बेहद अहम बताया, जबकि किम ने इसे द्विपक्षीय संबंधों के स्थिर विकास की और अधिक गारंटी देने वाली करार दिया।

स्पेन में पिता से कानूनी लड़ाई के बाद इच्छामृत्यु मिली

रेप के बाद आत्महत्या की कोशिश की थी, तीन साल से व्हीलचेयर पर थी

बार्सिलोना, एजेंसी। स्पेन में 25 साल की नोएलिया कास्टिलो ने लंबी कानूनी लड़ाई के बाद इच्छामृत्यु के जरिए गुरुवार को अपना जीवन खत्म कर लिया। नोएलिया को इच्छामृत्यु के लिए अपने पिता से भी कानूनी लड़ाई लड़ना पड़ी क्योंकि वे इसके विरोध में थे। बार्सिलोना की रहने वाली नोएलिया का 2022 में एक फैसिलिटी सेंटर में 3 युवकों ने रेप किया था। इसके बाद नोएलिया ने आत्महत्या की कोशिश की और पांचवीं मंजिल से छलांग लगा दी। हालांकि वह इस घटना में बच गईं, लेकिन उन्हें रीढ़ की हड्डी में गंभीर चोट लगी, जिसके कारण वह कमर के नीचे से लकवाग्रस्त हो गईं। इसके बाद से वह लगातार शारीरिक दर्द और मानसिक तनाव से जूझ रही थीं। नोएलिया ने 2024 में इच्छामृत्यु के लिए आवेदन किया था, जिसे कैटेलोनिया सरकार ने मंजूरी भी दे दी थी। लेकिन आखिरी समय में उसके पिता ने अदालत में आपत्ति दर्ज कराई और प्रक्रिया रुकवा दी थी।

फोस्टर होम में कई बार यौन शोषण हुआ : नोएलिया बचपन में अपने माता-पिता के साथ ठीक से नहीं रह पा रही थीं। उसे मानसिक दिक्कतें थी और उनके माता-पिता का तलाक भी हो गया था। परिवार में समस्याएं होने की वजह से सरकार ने उन्हें 13 साल की उम्र में एक देखभाल केंद्र (फोस्टर होम) में रख दिया, ताकि उनकी देखभाल हो सके। इसके बाद वह उसी देखभाल केंद्र में रहने लगीं, जहां उन्होंने कई बार दुर्व्यवहार होने का आरोप लगाया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वहां उनके साथ कई बार यौन शोषण हुआ और आखिरी बार 2022 में तीन लड़कों ने उनके साथ गैंगरेप किया।

इच्छामृत्यु की इजाजत मिली, पिता ने विरोध किया : रेप की घटना के बाद नोएलिया की मानसिक हालत और बिगड़ गई। इससे परेशान होकर उसने पांचवीं मंजिल से छलांग लगा दी, लेकिन वह बच गई। इस कोशिश के बाद वह हमेशा दर्द में रहने लगीं और व्हीलचेयर पर आ गईं। करीब 18 महीने बाद उन्होंने 2021 में लागू हुए स्पेन के इच्छामृत्यु कानून के तहत अपनी जिंदगी खत्म करने की अनुमति हासिल की। लेकिन इच्छामृत्यु पाने की उनकी कोशिश का उनके पिता और एक अल्ट्रा कंसरवेटिव ग्रुप 'क्रिश्चियन लॉयर्स' ने विरोध किया। उनका कहना था कि नोएलिया की मानसिक हालत ऐसी नहीं है कि वह अपनी जिंदगी खत्म करने का सही फैसला ले सकें।

डेढ़ साल तक अदालत में चलता रहा केस : नोएलिया की इच्छामृत्यु का मामला कोर्ट में चला गया और कानूनी लड़ाई शुरू हो गई। करीब डेढ़ साल तक यह केस अलग-अलग अदालतों में चलता रहा। इस दौरान डॉक्टरों और मेडिकल विशेषज्ञों ने भी अपनी राय दी। उन्होंने बताया कि नोएलिया की हालत बेहद गंभीर है, उन्हें लगातार तेज दर्द रहता है और उनके ठीक होने की संभावना बहुत कम है। सरकार से जुड़ी एजेंसी ने भी उनकी मांग को सही माना और इच्छामृत्यु की अनुमति दे दी। इसके बावजूद उनके पिता ने फैसले को चुनौती दी, जिससे मामला आगे बढ़ता गया। आखिरकार यह मामला यूरोपीय मानवाधिकार न्यायालय तक पहुंचा। वहां यह देखा गया कि क्या नोएलिया मानसिक रूप से अपने फैसले लेने में सक्षम हैं, क्या उन पर किसी तरह का दबाव है और क्या उनकी मांग कानून के तहत सही है। अदालत ने सभी पहलुओं पर विचार करने के बाद यह माना कि नोएलिया को अपने जीवन के बारे में फैसला लेने का अधिकार है। इस फैसले के बाद उनकी इच्छामृत्यु का रास्ता पूरी तरह साफ हो गया और तय प्रक्रिया के तहत इसे अंजाम दिया गया।

पिता का तर्क- बेटी मानसिक रूप से स्वस्थ नहीं : नोएलिया की इच्छानुसार उन्हें 'असिस्टेड डेथ' दी गई। इच्छामृत्यु की प्रक्रिया में तीन इंजेक्शन दिए गए। पहले दो से गहरी बेहोशी लाई गई और तीसरे इंजेक्शन से दिल की धड़कन रुक गई। नोएलिया ने कहा था कि वह अपनी मौत के समय अकेली रहना चाहती हैं और नहीं चाहती थीं कि कोई उन्हें अंतिम समय में देखे।

3 साल में 1,123 लोगों को इच्छामृत्यु : स्पेन के स्वास्थ्य मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के अनुसार, जून 2021 (जब यह कानून लागू हुआ) से लेकर 2024 के अंत तक 1,123 लोगों ने असिस्टेड डेथ ली है। नोएलिया का मामला इसलिए भी खास माना जा रहा है क्योंकि पहली बार किसी व्यक्ति के इच्छामृत्यु के अधिकार को लेकर इतनी लंबी और बड़ी कानूनी लड़ाई देखने को मिली। मौत से कुछ दिन पहले रिकॉर्ड किए गए एक टीवी इंटरव्यू में नोएलिया ने अपने फैसले का बचाव करते हुए कहा कि यह उसका अपना फैसला है। स्पेन में इच्छामृत्यु का अधिकार केवल उन वयस्क लोगों को दिया जाता है, जो 'गंभीर और लाइलाज बीमारी' या 'गंभीर, पुरानी और अक्षम करने वाली स्थिति' से जूझ रहे हों। इसके साथ यह भी जरूरी है।

ईरान के चक्रव्यूह में घिरा इस्राइल: हिजबुल्ला और हमास के बाद अब यमन से भी हुए मिसाइल हमले

इस्राइल : इस्राइल पर एक साथ कई दिशाओं से दबाव बढ़ रहा है। ईरान लगातार मिसाइल हमले कर रहा है। हिजबुल्ला लेबनान से हमला कर रहा है। गाजा से हमास सक्रिय है और अब यमन से भी खतरा बढ़ गया है। इससे इस्राइल की सुरक्षा व्यवस्था पर बड़ा दबाव बन गया है।

तेलअवीव, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध अब नए और खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। इस्राइल अब सिर्फ ईरान, हिजबुल्ला और हमास से ही नहीं, बल्कि यमन से भी हमलों का सामना कर रहा है। यमन से पहली बार मिसाइल दागे जाने के बाद हालात और गंभीर हो गए हैं। इससे साफ संकेत मिल रहा है कि इस्राइल अब चारों तरफ से घिरता जा रहा है और प्रधानमंत्री नेतन्याहू के सामने बड़ा संकट खड़ा हो गया है। इस्राइली सेना के मुताबिक, शनिवार सुबह यमन की ओर से एक मिसाइल दागी गई। इसके बाद बीयर शेबा और परमाणु रिसर्च सेंटर के आसपास सायरन बजने लगे। इससे पहले भी ईरान और हिजबुल्ला लगातार हमले कर रहे थे। यमन के हूती विद्रोही, जो तेहरान समर्थित माने जाते हैं। वो अब इस युद्ध में खुलकर उतरते दिख रहे हैं, हालांकि उन्होंने इस हमले की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

क्या यमन के हूती अब युद्ध में उतर आए हैं : हूती विद्रोही लंबे समय से यमन की राजधानी सना पर कब्जा किए हुए हैं। अब उनके प्रवक्ता ने साफ संकेत दिया है कि अगर ईरान पर हमले जारी रहे तो वे सीधे सैन्य कार्रवाई कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि उनकी उंगलियां ट्रिगर पर हैं। इससे यह साफ हो गया है कि युद्ध का दायरा और बढ़ सकता है।

कैसे चारो तरफ से घिरा

क्या ईरान ने भी जवाबी हमला तेज कर दिया है : इस्राइल ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला किया, जिसके बाद ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई की। सऊदी अरब के एक सैन्य बेस पर ईरानी हमले में अमेरिकी सैनिक घायल हुए और कई विमान क्षतिग्रस्त हुए। इससे यह संघर्ष अब और ज्यादा अंतरराष्ट्रीय रूप लेता दिख रहा है। लाल सागर और होर्मुज जलडमरूमध्य पर खतरा बढ़ने से वैश्विक व्यापार पर असर पड़ रहा है। पहले ही हूती विद्रोहियों ने कई जहाजों को निशाना बनाया है। होर्मुज से दुनिया का बड़ा हिस्सा तेल और गैस सप्लाई होता है। ऐसे में इस क्षेत्र में तनाव बढ़ने से वैश्विक बाजार भी प्रभावित हो रहे हैं।

वॉशिंगटन में उड़ानों पर लगा ब्रेक, एयर ट्रैफिक सेंटर में रसायनिक दुर्गंध से ठप हुआ आसमान

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन और आसपास के इलाकों में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एयर ट्रैफिक कंट्रोल सेंटर में तेज केमिकल जैसी गंध आने के कारण कई बड़े एयरपोर्ट्स पर उड़ानों को रोकना पड़ा। अचानक लिए गए इस फैसले से यात्रियों को भारी परेशानी हुई और पूरे इलाके में हवाई सेवाएं कुछ समय के लिए ठप हो गईं। यह घटना सुरक्षा को लेकर बड़े सवाल भी खड़े कर रही है। जानकारी के मुताबिक, संघीय अधिकारियों ने बताया कि पोटोमैक ट्रैकन सेंटर में तेज रसायनिक दुर्गंध महसूस की गई, जिसके बाद तुरंत कार्रवाई करते हुए कई एयरपोर्ट्स पर फ्लाइट ऑपरेशन रोक दिए गए। जिन एयरपोर्ट्स पर असर पड़ा, उनमें रोनाल्ड रीगन वॉशिंगटन नेशनल एयरपोर्ट, वॉशिंगटन डलेस इंटरनेशनल एयरपोर्ट, बाल्टीमोर-वॉशिंगटन इंटरनेशनल एयरपोर्ट, शार्लोट्सविल-अलबेमार्ले एयरपोर्ट और रिचमंड इंटरनेशनल एयरपोर्ट शामिल हैं। यह सेंटर इन सभी क्षेत्रों की हवाई यातायात व्यवस्था संभालता है। क्यों यहां से कंट्रोल होता है ट्रैफिक? पोटोमैक ट्रैकन एक टर्मिनल रडार अप्रोच कंट्रोल सुविधा है, जो वॉशिंगटन और आसपास के कई बड़े एयरपोर्ट्स की उड़ानों को कंट्रोल करती है। यहां से तय होता है कि कौन सी फ्लाइट कब लैंड करेगी और कब उड़ान भरेगी। ऐसे में यहां किसी भी तरह की तकनीकी या सुरक्षा समस्या का सीधा असर पूरे क्षेत्र की हवाई सेवाओं पर पड़ता है। रसायनिक गंध की वजह क्या थी? फिलहाल इस गंध के पीछे की सटीक वजह साफ नहीं हो पाई है। हालांकि, अधिकारियों ने एहतियात के तौर पर तुरंत उड़ानों को रोक दिया। बाद में जांच और सुरक्षा जांच के बाद हालात सामान्य होने लगे। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन की प्रवक्ता क्रिस्टन एल्सोप ने बताया कि कंट्रोलर धीरे-धीरे काम पर लौट रहे हैं और उड़ानें जल्द सामान्य हो जाएंगी। क्या पहले भी हो चुकी है ऐसी घटना? यह इस महीने दूसरी बार है जब इसी तरह की रसायनिक दुर्गंध के कारण उड़ानों को रोकना पड़ा है। इससे पहले भी करीब एक घंटे के लिए उड़ानें बंद करनी पड़ी थीं। उस समय जांच में पता चला था।

वेलफेयर फ्रॉड को रोकने के लिए अमेरिकी सरकार ने बनाया टास्क फोर्स

वॉशिंगटन , एजेंसी। ट्रंप सरकार ने वेलफेयर प्रोग्राम में फ्रॉड पर रोक लगाने के लिए एक फेडरल टास्क फोर्स शुरू की है। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने चेतावनी दी है कि यह समस्या बहुत बड़ी परेशानी बन गई है जिससे टैक्सपेयर का पैसा खत्म हो रहा है। वरिष्ठ अधिकारियों की एक मीटिंग में उपराष्ट्रपति वेंस ने कहा कि सरकार एंटी-फ्रॉड सेफगार्ड्स को फिर से लागू करेगा और फेडरल बेनिफिट प्रोग्राम्स में गलत इस्तेमाल का पता लगाने के लिए क्रॉस-डिपार्टमेंटल कोऑर्डिनेशन लागू करेगा। उन्होंने कहा, 'हमें फ्रॉड के मुद्दे को गंभीरता से लेना होगा। सालों से मौजूद प्रोटेक्शन बंद कर दिए गए थे और उन्हें फिर से लागू करने की जरूरत थी। हम उन एंटी-फ्रॉड प्रोटेक्शन को फिर से चालू करने जा रहे हैं।'

उन्होंने कहा कि इस कोशिश में पूरी सरकार का नजरिया शामिल होगा, जिसमें स्वास्थ्य, हाउसिंग, कृषि और वित्त के कामों को संभालने वाली एजेंसियों को एक

साथ लाया जाएगा ताकि गड़बड़ियों की पहचान की जा सके और इंटेलिजेंस शेयर की जा सके। वेंस ने कहा, 'यह सिर्फ अमेरिकी लोगों के पैसे की चोरी नहीं है, यह उन जरूरी सेवाओं की भी चोरी है जिन पर अमेरिकी लोग भरोसा करते हैं।'

उन्होंने मिनेसोटा में मेडिकेड से जुड़ी सेवाओं का उदाहरण देते हुए आरोप लगाया कि धोखाधड़ी की गतिविधियों के कारण ऑटिज्म से प्रभावित बच्चों और उनके परिवारों के लिए निर्धारित लाखों-करोड़ों डॉलर का फंड दूसरी जगह भेज दिया गया। बता दें, ऑटिज्म एक एक न्यूरो-डेवलपमेंटल स्थिति है, जिसमें व्यक्ति को सामाजिक बातचीत, सामान्य बातचीत और व्यवहार में चुनौतियां आती है। उन्होंने कहा, 'ऐसे परिवार हैं जिन्हें इन सेवाओं की जरूरत है, जो इन्हें नहीं ले पा रहे हैं क्योंकि लोग फ्रॉड स्कीम से अमीर हो रहे हैं।' टास्क फोर्स को लीड कर रहे एक अधिकारी ने कहा कि फ्रॉड ने सरकारी प्रोग्राम्स पर लोगों का भरोसा खत्म कर दिया है और अगर इसे रोका नहीं गया तो इसके बड़े नतीजे होंगे। अधिकारी ने कहा, 'स्कैम उस सामाजिक भरोसे को खत्म कर देता है जिस पर ये प्रोग्राम और हमारा पूरा देश निर्भर करता है।' उन्होंने इस संकट को अस्तित्व का खतरा बताया और इससे निपटने के लिए एक राष्ट्रीय रणनीति बनाने का वादा किया। अधिकारी ने आगे कहा कि टास्क फोर्स अपराधियों पर मुकदमा चलाने और फेडरल बेनिफिट सिस्टम में जवाबदेही सुनिश्चित करने में न्यायिक विभाग की मदद करेगी। व्हाइट हाउस के सीनियर सलाहकार स्टीफन मिलर ने कहा कि कई वेलफेयर प्रोग्राम लिमिटेड वेरिफिकेशन के साथ चलते हैं, जिससे गलत इस्तेमाल बढ़ता है। उन्होंने कहा, 'हमारी सभी प्रणालियां एक उच्च-विश्वास वाली समाज के लिए बनाई गई थीं। कुछ मामलों में तो लोगों के नामांकन से पहले किसी तरह का सत्यापन भी नहीं किया जाता।' उन्होंने आरोप लगाया कि लोग बिना चेक के बेनिफिट पाने के लिए व्यक्तिगत और वित्तीय जानकारी को गलत तरीके से बता सकते हैं। अमेरिकी अधिकारी ने इसे अमेरिकी टैक्सपेयर के डॉलर की बड़ी चोरी बताया। मिलर ने पॉलिटिकल विरोधियों पर एनफोर्समेंट मैकेनिज्म को कमजोर करने और ओवरसाइट की कोशिशों का विरोध करने का भी आरोप लगाया और कहा कि प्रोग्राम डेटा की जांच करने की कोशिशों को रोक दिया गया था। वेंस ने कहा कि टास्क फोर्स को कैबिनेट में सभी का समर्थन है और वह जस्टिस विभाग में नए नेतृत्व के साथ मिलकर एंटी-फ्रॉड एनफोर्समेंट को तेज करने के लिए काम करेगी।

ट्रंप ने नाटो को 'कागजी शेर' कहा, सहयोगियों पर सवाल उठाए

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नाटो की कड़ी आलोचना करते हुए उसे 'कागजी शेर' बताया और सवाल उठाया कि क्या वाशिंगटन को उन सहयोगियों का बचाव जारी रखना चाहिए, जो उनके अनुसार जरूरत के समय अमेरिका का समर्थन करने में विफल रहे। मियामी में फ्यूचर इन्वेस्टमेंट इनिशिएटिव प्रायोरिटी समिट में बोलते हुए ट्रंप ने कहा कि जब अमेरिका को सबसे ज्यादा जरूरत थी, तब गठबंधन ने उसका साथ नहीं दिया। ट्रंप ने गठबंधन के प्रति अमेरिकी प्रतिबद्धताओं पर पुनर्विचार का सुझाव दिया। उन्होंने कहा, 'अगर वे हमारे लिए मौजूद नहीं हैं, तो हम उनके लिए क्यों मौजूद रहेंगे?' उन्होंने नाटो की प्रतिक्रिया को 'एक बहुत बड़ी गलती' बताया। ट्रंप ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों समेत प्रमुख यूरोपीय नेताओं के साथ हुई बातचीत का जिक्र करते हुए कहा कि समर्थन की पेशकश सैन्य कार्रवाई समाप्त होने के बाद ही आई। उन्होंने मैक्रों के हवाले से कहा, 'युद्ध खत्म होते ही हम जहाज भेजेंगे।' ट्रंप ने आगे कहा, 'मुझे युद्ध खत्म होने के बाद उनकी जरूरत नहीं है।' ट्रंप ने ब्रिटेन की प्रतिक्रिया की भी आलोचना करते हुए कहा कि विमानवाहक पोत कई हफ्तों बाद ही उपलब्ध कराए जाएंगे। ट्रंप ने देरी से मिल रहे समर्थन का मजाक उड़ाते हुए कहा, 'जब युद्ध खत्म हो जाएगा, तब हम वहां मौजूद होंगे।' राष्ट्रपति ने जर्मनी की आलोचना करते हुए उनके नेतृत्व के इस बयान का जिक्र किया कि यह संघर्ष उनकी चिंता का विषय नहीं है। उन्होंने कहा, 'यह हमारा युद्ध नहीं है, हमें इससे कोई लेना-देना नहीं है,' इस टिप्पणी का क्रेडिट जर्मनी के चांसलर को दिया। ट्रंप ने कहा कि समर्थन की कमी ने नाटो के बारे में उनके पुराने विचार को और मजबूत किया है। उन्होंने कहा, 'मैंने हमेशा कहा है कि नाटो एक कागज़ी शेर है, हम नाटो की मदद करते हैं, लेकिन वे हमारी कभी मदद नहीं करेंगे।' ट्रंप ने कहा, 'इससे अमेरिका को बहुत पैसा मिलेगा, क्योंकि हम नाटो पर हर साल सैकड़ों अरब डॉलर खर्च करते हैं।' यह संकेत देते हुए कि भविष्य में अमेरिका की प्रतिबद्धताओं पर पुनर्विचार किया जा सकता है। हालांकि, ट्रंप ने कई मध्य पूर्वी देशों के समर्थन की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे नाटो सदस्यों की तुलना में अमेरिका के साथ अधिक मजबूती से खड़े रहे। उन्होंने कहा, 'वे नाटो से भी अधिक मजबूती से खड़े रहे,' और यह भी जोड़ा कि वाशिंगटन को 'उन देशों से जबरदस्त समर्थन मिला जो नाटो क्षेत्र में नहीं थे।

श्रीलंका के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री पर 7.5 करोड़ रुपये का जुर्माना

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को पूर्व स्वास्थ्य मंत्री केहेलिया रामबुकवेला पर 7.5 करोड़ श्रीलंकाई रुपये का भारी जुर्माना लगाया। उन पर 2022 में भारतीय क्रेडिट लाइन के तहत एक गैर-पंजीकृत कंपनी से घटिया दवाएं आयात कर मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करने का दोष सिद्ध हुआ है। अदालत ने अन्य वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारियों पर भी पांच-पांच करोड़ का जुर्माना लगाया। यह मामला श्रीलंका के सबसे बड़े सार्वजनिक स्वास्थ्य घोटाले के रूप में देखा जा रहा है।

इंडोनेशिया में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लागू, माता-पिता ने सराहा

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया ने शनिवार से 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर प्रतिबंध लागू करना शुरू कर दिया। नए सरकारी नियम के तहत अब बच्चे यूट्यूब, टिकटॉक, फेसबुक, इंस्टाग्राम, थ्रेड्स, एक्स, बिगो लाइव और रोबॉक्स पर अकाउंट नहीं बना पाएंगे। सरकार का कहना है कि इस कदम का उद्देश्य बच्चों को अश्लील फिल्में, साइबर बुलिंग, ऑनलाइन घोटाले और डिजिटल लत जैसी खतरनाक चीजों से सुरक्षित रखना है। इस निर्णय के साथ इंडोनेशिया दक्षिण-पूर्व एशिया का पहला देश बन गया है, जिसने बच्चों के सोशल मीडिया उपयोग पर सख्त रोक लगाई।

लगभग 70 मिलियन बच्चों पर होगा लागू : इंडोनेशिया के संचार और डिजिटल मामलों की मंत्री मेटुया हफिद ने मार्च में इस नियम की घोषणा करते हुए बताया कि यह लगभग 70 मिलियन बच्चों पर लागू होगा। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि नियम का पालन कराना आसान नहीं होगा, क्योंकि डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को नियमों के अनुरूप बनाना और 16 साल से कम उम्र के खातों को रिपोर्ट कराना चुनौतीपूर्ण है। मंत्री हफिद ने कहा यह निश्चित रूप से कठिन कार्य है, लेकिन हमें अपने बच्चों को बचाने के लिए कदम उठाने होंगे। इसे लागू करना आसान नहीं, लेकिन हमें इसे पूरा करना ही होगा।

माता-पिता ने सराहा : 13 वर्षीय मौरा मुन्थे, जो रोजाना लगभग चार घंटे सोशल मीडिया

और ऑनलाइन गेम्स पर बिताती हैं, ने नए नियम के बारे में कहा कि उनकी राय '50-50' है, लेकिन वे ज्यादातर इस निर्णय के पक्ष में हैं। उनकी मां लेनी सिनुराया ने कहा कि सोशल मीडिया के चलते माता-पिता ने अपने बच्चों पर नियंत्रण खो दिया है और यह कदम बच्चों की सुरक्षा के लिए सही है। सिनुराया ने बताया, 'आजकल जब हम बच्चों को किसी रेस्तरां में देखते हैं, उनके हाथ में हमेशा फोन होता है। वे तब तक नहीं खाते जब तक उन्हें फोन नहीं दिया जाता, और अगर नहीं दिया तो वे हंगामा करते हैं। मील टाइम का मतलब है परिवार और दोस्तों के साथ बातचीत करना, लेकिन अब फोन सब कुछ नियंत्रित कर रहा है।' सरकार ने कहा कि यह प्रतिबंध धीरे-धीरे लागू किया जाएगा, ताकि सभी डिजिटल प्लेटफॉर्म्स नियमों के अनुरूप आएं और बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने की मांगें दुनिया भर में तेजी से बढ़ रही हैं। इसका उदाहरण ऑस्ट्रेलिया का ऐतिहासिक कानून है, जो पिछले साल लागू हुआ। हाल ही में इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने भारत से भी बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने पर विचार करने का आग्रह किया।

नेपाल में बड़ा राजनीतिक उलटफेर : पूर्व प्रधानमंत्री केपी ओली गिरफ्तार

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की राजनीति में आज उस समय हड़कंप मच गया जब पुलिस ने पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को उनके आवास से गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई नए प्रधानमंत्री बालेन शाह के शपथ ग्रहण के ठीक अगले दिन की गई है, जिससे देश में सत्ता परिवर्तन के साथ ही जवाबदेही का नया दौर शुरू होता दिख रहा है। भक्तपुर स्थित आवास से हुई गिरफ्तारी शनिवार सुबह तड़के नेपाल पुलिस की एक विशेष टीम ने भक्तपुर के गुंडु स्थित केपी ओली के घर पर छापेमारी की और उन्हें हिरासत में ले लिया। इसी कड़ी में पूर्व गृह मंत्री रमेश लेखक को भी सुबह करीब 5 बजे सूर्यविनायक इलाके से गिरफ्तार किया गया है।

जेन-जेड प्रोटेस्ट और 77 मौतों का मामला : यह पूरी कार्रवाई पिछले साल हुए जेन-जेड' (युवा पीढ़ी) के हिंसक प्रदर्शनों की जांच के आधार पर की गई है। गंभीर लापरवाहीः पूर्व जज गौरी बहादुर कार्की की अध्यक्षता वाले जांच आयोग ने अपनी रिपोर्ट में ओली सरकार पर 'गंभीर लापरवाही' बरतने का आरोप लगाया है। जान-माल का नुकसानः इन प्रदर्शनों के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई झड़पों में 77 लोगों की जान चली गई थी और देश की अरबों रुपये की संपत्ति खाक हो गई थी। इंटेलिजेंस की अनदेखीः रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों को संभावित हिंसा की चेतावनी पहले ही मिल चुकी थी।

प्रधानमंत्री बालेन शाह का बड़ा एक्शन : प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ लेने के तुरंत बाद बालेन शाह ने एक कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में जांच आयोग की रिपोर्ट को तत्काल प्रभाव से लागू करने का फैसला लिया गया।

आरोपः केपी ओली पर आरोप है कि जब देश जल रहा था, तब वे जिम्मेदारी निभाने के बजाय काठमांडू छोड़कर भाग गए थे। अब उन पर केस चलाया जाएगा, जिसमें 10 साल तक की जेल की सजा हो सकती है।

देशभर में हाई अलर्ट : ओली की गिरफ्तारी के बाद काठमांडू घाटी समेत पूरे नेपाल में सुरक्षा व्यवस्था बेहद सख्त कर दी गई है। काठमांडू की सड़कों पर भारी पुलिस बल तैनात है ताकि किसी भी तरह के विरोध प्रदर्शन या हिंसा को रोका जा सके। गृह मंत्रालय ने संकेत दिए हैं कि इस मामले में कई अन्य बड़े अधिकारियों और नेताओं की भी गिरफ्तारी हो सकती है।

ओली को मेडिकल जांच के बाद बटालियन में शिफ्ट किया जाएगा : ओली और रमेश लेखक को पुलिस जल्द ही आर्म्ड पुलिस फोर्स की महाराजगंज स्थित बटालियन नंबर-2 में शिफ्ट करेगी। दोनों नेताओं को गिरफ्तारी के बाद मेडिकल जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया है। अधिकारियों ने बताया कि मेडिकल जांच पूरी होते ही दोनों को बटालियन में रखने की व्यवस्था कर ली गई है। यह कदम जारी कस्टडी प्रक्रिया के तहत उठाया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि महाराजगंज स्थित बटालियन नंबर-2 में दोनों नेताओं को रखने की पूरी तैयारी कर ली गई है।

गिरफ्तारी से पहले बालेन की अध्यक्षता में बैठक हुई : इस मामले की जांच एक आयोग ने की थी, जिसकी अगुआई पूर्व जज गौरी बहादुर कार्की ने की। आयोग ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि प्रदर्शन के दौरान हालात को संभालने में गंभीर लापरवाही हुई। रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों ने पहले से मिली चेतावनी (इंटेलिजेंस) के बावजूद सही कदम नहीं उठाए, जिससे हालात बिगड़ गए और कई लोगों की जान चली गई। गिरफ्तारी से पहले प्रधानमंत्री बालेन शाह की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में इस रिपोर्ट को लागू करने का फैसला लिया गया था।

पूजा-पाठ के साथ सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद है कपूर

आमतौर पर कपूर का इस्तेमाल पूजा-पाठ के लिए होता है, लेकिन बहुत कम लोग ये जानते होंगे कि प्राकृतिक गुणों से भरपूर कपूर का इस्तेमाल लोग कई अन्य तरीकों से भी हो सकता है। काफी लोग इसका इस्तेमाल अपने घर के कामों और सेहत के लिए करते हैं। आइए आज हम आपको बताते हैं कपूर से होने वाले फायदे के बारे में...

जोड़ों की दर्द, जलने, कटने में कपूर का इस्तेमाल किया जाता है। सेहत के साथ-साथ कपूर स्किन के लिए भी फायदेमंद होता है। अगर आप लंबे वक्त से खुजली से परेशान है तो आप एक चम्मच नारियल तेल में कपूर को मिक्स करें, फिर खुजली वाले स्थान पर लगाएं। यह नुस्खा आपको खुजली से तुरंत राहत दिलाएगा।

एक स्टडी में इस बात का खुलासा हुआ है कि कपूर ऑयली स्किन वाले लोगों के लिए बहुत फायदेमंद होता है। साथ ही कपूर चेहरे पर निकल रहे कील मुंहासे से भी छुटकारा दिलाता है।

कई बार किचन में काम करते वक्त आपकी त्वचा थोड़ी सी जल जाती है, उस स्थान पर कपूर लगाने से आपकी जली हुई त्वचा सही हो जाएगी। घाव को ठीक करने के साथ-साथ कपूर का इस्तेमाल उसके निशान को भी ठीक करता है। कपूर का इस्तेमाल बालों को झड़ने से रोकता है। साथ ही रूसी को बालों से खत्म करता है और बालों को मजबूत बनाता है। कुछ विशेषज्ञों ने इस बात का दावा किया है कि नारियल तेल में कपूर मिलाकर लगाने से आपके बाल मजबूत होते हैं।

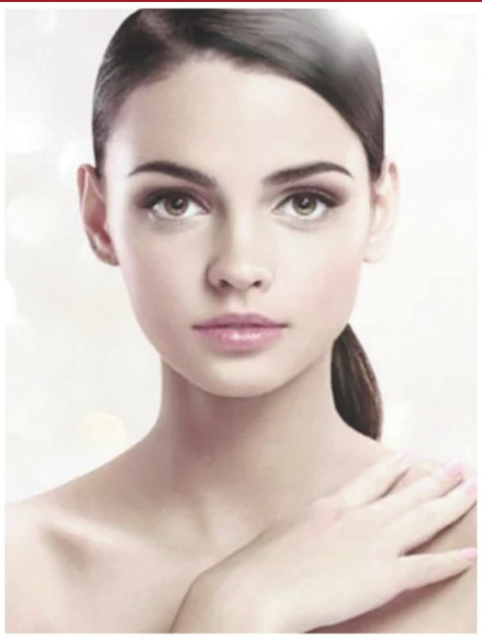

ग्लोइंग त्वचा पाने के लिए सुबह पीने के पानी में मिलाएं ये तीन चीज

आज की इस भागदौड़ भरी जिंदगी में हम अपनी त्वचा का ख्याल नहीं रख पाते। बाहर इतना पॉल्यूशन है कि हमारी स्किन मुरझाने लगती है। कई लोगों को तो एक्ने प्रोब्लम हो जाती है। अगर आप भी इन्ही चीजों से परेशान हैं और बहुत कोशिश करने के बाद भी स्किन पर वो ग्लो नहीं आ पा रहा है तो परेशान होने की जरूरत नहीं है। आप घर पर ही कुछ आसान तरीकों से अपने चेहरे का खास ख्याल रख सकती हैं। दिन की शुरुआत पानी से करनी चाहिए, यह बात तो हम सभी जानते हैं। सुबह हल्का गुनगुना पानी पीने से होने वाले फायदों के बारे में आपने बहुत सुना होगा। इससे आपका चेहरा हाइड्रेट रहता है। साथ ही यह शरीर की अशुद्धियों को दूर करने में मदद करता है, जिससे त्वचा पर निखार साफ दिखने लगता है। आइए जानते हैं पानी में मिलाई जाने वाली चीजों के बारे में...

दालचीनी

सबसे पहली चीज है दालचीनी। यह इम्यूनिटी बढ़ाने के साथ-साथ मोटापा घटाने में भी मददगार है। अगर सुबह के पानी को उबालते समय उसमें एक चुटकी दालचीनी को मिला लिया जाए तो यह आपकी त्वचा के लिए रामबाण है।

चिया सीड्स

हर दिन मॉर्निंग वॉटर में चिया सीड्स लेने से शरीर हेल्दी रहता है और त्वचा पर ग्लो भी आता है। इसके अलावा यह ड्रिंक रिंक्ल्स को दूर करने में मदद करता है। बहुत सारे ब्यूटी ट्रीटमेंट्स में भी चिया ऑयल का इस्तेमाल किया जाता है

स्ट्रॉबेरी

स्ट्रॉबेरी जूस को पानी में मिलाकर पीने से चेहरे के दाग धब्बे कम हो जाते हैं। इसके नियमित सेवन से दाग गायब हो जाते हैं। इसमें विटामिन सी और एंटीऑक्सिडेंट होता है जिससे चेहरे पर ग्लो आता है।

रेसिपी

अप्पम

- एक कप चावल
- दो कप कद्दूकस किया नारियल
- 3 चम्मच चीनी
- 1/2 टीस्पून खमीर (ईस्ट)
- नमक
- तेल

विधि

अप्पम बनाने के लिए सबसे पहले रात में चावल और नारियल को पानी में भिगोकर रख दें। सुबह इसमें नमक और चीनी डालकर मिक्स करें। इसके बाद इसमें ईस्ट डालकर कुछ देर के लिए रख दें। थोड़ी देर बाद सभी को पीस लें। पीसने के बाद मिक्सर को 4-5 घंटे के लिए रख दें। अब पैन में तेल गर्म करें और अप्पम को फैलाकर इसमें डालें। फिर इसे दोनों तरफ से सेंक लें और सर्व करें।

काले चने की कढ़ी

- भिगोए और उबले हुए काले चने
- दही
- बेसन
- एक छोटा चम्मच हल्दी
- एक बड़ा चम्मच गरम मसाला
- दो तेजपत्ता
- दो सूखी लाल मिर्च
- चूटकीभर हींग
- आधा चम्मच मेथी दाना
- आधा छोटा चम्मच जीरा
- दो हरी मिर्च
- आधा कप प्याज
- आधा कप टमाटर
- एक बड़ा चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट
- दो बड़ा चम्मच तेल
- नमक

विधि

सबसे पहले एक कड़ाही में तेल डालें और हींग तेजपत्ता, सूखी लाल मिर्च और मेथी दाना और जीरा डालकर भूनें। इसके बाद अदरक-लहसुन का पेस्ट और प्याज डालकर सुनहरा होने तक भूनें। अब गरम मसाला, हल्दी, और काले चने डालकर तब तक पकाएं जब तक की मसाला तेल न छोड़ने लगे। दूसरी ओर एक कटोरी में दही में बेसन डालकर अच्छी तरह घोल लें। मसाले के तेल छोड़ते ही दही वाला मिश्रण डालकर धीमी आंच पर पकाएं। धनिया पत्तियों ऊपर से डालकर सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-1-3-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-3-4-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-6-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। शुभांक-7-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-7-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-7-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-4-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। कार्य भार बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। समय का सदुपयोग करें। साधन और भोग-विलास के प्रचुर अवसर होंग। शुभांक-4-7-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। परामर्श व परिस्थिति का सहयोग मिलेगा। शुभांक-6-8-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। शुभांक-4-7-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-4-6-9

लॉफिंग जोन

दो मित्र आपस में बात कर रहे थे। एक मित्र ने कहा- 'यार, जब मैं सूट पहनकर सब्जी लेने जाता हूँ तो दुकानदार मुझे महँगी सब्जी देता है और जब गंदे कपड़े पहनकर जाता हूँ तो सस्ती देता है।'

दूसरे मित्र ने सुझाव दिया- 'यार तुम कटोरा लेकर जाया करो, मुफ्त में ही दे देगा।'

□ □ □

अपनी पत्नी के चिड़चिड़े और गुस्सैल स्वभाव से परेशान रमन एक बार किसी महात्मा के दर्शन के लिए और महात्मा से पूछा- महाराज, कोई ऐसा उपाय बताइए जिससे मेरी पत्नी हर बात में क्लेश और अपना चिड़चिड़ापन छोड़ दें।

महात्मा ने बड़े इत्मीनान से जवाब दिया- बेटे! अगर इसका उपाय मुझे पता होता तो मैं संन्यास ही क्यों लेता।

□ □ □

पत्नी ने उलाहना देते हुए पति से कहा- 'क्योंजी, आप तो विवाह से पहले कहा करते थे कि तुम्हारी छोटी से छोटी इच्छा पूरी करूँगा।'

पति- 'हाँ, पर अब तक राह देख रहा हूँ कि तुम्हारी कौन-सी इच्छा इतनी छोटी है, जिसे मैं पूरी कर सकूँगा।'

□ □ □

काकुरो पहेली - 645

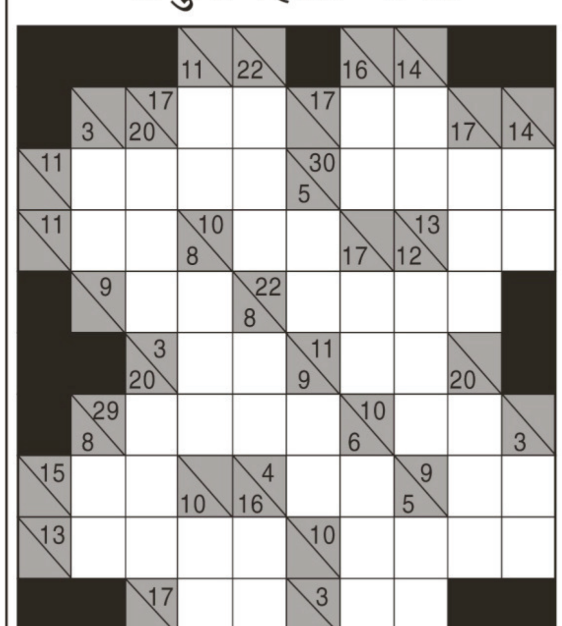

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

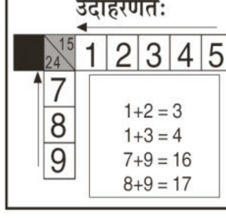

काकुरो - 644 का हल

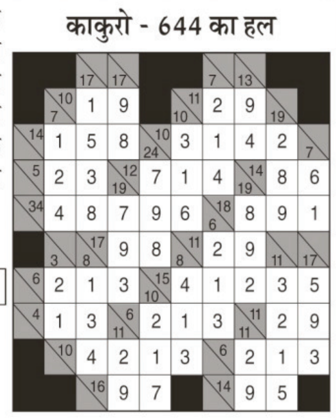

फिल्म वर्ग पहेली- 645

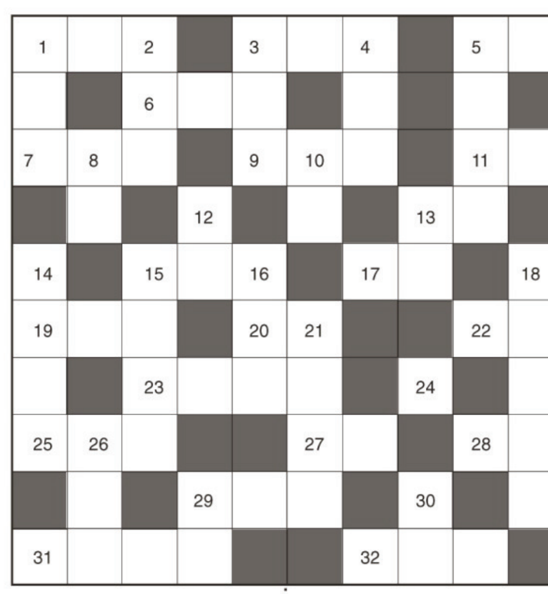

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, सलमान, जॉन, हेमा, रानी की फिल्म-३
३. 'हैलो हैलो बोल के' गीत वाली सुनील शेट्टी, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-३
५. जैकी, अनिल, शत्रुघ्न, हेमा, टीना मुनीम की फिल्म-२
६. 'मैं लव तुम से' गीत वाली फिल्म-३
७. कंवलजीत, वहीदा की फिल्म-३
९. 'झूठी मूठी मितवा सांवन' गीत वाली फिल्म-३
११. नवीन निश्चल, प्राण, रेखा की 'ना सतरा से ऊपर' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'हर इक लब पर है' गीत वाली श्रेयस तलुदे, आयशा टकिया की फिल्म-२
१५. शाहरूख, मनीषा, प्रीति, शिल्पा की फिल्म-२,१
१७. अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-२
१९. 'मुझे तुम याद' गीत वाली फिल्म-३
२०. अमिताभ, गोविंदा, रजनीकांत, किमी की फिल्म-२
२२.'दिल में जिगर' गीतवाली फिल्म-२
२३. हिंदी फिल्मोंका पहला 'ही-मैन' किसे कहा गया है-४
२४. जीतेंन्द्र, जयप्रदा की एक पारिवारीक फिल्म-१
२५. 'सौ सवालों का' गीत वाली धर्मेन्द्र, अनिलकपूर, मीनाक्षी की फिल्म-३
२७. अमिताभ, जैकी, जावेद, कैटरीना, मधु, सीमा, जीनत की फिल्म-२
२८. 'जुड़वाँ' में सलमान के साथ करिशमा के अलावा दूसरी नायिका कौन थी-२
२९. राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
३१. फिरोज, संजय, मनीषा की 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
३२. 'मेरा दिल जिस दिल' गीत वाली अनिल, अक्षय, करीना की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. राहुल राय, शीबा की फिल्म-३
२. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जिन्हें हम भूलना चाहें वो' गीत वाली दीपक कुमार, रेहाना की फिल्म-३
४. शशिकपूर, राखी की 'आज मदहोश हुआ जाये रे' गीत वाली फिल्म-३
५. 'नाले नाले मैं चली' गीत वाली मिथुन, कबीर बेदी, संगीता की फिल्म-४
८. बॉबी, काजोल, मनीषा कोइराला की 'मेरे ख्वाबों में तू' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'अब चाहे सर फूटे या' गीत वाली राजेश खन्ना, राखी, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२
१२. कुमार गौरव, माधुरी की 'पहली बारिश मैं और तू' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-२
१४. सुनीलदत्त, माला की 'आजा आजा रे तुझको मेरा प्यार' गीत वाली फिल्म-४
१५. 'जान तन से' गीत वाली जैकी श्रॉफ, फरहा की फिल्म-४
१६. प्रशांत, संध्या की 'तुम तो प्यार हो सजना' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'खुशी से खुदकुशी' गीत वाली फिल्म-५
२१. सनी, जीतेंन्द्र, फरहा, जयाप्रदा की फिल्म-४
२६. 'आँखों आँखों में हो गए' गीत वाली फिल्म-३
२९. नसीर, अतुल, पूजा भट्ट की फिल्म-२
३०. 'रंग दीन्हीं रंग दीन्हीं' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 644

पि	या	का	घ	र		ह	थ	क	ड़ी
ता	श		गैं		दो	स्ती		न्या	
	ना	खु	दा		बा		अं	दा	ज
ह		श		कुं	द	न		न	
म	ज	बु	र		न	ज	र		म
सा	या		त	ब्बू		श		डॉ	न
या		आ	न		कि	ना	श		च
	गै	र		मै	ला		म	वा	ली
प्या		पा	पी			श	जा		
सा	ग	र		श	खी		ने	पा	ल

सूडोकु -645

7	8	6		1		5		2
	9			8				3
1			6	9		7		
	3	8	2		1			
2	7	5				6	3	1
			5		7	2	8	
		9		7	4			6
8				2			5	
4		2		5		9	1	7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -644 का हल

2	9	5	3	1	4	6	8	7
3	6	1	2	8	7	4	9	5
8	4	7	5	9	6	3	2	1
5	7	4	1	6	2	8	3	9
1	3	6	9	4	8	5	7	2
9	8	2	7	3	5	1	4	6
6	2	8	4	7	1	9	5	3
4	5	3	6	2	9	7	1	8
7	1	9	8	5	3	2	6	4

शब्द पहेली - 645

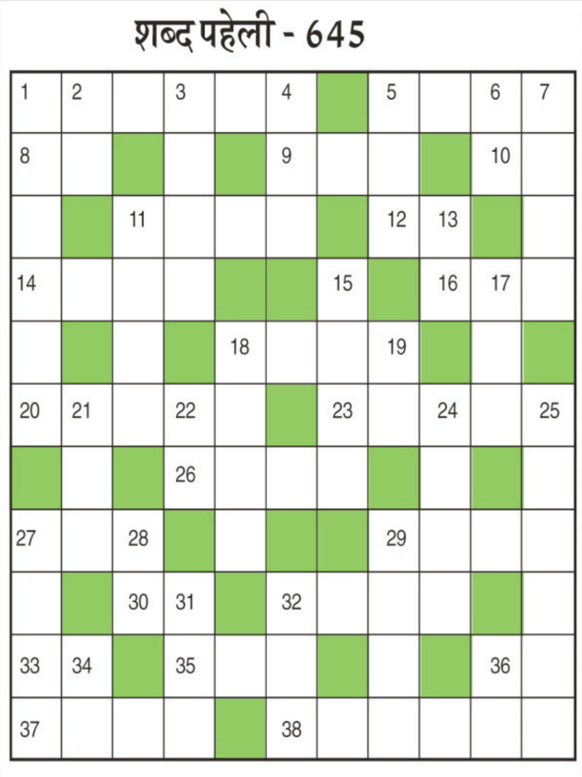

बाएँ से दाएँ

1.हलचल,कोलाहल-3,3
5.मानवीयता-4
8.शरीर, बदन-2
9.ऊंचाई-3
10.तीर, बाण-2
11.मनमोहक-4
12.रग, नाड़ी-2
14.दुत्कारना-4
16.चतुर, फुर्तीला-3
18.साझेदार-4
20.रमण लायक-3,2
23.भारी, वजन वाला-5
26.असावधानी-4
27.दाल पीसना-3
29.निश्चित-4
30.कविता-2
32.शरीर व इच्छा-2,2
33.भारत के झंडे का एक एक रंग-2
35.सलाम करना-3
36.रास्ता-2
37.राह पर चलनेवाले-4
38.जहाज चलाने की प्रक्रिया-3,3

ऊपर से नीचे

1.पैतृक संपत्ति का वारिस-6
2.गाय के स्तन-2
3.प्रसन्न होने का भाव-4
4.लगन, जिज्ञासा-3
5.खदान,खान (अंग्रेजी में-3)
6.अधीन, काबू-2
7.डामर, टार-4
11.पूर्वरक्षण, रिजर्वेशन-4
13.सच्चाई-2
15.दुश्मनी,शत्रुता-4
17.घूंघट, बुरखा-3
18.भाग्य का लेखा-जोखा-4
19.धूल, रेत-2
21.भवन, प्रसाद-3
22.जोड़, कुल-2
24.लावण्ययुक्त-4
25.जीवन निर्वाह का ढंग,-3,3
27.विजयादशमी-4
28.मोड़, छोर-2
29.मृत्यु का देवता, यम-4
31.बुरी आदत-3
32.सभ्य व्यवहार-3
34.मार्ग-2
36.गोंद, वार्निश-2

शब्द पहेली -644 का हल

ह	ल	च	ल		टा		द	वा	खा	ना
	क्ष्य		व		ल	क	वा		र	ज
ज			कु	सु	म		त			नी
ब	द	मा	श		टो	ना		सौ	त	न
र		हि		फा	ल		प्रा		न	
न	ग	र	वा	सी		ग	ण	ना	य	क
	र		द		मा	ली		पा		ल
अ	ल	ग		म	न		चौ	की	दा	र
प			चि		सि	स	की			व
रा	ज		क	न	क		दा		मे	
ध	ड़	क	न		ता		री	मा	ला	गू

ममता सरकार राज्य में करा रही दंगे और फैला रही अशांतिः लॉकेट चटर्जी

एजेंसी
कोलकाता। भाजपा नेता लॉकेट चटर्जी ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर राज्य में दंगे और अशांति फैलाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में कानून व्यवस्था खराब हो गई है। इसे सुधारने के बजाय मुख्यमंत्री और खराब कर रही हैं। भाजपा नेता लॉकेट चटर्जी ने समाचार एजेंसी से बात करते हुए कहा, 'पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले ही कानून-व्यवस्था की स्थिति बहुत गंभीर बनती जा रही है और ममता बनर्जी ने पहले ही कहा था कि इस समय दंगे और अशांति हो सकती है। वह सच होता दिखाई दे रहा है। वह जब भी ऐसा बोलती हैं, तो ऐसा ही होता है।' उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री चाहती हैं कि राजनीति के जरिए तुष्टीकरण हो और वोटों का ध्रुवीकरण हो। यही उनका सबसे बड़ा मुद्दा है। उन्होंने न तो अल्पसंख्यकों के लिए कुछ किया है और न ही बहुसंख्यकों के लिए अपने कार्यकाल में कोई काम किया है। उन्होंने कहा, 'यहां 15 साल की सत्ता-विरोधी लहर है। पश्चिम बंगाल के लोग जानते हैं कि पिछले 15 सालों में उनके साथ क्या किया गया है और इस बार जनता उन्हें हटाने के लिए दृढ़ है। पूरे देश को यह जानने की जरूरत है कि टीएमसी सरकार ने पश्चिम बंगाल के लोगों के साथ क्या किया है।

मुर्शिदाबाद में राम नवमी शोभायात्रा हिंसा मामले में अब तक 30 गिरफ्तार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के जंगीपुर क्षेत्र में राम नवमी शोभायात्रा को लेकर हुई हिंसा मामले में पुलिस ने अब तक 30 लोगों को गिरफ्तार किया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि राज्य पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र बलों की संयुक्त कार्रवाई के बाद स्थिति पर नियंत्रण पा लिया गया है। अधिकारियों के अनुसार, शुक्रवार को हुई झड़पों के दौरान क्षेत्र का माहौल कुछ समय के लिए युद्ध जैसी स्थिति में बदल गया था। इस दौरान कई लोग घायल हुए, जिनमें से कुछ का अभी भी स्थानीय अस्पताल में उपचार चल रहा है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, स्थिति सामान्य होने के बाद राज्य पुलिस और केंद्रीय बलों की संयुक्त टीमों ने हिंसा में शामिल लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू की। शुक्रवार शाम से लेकर शनिवार शाम तक 30 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस ने बताया कि हिंसा में शामिल अन्य लोगों की तलाश के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। इस मामले में कई प्राथमिकी दर्ज की गई हैं, जिनमें पुलिस की ओर से स्वतः संज्ञान लेकर दर्ज किया गया मामला भी शामिल है। संवेदनशील इलाकों में केंद्रीय बलों की लगातार गश्त जारी है और फ्लैग मार्च भी किया जा रहा है ताकि कानून व्यवस्था बनी रहे। वहीं, घटना को गंभीरता से लेते हुए निर्वाचन आयोग ने राज्य के पुलिस महानिदेशक से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

नासिक दुष्कर्म मामले के आरोपित के खिलाफ 100 से ज़्यादा आनलाइन शिकायतें दर्ज

मुंबई। महाराष्ट्र के नासिक दुष्कर्म मामले के आरोपित अशोक खरात के विरुद्ध पुलिस की एक खास हेल्पलाइन पर 100 से ज़्यादा शिकायतें दर्ज की गई हैं, जिनमें से लगभग 70 फीसदी शिकायतें महिलाओं की हैं। साथ ही सहकारवाड़ा पुलिस स्टेशन में अब तक 10 मामले दर्ज किए गए हैं, इनमें दो मामले धोखाधड़ी के हैं। इन मामले की छानबीन जारी है। इन मामलों की जांच कर रहे पुलिस अधिकारी ने बताया कि नासिक दुष्कर्म मामले की जांच के लिए स्पेशल इंवेस्टिगेशन टीम का गठन किया गया है, जिसका नेतृत्व महिला आईपीएस अधिकारी तेजस्विनी सातपुते कर रही हैं। अब तक की जांच में पता चला है कि आरोपित ने करीब दो सौ ज्यादा महिलाओं के साथ गुंगी की दवा खिलाकर दुष्कर्म करता था। इसलिए पुलिस ने इस मामले की पीड़ित महिलाओं के लिए एक खास हेल्पलाइन जारी की थी और पीड़ित महिलाओं को इस हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज करने की अपील की थी। इसी वजह इस हेल्पलाइन 100 से अधिक शिकायतें दर्ज की गई हैं। आरोपित द्वारा पीड़ितों में पहले डर का माहौल था। इसका कारण आरोपित के राजनीतिक पहुंच के साथ ही प्रशासनिक संरक्षण से पीड़ित पहले मूकदर्शक बने थे, जब पुलिस ने कार्रवाई शुरु की है, तो पीड़ितों ने भी शिकायत देना शुरु कर दिया है। इन सभी मामलों की छानबीन एसआईटी कर रही है।

एसीएम और पीएम कैडर के तीन नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में शनिवार को तीन नक्सलियों एसीएम राधिका कुंजाम, एसीएम संदीप कड़िया एवं पीएम रैनू पद्दा ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है। आत्मसमर्पित नक्सली कैडरों ने कुल तीन हथियारों के साथ आत्मसमर्पण किया है, जिसमें दो एसएलआर तथा एक .303 राइफल शामिल हैं। कांकेर एसपी निखिल राखेचा ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि आज तीन माओवादी कैडरों ने भी हिंसा का मार्ग त्यागकर मुख्यधारा में शामिल होने का निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि पुनर्वास के लिए आगे आए माओवादी कैडरों से प्राप्त जानकारी के आधार पर इलाके में सक्रिय अन्य माओवादी कैडरों से संपर्क स्थापित कर उन्हें भी मुख्यधारा में शामिल कराने के प्रयास जारी हैं। पुलिस महानिरीक्षक, बस्तर रेंज सुन्दरराज पट्टलिंगम ने शेष बचे कुछ माओवादी कैडरों से हिंसा त्यागकर मुख्यधारा में शामिल होने की अपील करते हुए कहा कि माओवादी कैडरों के पास आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास के विकल्प को चुनने के लिए अब केवल कुछ ही घंटे का समय शेष रह गया है।

आमजन की हर छोटी समस्या का हो समाधान, संपर्क पोर्टल पर परिवेदनाओं की करें नियमित मॉनिटरिंग : भजनलाल शर्मा

एजेंसी
जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री कार्यालय में राज उन्नति की तीसरी बैठक आयोजित हुई। इस दौरान उन्होंने लगभग 4 हजार 258 करोड़ रुपये की 7 विभागों की 8 परियोजनाओं एवं 2 योजनाओं की प्रगति को लेकर विस्तृत निर्देश दिए। उन्होंने जिला कलक्टर एवं विभागों को संपर्क पोर्टल पर प्राप्त परिवेदनाओं की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए त्वरित समाधान सुनिश्चित करने तथा इस संबंध में लापरवाही बरतने वाले कार्मिकों की जवाबदेही तय कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। कस्टम हायरिंग सेंटर्स की स्थापना की नियमित प्रगति हो सुनिश्चित शर्मा ने बजट घोषणाओं की अनुपालना में स्थापित होने वाले कस्टम हायरिंग सेंटर्स की स्थापना की प्रक्रिया में कृषि विभाग के अधिकारियों को तेजी लाने के

निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस कार्य की मॉनिटरिंग करते हुए नियमित प्रगति सुनिश्चित की जाए। ग्राम उत्थान शिविरों के दौरान प्राप्त आवेदनों का परीक्षण कर शीघ्र स्वीकृतियां जारी करें एवं केवीएसएस एवं जीएसएस द्वारा प्रेषित प्रस्तावों का निस्तारण किया जाए। मुख्यमंत्री ने सहकारी संस्थाओं की भंडारण क्षमता में वृद्धि के लिए ग्राम सेवा सहकारी समितियों में 100 एवं 500 मीट्रिक टन क्षमता के निर्माणाधीन गोदामों के कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखते हुए इसे शीघ्र पूरा करने तथा उनके समुचित उपयोग के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग निर्माण कार्यों में गुणवत्ता के साथ किसी प्रकार का समझौता नहीं करें। इसके लिए थर्ड पार्टी निरीक्षण की व्यवस्था के साथ गुणवत्ता आधारित मानकों की पालना सुनिश्चित की जाए। शर्मा ने प्रदेश में ब्रह्मगुप्त सेंटर ऑफ फ्रंटियर टेक्नोलॉजीज के तहत बनने वाले ब्लॉक चेन, साइबर सिक्योरिटी, एआई, क्वांटम कम्प्यूटिंग उत्कृष्ट केन्द्रों की स्थापना की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि इस केन्द्र के प्रारंभिक डिलिवरेबल निर्धारित कर प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करें तथा इसका शीघ्र क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर माइन्स एण्ड मिनरल्स की स्थापना के संबंध में टाइमलाइन निर्धारित करते हुए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए।मुख्यमंत्री ने कहा कि द्रव्यवती नदी में गिरने वाले नालों एवं औद्योगिक इकाइयों के अपशिष्ट को रोकने के लिए प्रभावी कार्ययोजना बनाई जाए। साथ ही, उन्होंने शेष औद्योगिक इकाइयों को सीईटीपी से शीघ्र जोड़ने और इसके उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कानून व्यवस्था हिमाचल सरकार की प्राथमिकता में नहींः जयराम ठाकुर

एजेंसी
शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा में विपक्ष के नेता जयराम ठाकुर ने मंदिरों में ट्रांसजेंडर का भेष बदलकर पैसे इकट्ठा करने वाले बांग्लादेशी विद्यार्थी को लेकर चिंता जाहिर की। उन्होंने इसे इंटेलिजेंस की नाकामी बताया और जांच की मांग की। जयराम ठाकुर ने आईएएनएस से कहा कि जो देश का रहने वाला नहीं है और हिंदू धर्म से भी नहीं है, ट्रांसजेंडर का भेष बदलकर लोगों के धार्मिक भावना को भड़का रहा है। लोग किन्नर समझकर श्रद्धा से उसको पैसा दे रहे हैं। हमारे सनातन धर्म में किन्नरों के लिए सम्मान और श्रद्धा है, इस वजह से उसको पैसे दे रहे हैं लेकिन यह जांच का विषय है। उन्होंने पुलिस पर सवाल उठाते हुए कहा कि पुलिस का कहना है कि उसने कुछ गलत नहीं किया है। उसने गलत कैसे नहीं किया? वो स्टूडेंट वीजा पर है। हिंदू नहीं है, मुस्लिम है और देश का नहीं है, बांग्लादेश का नागरिक है। इसके बाद भी वह किन्नर बनकर लोगों से पैसा इकट्ठा कर रहा है तो यह जांच का विषय कैसे नहीं है? यह जांच का विषय है। उन्होंने कहा कि खासतौर पर संवेदनशील जगह, जहां मंदिर है, जहां भीड़ होती है, लोग श्रद्धा के साथ आते हैं, उस जगह पर इसका जाना चिंता का विषय है। सरकार को इस मामले को गंभीरता से लेना चाहिए। जांच में ऐसा पाया गया है तो इसके खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। जयराम ठाकुर ने कहा कि कानून व्यवस्था सरकार की प्राथमिकता में नहीं है। प्रदेश में गोलियां चल रही हैं। नशे का प्रचलन इतना ज्यादा बढ़ गया है कि दूरदराज के इलाके में नशे की खेप पहुंच रही है।

केरल में 100 सीटों की प्रचंड जीत की ओर बढ़ रहा यूडीएफः राहुल गांधी

एजेंसी
तिरुवनंतपुरम। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केरल में अपनी पार्टी की संभावनाओं को लेकर बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व वाला यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) राज्य में 100 सीटों के साथ प्रचंड जीत की ओर बढ़ रहा है। केरल में 140 विधानसभा सीटों के लिए 9 अप्रैल को मतदान होना है और भीषण गर्मी के बीच चुनाव प्रचार चरम पर है। यह बयान उस मुलाकात के बाद आया, जब राहुल गांधी ने कन्नूर से कांग्रेस सांसद के. सुधाकरन और उनके परिवार से मुलाकात की। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और एआईसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल भी मौजूद रहे।

इस मुलाकात को व्यक्तिगत और राजनीतिक दोनों ही दृष्टि से महत्वपूर्ण बताया जा रहा है, जो पार्टी के भीतर एकजुटता का संदेश देने की कोशिश है।

सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए राहुल गांधी ने सुधाकरन की राजनीतिक यात्रा की सराहना करते हुए उन्हें 'सच्चा कांग्रेसी सिपाही'

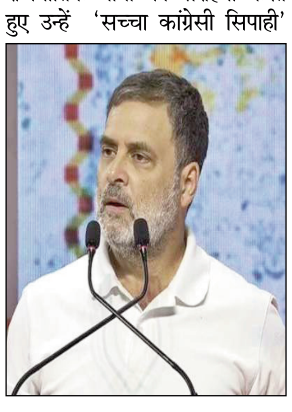

बताया, जो हर चुनौती और हर परीक्षा में मजबूती से खड़े रहे।

उन्होंने कहा, 'यूडीएफ एकजुट और मजबूत है। हम केरल में 100 सीटों के साथ प्रचंड जीत की ओर बढ़ रहे हैं।' इस बयान से कांग्रेस नेतृत्व का भरोसा झलकता है कि एंटी-इंकंबेंसी और संगठनात्मक मजबूती चुनाव में उनके पक्ष में जा सकती है।

कांग्रेस हाल के समय में गुटबाजी की चुनौतियों से जूझती रही है, लेकिन अब पार्टी एकजुटता की छवि पेश करने में जुटी है। शीर्ष नेताओं की संयुक्त मौजूदगी को इसी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है।

वहीं, सत्तारूढ़ लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ) ने इन दावों को 'इच्छाधारी सोच' करार दिया है। इसके बावजूद कांग्रेस इस चुनाव को जनभावना और अपने पक्ष में बन रहे माहौल के आधार पर लड़ने की कोशिश कर रही है।

चुनाव प्रचार के तेज होते ही राहुल गांधी का यह दावा मुकाबले को और दिलचस्प बना रहा है और केरल की राजनीति में नई हलचल पैदा कर रहा है।

उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने अजित पवार को याद करते हुए शेयर किया पोस्ट

एजेंसी
मुंबई । महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने अजित पवार को याद करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट साझा किया है। उन्होंने लिखा, दादा! आज आपको गए हुए दो महीने हो गए हैं। समय आगे बढ़ रहा है, लेकिन मेरा मन अभी भी आपकी यादों में डूबा हुआ है। उन्होंने लिखा कि आपकी कमी हर पल बहुत महसूस होती है और साथ ही रोजाना के राजनीतिक और सामाजिक मामलों में भी आपकी मौजूदगी महसूस होती है। आपकी लोगों से जुड़ी विकास करने वाली पर्सनैलिटी, आम आदमी से आपका गहरा जुड़ाव, काम के प्रति आपका जोशीला रवैया और हर फैसले के पीछे की सोच हमेशा मुझे रास्ता दिखाएगी। उन्होंने आगे लिखा कि आप सिर्फ एक नेता नहीं थे, बल्कि एक ऐसा पिलर थे, जिसने अनगिनत लोगों की जिंदगी में विश्वास, ताकत और उम्मीद जगाई। आपकी वजह से बहुत लोगों को दिशा मिली, मौके मिले और अपने पैरों पर खड़े होने की ताकत मिली।

सुनेत्रा पवार ने लिखा कि शिव-शाहू-फुले-अंबेडकर के विचारों पर

चलने वाली हमारी नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी का सफर आपकी प्रेरणा से ही बिना रुके जारी है। लोगों की भलाई के लिए फैसले लेते समय मैं हर कदम यह ध्यान में रखकर उठाने की कोशिश करती हूं कि आप इस स्थिति में क्या करते?

डिप्टी सीएम ने लिखा कि यह एहसास हमेशा मेरे मन में चुभता है कि आपकी गैरमौजूदगी से जो खालीपन है वह कभी नहीं भरेगा, लेकिन आपकी दी हुई सीख, आपके विचार और आपकी विरासत ही वे दीये हैं, जो अब आगे का रास्ता रोशन करते हैं। आपके साथ बिताया हर पल, हर बातचीत और हर याद हमेशा मेरे मन में बसी रहेगी। आपके शब्दों की ताकत मुझे खड़े होने की एनर्जी देती है।

सुनेत्रा ने लिखा कि दादा आपकी कमियों को शब्दों में बयां करना नामुमकिन है, लेकिन मैं आपके सपनों, आपके काम और आपके विचारों को आगे बढ़ाने के आपके पक्के इरादे को हमेशा संजोकर रखूंगी। आपने जो दिशा दिखाई,वह हमारी प्रेरणा और गाइड बनी रहेंगी। दिल से श्रद्धांजलि!

पश्चिम बंगाल में बुलडोजर की राजनीति के लिए कोई जगह नहींः अभिषेक बनर्जी

एजेंसी
कोलकाता । तृणमूल कांग्रेस के अखिल भारतीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में भाजपा की बुलडोजर शैली की राजनीति के लिए कोई जगह नहीं है। अपने एक्स हैंडल का इस्तेमाल करते हुए बनर्जी ने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा राज्य में कई प्रशासनिक बदलाव किए जाने के बाद शुक्रवार को राम नवमी के जुलूस के दौरान मुर्शिदाबाद जिले के रघुनाथगंज में हिंसा हुई। बनर्जी ने कहा कि भाजपा बंगाल की धरती पर इसी तरह का 'परिवर्तन' थोपना चाहती है। चुनाव की घोषणा के तुरंत बाद चुनाव आयोग ने व्यापक प्रशासनिक बदलाव शुरू कर दिए और मुख्य सचिव, गृह सचिव, डीजीपी, एडीजी, आईजी, एसपी, डीएम, कोलकाता पुलिस कमिश्नर और यहां तक ??कि केएमसी कमिश्नर को भी बदल दिया। इस तरह के अभूतपूर्व हस्तक्षेप से इरादे और समय को लेकर गंभीर सवाल उठते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि इसके बाद

जो हुआ है वह और भी चिंताजनक है। इन बदलावों की आड़ में, धमकियों की घटनाएं बढ़ रही हैं, दुकानों में तोड़फोड़ हो रही है, धर्म के नाम पर तनाव भड़काया जा रहा है और आम लोगों को परेशान किया जा रहा है। हमें 'बुलडोजर मॉडल' की जरूरत नहीं है। हमें नफरत और हिंसा की आयातित राजनीति की जरूरत नहीं है।

तृणमूल कांग्रेस नेता के अनुसार हमारी पहचान हमारी साझी संस्कृति, हमारे मिलजुल कर मनाए जाने वाले कार्यक्रम, एक-दूसरे की मान्यताओं के प्रति हमारा सम्मान है। उन्होंने समाज में सांप्रदायिक सद्भाव के महत्व पर भी प्रकाश डाला और बताया कि पश्चिम बंगाल ने इस दिशा में किस प्रकार अग्रणी भूमिका निभाई है।

उन्होंने कहा कि कई पीढ़ियों से बंगाल दुर्गा पूजा, दिवाली, पोइला बोइशाख, ईद, गुरु नानक जयंती, बुद्ध पूर्णिमा और क्रिसमस बिना किसी भय, विभाजन या हिंसा के एक साथ मनाता आया है। फिर भी पिछले कुछ दिनों में हमें क्रांतिकारियों की इस भूमि पर थोपे जा रहे 'परिवर्तन' की एक भयावह झलक देखने को मिल रही है। बनर्जी ने कहा कि रवींद्रनाथ टैगोर और स्वामी विवेकानंद की भूमि हमेशा से सहिष्णुता, सद्भाव और सहअस्तित्व की प्रतीक रही है। दशकों से बंगाल विविधता में एकता का जीता-जागता उदाहरण रहा है।

बनर्जी ने अपनी पोस्ट में कहा कि इस तरह की राजनीति से किसी को भी लाभ नहीं मिलना चाहिए। आज, वही सामाजिक ताना-बाना तनाव में दिखाई दे रहा है। सवाल यह है कि इस व्यवधान से किसे लाभ हो रहा है और बंगाल की जनता को इसकी कितनी कीमत चुकानी पड़ रही है? चुनाव आयोग और भाजपा पर शर्म आती है!

लद्दाख के जोजिला दर्रे पर भीषण हिमस्खलन हादसे में अब तक सात की मौत, प्रशासन ने अनुग्रह राशि की घोषणा की

एजेंसी
लद्दाख । लद्दाख के जोजिला दर्रे पर शुक्रवार को हुए भीषण हिमस्खलन हादसे में अब तक सात लोगों की मौत हो गई। लद्दाख के प्रशासन ने हादसे में पीड़ित परिवारों को अनुग्रह राशि देने का ऐलान किया। उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक भावुक पोस्ट में जोजिला दर्रे के पास हुए हिमस्खलन में सात लोगों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने लिखा, 'कल जोजिला दर्रे के पास हिमस्खलन में सात लोगों की दुखद मृत्यु से मैं अत्यंत दुखी हूं। यूटी प्रशासन मृतकों के परिजनों को 4 लाख रुपए की अनुग्रह राशि प्रदान करेगा। मैंने जिला प्रशासन को निर्देश दिया है कि वे शोक संतप्त परिवारों और घायलों को हर संभव सहायता प्रदान करें।' यह हादसा शुक्रवार को दोपहर के समय श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग पर जोजिला पास के जीरो पॉइंट या डायल स्लाइड क्षेत्र के पास हुआ। तेज धूप के कारण बर्फ की परत ढहने से हिमस्खलन आया, जिसमें यात्री वाहनों का काफिला फंस गया। हादसे में तीन से चार वाहन पूरी तरह बर्फ के नीचे दब गए, जबकि कुल 15 से अधिक वाहन प्रभावित हुए। हादसे में सात लोगों की मौत हो गई और अन्य कई घायल हो गए।जोजिला पास कश्मीर घाटी को लद्दाख से जोड़ने वाला रणनीतिक महत्व का राजमार्ग है, जो सर्दियों में आमतौर पर बंद रहता है और हाल ही में खुला था। हिमस्खलन के कारण राजमार्ग पर यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। बॉर्डर रोड ऑर्गनाइजेशन (बीआरओ), आपदा प्रबंधन बल और स्थानीय पुलिस की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। 434 किलोमीटर लंबा श्रीनगर-लेह हाईवे सामरिक और पर्यटन के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण मार्ग है।

विद्यार्थी ज्ञान परम्परा से जुड़कर देश को गौरवान्वित करें : राज्यपाल बागडे

एजेंसी
जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि विद्यार्थी प्राचीन भारतीय ज्ञान परम्परा जुड़कर नालंदा एवं तक्षशिला जैसे विश्वविद्यालयों की तरह भारत का विश्वभर में गौरव बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि भारत का स्वर्णिम अवसर हमारे विश्वविद्यालय हैं। नई शिक्षा नीति के आलोक में उन्हें सभी मिलकर उत्कृष्ट बनाने का प्रयास करें। राज्यपाल बागडे पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश में आर्थिक एवं सामाजिक परिवर्तन के साथ-साथ गरीबी को शिक्षा के माध्यम से ही दूर किया जा सकता है। उन्होंने राजस्थान के शिक्षा क्षेत्र में योगदान देने वाले महानुभावों का स्मरण करते हुए कहा कि हीरालाल शास्त्री, स्वामी केशवानंद एवं सावित्री भाटी जैसे व्यक्तियों ने राजस्थान में शिक्षा को एक विशिष्ट स्थान दिलाया। राज्यपाल ने कहा कि राजस्थान वीरों और वीरांगनाओं की पावन धरती है। यहीं से भारतीय सेना में सबसे अधिक जवान भर्ती होते हैं। शेखावाटी की यह धरती ऐतिहासिक रूप से देश की आर्थिक रीढ़ रही है। यहां के व्यापारियों ने देश के उद्योग-

व्यापार जगत को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बजाज, बिरला, अग्रवाल, मोदी समेत अनेक प्रमुख औद्योगिक घरानों की नींव इसी भूमि से जुड़ी है। राज्यपाल बागडे ने कहा कि देश की आजादी से पूर्व घनश्याम दास बिड़ला ने महात्मा गांधी के साथ मिलकर देश में उद्योगों को प्रारंभिक रूप देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया था। राज्यपाल ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय को याद करते हुए कहा कि वे व्यक्ति नहीं, बल्कि अपने आप में एक संस्था और एक महान चिंतक थे। उनके द्वारा प्रतिपादित एकात्म मानववाद राष्ट्र को दी गई अनूठी विरासत है। उनका मूल विचार था कि व्यक्ति से बड़ा समाज है। राज्यपाल ने दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों से कहा कि यह समारोह शिक्षा का अंत नहीं, बल्कि जीवन की नई शुरुआत है। विद्यार्थी अपनी शिक्षा का उपयोग आमजन और राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के लिए करें। राज्यपाल ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि हाल के वर्षों में यूपीएससी और आरपीएससी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में छात्राओं की सफलता दर लगातार बढ़ रही है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि विद्यार्थियों में बौद्धिक क्षमता के साथ-साथ शारीरिक क्षमता का भी विकास आवश्यक है। प्राचीन भारत की गुरुकुल पद्धति की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि गुरुकुल में कला, इंजीनियरिंग, चरित्र निर्माण और नैतिक मूल्यों सहित सर्वांगीण शिक्षा प्रदान की जाती थी।

राज्यपाल ने कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए सहनशीलता अत्यंत जरूरी है। व्यक्ति तभी सफलता की ऊंचाइयों को छू पाता है। उन्होंने राजस्थान को कौशल की खान बताते हुए रणकपुर जैन मंदिर का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि इस अनुपम मंदिर को बारीकियों के साथ तैयार करने में पूरे 64 वर्ष लगे।

सीएम भूपेंद्र की अध्यक्षता में हुई हाई-लेवल मीटिंग, जरूरी चीजों की मात्रा और सप्लाई पर खास रिव्यू

एजेंसी
गांधीनगर। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की अध्यक्षता में गांधीनगर में हुई एक हाई-लेवल मीटिंग में राज्य में पेट्रोल-डीजल-गैस और दूसरी ज़रूरी चीज़ों की उपलब्धता, डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम और लोगों को आसानी से उपलब्ध कराने के इंतजाम का रिव्यू किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यों के मुख्यमंत्रियों और केंद्र शासित प्रदेशों के लेफ्टिनेंट गवर्नरों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस में मौजूदा ग्लोबल हालात के संदर्भ में देश के राज्यों में पेट्रोल, डीजल, गैस, फर्टिलाइजर और फ़ूड सप्लाई की स्थिति पर जो निर्देश दिए थे, उसके बाद आज गांधीनगर में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की अध्यक्षता में राज्य के सीनियर सेक्रेटरी की मीटिंग हुई। इस मीटिंग में साफ तौर पर कहा गया कि अभी पूरे राज्य में गैस, पेट्रोल, डीजल, खाद समेत ज़रूरी चीज़ों की काफ़ी सप्लाई है। इतना ही नहीं, राज्य सरकार ने यह पक्का करने के इंतजाम किए हैं कि यह सप्लाई भविष्य में भी काफ़ी मात्रा में उपलब्ध रहे। इस मीटिंग में डिप्टी मुख्यमंत्री हर्ष संघवी, एनर्जी मिनिस्टर ऋषिकेशभाई पटेल और सिविल सप्लाई मिनिस्टर रमनभाई सोलंकी भी मौजूद थे और उन्होंने कई

सुझाव दिए। मुख्यमंत्री ने इस मीटिंग में कहा कि इस समय सभी डिपार्टमेंट को अलर्ट रहना होगा और तालमेल और टीमवर्क के साथ काम करना होगा ताकि लोगों को ज़रूरी चीज़ों की सप्लाई आसानी से मिल सके।

इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि राज्य में पीएनजी कनेक्शन को प्राथमिकता देने के लिए केंद्र सरकार की दी गई गाइडलाइंस को राज्य में जल्दी लागू किया जाना चाहिए और नए पीएनजी कनेक्शन तुरंत दिए जाने चाहिए। मुख्यमंत्री ने सुझाव दिया था कि ऐसे कनेक्शनों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, खासकर रिहायशी और एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन और हॉस्पिटल को। गुजरात देश में सबसे ज़्यादा 23 प्रतिशत पीएनजी गैस कनेक्शन वाला राज्य है। इसके अलावा, देश के 12 परसेंट सीएनजी फिलिंग स्टेशन राज्य में चालू हैं। प्रधानमंत्री की राज्यों से ज़्यादा नए पीएनजी कनेक्शन देने की अपील के बाद, राज्य में नए कनेक्शन देने का काम तेजी से शुरू किया गया है। पिछले 10 दिनों में 12 हज़ार से ज़्यादा नए पीएनजी कनेक्शन और 300 से ज़्यादा नए कमर्शियल कनेक्शन दिए गए हैं।

इस मीटिंग में फ़ूड एंड सिविल सप्लाई डिपार्टमेंट की तरफ से दिए गए प्रेजेंटेशन में बताया गया कि राज्य में 1.28 करोड़ घरेलू एलपीजी कनेक्शन हैं। इतना ही नहीं, राज्य सरकार तेल और गैस कंपनियों के साथ लगातार कोऑर्डिनेट कर रही है ताकि इन घरेलू कनेक्शन होल्डर्स को रेगुलर गैस सप्लाई मिलने में कोई दिक्कत न हो।

राज्य सरकार ने एलपीजी कनेक्शन होल्डर्स की किसी भी समस्या के तुरंत समाधान के लिए एक हेल्पलाइन शुरू की है, और अब तक 10,000 शिकायतों का समाधान किया जा चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने पेट्रोल, डीजल और एलपीजी मुफ़्त देने का फ़ैसला किया है।

जनगणना से साफ होगा कि किन समुदायों तक पहुंचा योजनाओं का लाभ : साध्वी निरंजन ज्योति

एजेंसी
भोपाल । राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की नव नियुक्त अध्यक्ष साध्वी निरंजन ज्योति ने अपने पदभार ग्रहण करने के बाद कहा कि हाल ही में जनगणना को लेकर जारी अधिसूचना से यह स्पष्ट रूप से पता चल सकेगा कि किन समुदायों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिला है और कौन से समुदाय अब भी वंचित हैं। केंद्रीय ओबीसी सूची में शामिल करने या उससे बाहर करने के मानदंडों की समीक्षा के सवाल पर उन्होंने कहा कि वह इस विषय पर लगातार जानकारी जुटा रही हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि यदि किसी भी स्तर पर सुधार की आवश्यकता महसूस होती है, तो वह इस मुद्दे को प्रधानमंत्री के समक्ष भी रखेंगी। उनका कहना है कि आयोग का उद्देश्य सभी वर्गों के साथ न्याय सुनिश्चित करना है। साध्वी निरंजन ज्योति ने इस अहम जिम्मेदारी के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उन्हें यह उम्मीद नहीं थी कि उनका राजनीतिक और सामाजिक सफर उन्हें इस पद तक लेकर आएगा।

उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी प्राथमिकता आयोग से जुड़े सभी लंबित और महत्वपूर्ण मुद्दों का समाधान करना होगा। आयोग के कामकाज और प्राथमिकताओं को लेकर महत्वपूर्ण बयान दिया है। उनके अनुसार, यह प्रक्रिया सामाजिक न्याय को और अधिक प्रभावी बनाने में सहायक होगी।

बता दें कि उन्होंने आधिकारिक रूप से राष्ट्रीय ओबीसी आयोग की अध्यक्ष का पद संभाला। इस दौरान उन्होंने आयोग के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ बैठक की और भविष्य की कार्ययोजना पर चर्चा की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इस अवसर की तस्वीरें भी साझा की और समाज के उत्थान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

अपने संदेश में उन्होंने कहा कि आयोग का संकल्प है कि पिछड़े वर्गों को न्याय, सुरक्षा, सम्मान और विकास के समान अवसर मिलें। उन्होंने कहा कि इसी लक्ष्य के साथ आयोग पूरी निष्ठा से कार्य करेगा।

गौरतलब है कि साध्वी निरंजन ज्योति इससे पहले केंद्र सरकार में विभिन्न मंत्रालयों में राज्य मंत्री के रूप में कार्य कर चुकी हैं। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में जन्मी ज्योति निषाद मल्लाह समुदाय से आती हैं और फतेहपुर से सांसद भी रह चुकी हैं।

बता दें कि साध्वी निरंजन ज्योति केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के पहले दो कार्यकाल में मंत्री रही हैं। उन्हें 2014 में केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री बनाया गया था।

आईपीएल में आज होगा सीएसके और राजस्थान रॉयल्स का मुकाबला

गुवाहाटी (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सोमवार को पांच बार की विजेता रही चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का पहला मुकाबला राजस्थान रॉयल्स से होगा। रॉयल्स की कप्तानी युवा रियान पराग करेंगे। वहीं सीएसके की कप्तानी रुतुराज गायकवाड़ के पास है। अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन के सीएसके जाने के बाद पराग को कप्तानी दी गयी है। वहीं सीएसके नये नेतृत्व के तहत ही रुतुराज गायकवाड़ की कप्तानी में उतरेंगी।

इस मैच में दोनो ही टीमों में शामिल कुछ स्टार खिलाड़ी अपनी ही पुरानी टीमों से टकराते दिखेंगे। लंबे समय तक रॉयल्स में रहे विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन इस बार सीएसके की ओर से खेलेंगे जबकि सीएसके के रविन्द्र जडेजा रॉयल्स की ओर से उतरेंगे। ऐसे में दोनों ही टीमों का रोमांचक मुकाबला होगा। सीएसके को सैमसन के आने से एक अच्छा बल्लेबाज और विकेट कीपर मिलेगा। वहीं जडेजा के आने से रॉयल्स की गेंदबाजी और बल्लेबाजी बेहतर होगी। सामने अपनी पुरानी टीमों को चुनौती देने की बारी होगी।

सैमसन ने हाल में टी20 विश्व कप में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। ऐसे में उनके फार्म में होने का लाभ सीएसके को मिलेगा। वह सीएसके टीम के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के साथ पारी शुरु करेंगे। सैमसन के पास लंबी पारी खेलने का अनुभव है जिसका लाभ सीएसके को मिलेगा। अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज महेन्द्र सिंह धोनी पूरी तरह से फिट नहीं होने के कारण शुरुआती मैचों से बाहर रहेंगे। ऐसे में सैमसन को उनकी कमी पूरी करनी होगी। धोनी के बार होने से बायें हाथ के युवा स्पिन ऑलराउंडर प्रशांत वीर को टीम में अवसर मिल सकता है। इसके अलावा युवा कार्तिक शर्मा पर भी सबकी नजरें रहेंगी। कार्तिक तेजी से खेलने के लिए जोन जाते हैं।

सीएसके के पास मजबूत बल्लेबाजी क्रम है। युव बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस अब पहले से बेहतर हो चले हैं। वहीं शिवम दुबे मध्यक्रम के भरोसेमंद बल्लेबाज बन गए हैं। युवा आयुष म्हात्रे भी अच्छी बल्लेबाजी करते हैं। वहीं सीएसएस की गेंदबाजी कुछ कमजोर नजर आती है। गेंदबाजी की जिम्मेदारी नूर अहमद, अकील हुसैन, मैट हेनरी और खलील अहमद के पास रहेगी।

वहीं रॉयल्स की बात करें तो जडेजा के आने से टीम का अनुभव और संतुलन बढ़ा है। टीम की बल्लेबाजी की कमान यशस्वी जायसवाल के पास रहेगी। टीम में युवा वैभव सूर्यवंशी भी नये रिकार्ड बनाना चाहेंगे। वेस्टइंडीज के शिमरोन हेटमायेर के होने से भी टीम को लाभ मिलेगा। रॉयल्स की गेंदबाजी में जोफ्रा आर्चर के अलावा कोई भी ऐसा गेंदबाज नहीं है जो विशेष हो। पिछले सत्र के बाद टीम में कई बदलाव हुए हैं पर वह बेहतर गेंदबाज शामिल नहीं कर पायी है। स्पिन गेंदबाजी की कमान जडेजा और रवि बिश्नोई के पास रहेगी।

टीम इस प्रकार है

राजस्थान रॉयल्स: रियान पराग (कप्तान), ध्रुव जुरेल, डोनोवन फरेरा, लुआन ड्रे प्रिटोरियस, रवि सिंह, अमन पेराला, शिमरोन हेटमायेर, शुभम दुबे, वैभव सूर्यवंशी, यशस्वी जायसवाल, रविंद्र जडेजा, सैम कुरेन, एडम मिल्ने, बृजेश शर्मा, जोफ्रा आर्चर, कुलदीप सेन, क्वेना मफाका, नांद्रे बर्गर, रवि बिश्नोई और संदीप शर्मा।

चेन्नई सुपर किंग्स: रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), संजू सैमसन, डेवाल्ड ब्रेविस, शिवम दुबे, आयुष म्हात्रे, मैट हेनरी, अकील हुसैन, नूर अहमद, जैमी ओवर्टन, मैथ्यू शॉर्ट, खलील अहमद, जाक फोकेस, अंशुल कम्बोज, नाथन एलिस, सरफराज खान, राहुल चाहर, कार्तिक शर्मा, उर्विल पटेल, अमन खान, रामाकृष्णा घोष, प्रशांत वीर, श्रेयस गोपाल, गुरजपनीत सिंह और मुकेश चौधरी।

सबालेंका ने मियामी ओपन खिताब जीता, सनशाइन डबल भी हासिल किया

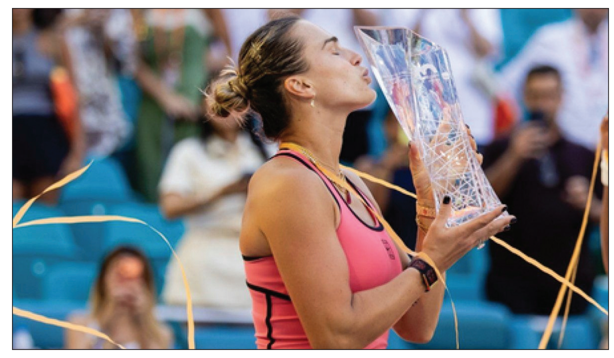

मियामी (एजेंसी)। बेलारूस की स्टार खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने मियामी ओपन टेनिस खिताब जीत लिया है। सबालेंका ने महिला एकल मुकाबले के फाइनल में अमेरिका की कोको गाफ को 6-2, 4-6, 6-3 से हराया। यह मुकाबला काफी रोमांचक रहा और इस जीत के साथ ही सबालेंका ने लगातार दूसरी बार मियामी खिताब जीतने के साथ ही सनशाइन डबल की उपलब्धि भी हासिल कर ली। सनशाइन डबल तब होता है जब कोई खिलाड़ी एक ही सत्र में इंडियन वेल्स और मियामी में जीत हासिल करता है। सबालेंका ने इससे पहले इंडियन वेल्स में भी खिताब जीता था। सबालेंका अब साल 2022 में पोलैंड की इगा स्वीटेक के बाद सनशाइन डबल पूरा करने वाली पहली खिलाड़ी बन गई हैं। उनसे पहले स्टेफी ग्राफ, किम क्लीजिस्टर्स और विक्टोरिया अजारेंका ने ही ये खिताब जीता है। इस प्रकार सबालेंका सनशाइन डबल जीतने वाली पांचवीं महिला खिलाड़ी बन गई हैं।सबालेंका ने खिताब मुकाबले का पहला सेट 6-2 से जीत लिया पर दूसरे सेट में गॉफ ने 6-4 से सेट जीतकर अच्छी वापसी की पर तीसरे सेट में सबालेंका ने एक बार फिर बाजी मार ली और शानदार सर्विस और विनर्स की सहायता से मैच जीत लिया। यह सबालेंका के करियर का 24वां डब्ल्यूटीए एकल खिताब है। वहीं कुल मिलाकर उनका 30वां खिताब है। इसमें चार ग्रैंड स्लैम एकल, दो ग्रैंड स्लैम डबल्स और कई डब्लयूटीए 1000 टाइटल शामिल हैं।

ओलंपिक पदक जीतना हर खिलाड़ी का होता है सपना : अनाहत

मुंबई (एजेंसी)। भारत की शीर्ष महिला स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत सिंह का कहना है कि उनकी लक्ष्य 2028 लॉस एंजिलिस 2028 खेलों में पदक जीतना है। अनाहत ने कहा कि ओलंपिक में पदक जीतने की चाहत हर खिलाड़ी में होती है। अनाहत ने कहा, यह पहली बार है जब इस खेल कोओलंपिक में जगह मिली है सभी खिलाड़ी इस अवसर का इंतजार कर रहे थे। उन्होंने कहा, इससे पहले कोई भी स्क्वाश खिलाड़ी अधिक से अधिक राष्ट्रमंडल खेलों में खेल सकता था पर अब ओलंपिक में भी वह अपनी प्रतिभा दिखा सकता है। अनाहत ने कहा, अगले कुछ साल में मेरा लक्ष्य देश के लिए पदक जीतना रहेगा। अभी वह जेएसडब्ल्यू इंडियन ओपन में खेलेंगी। इससे खिलाड़ियों को रैंकिंग अंक हासिल करने का भी अवसर मिलेगा। इससे इस साल के अंत में होने वाले एशियाई खेलों के लिए लय बनाने में सहायता मिलेगी। अनाहत ने कहा कि वह एक समय में एक ही टूर्नामेंट पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। वहीं पुरुष वर्ग में स्टार खिलाड़ी रमित टंडन ने कहा कि इस खेल को ओलंपिक में शामिल किए जाने से अब कारपोरेट जगत का ध्यान भी

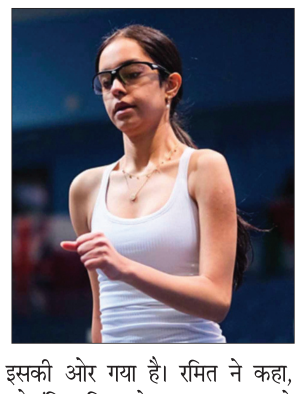

इसकी ओर गया है। रमित ने कहा, ओलंपिक विश्व खेल जगत का सबसे बड़ा आयोजन है और उसमें खेलना सभी का सपना होता है। साथ ही कहा कि हमारे खेल को जेएसडब्ल्यू और अन्य कारपोरेट घरानों के जुड़ने से भी लाभ हुआ है। ये ओलंपिक में शामिल होने से ही संभव हो पाया है। रमित ने कहा कि इसके ठीक बाद मैं लंदन में अगला टूर्नामेंट खेलने जा रहा हूं। रमित ने कहा, तैयारी के लिहाज से विश्व चैंपियनशिप काहिरा में है जो एक प्रभावित इलाका है। हमें पीएसए से संदेश मिल रहे हैं जिनमें कहा गया है कि वे स्थिति पर कड़ी नजर रखे हुए हैं। वे तारीखों में थोड़ा-बहुत फेरबदल करने पर भी विचार कर रहे हैं।

आईपीएल के शुरुआती मैच में ही बने कई रिकार्ड

बेंगलुरु (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच आईपीएल के पहले ही मैच में एक साथ कई रिकार्ड बने हैं। इस मैच में आरसीबी ने 15.4 ओवर में ही 202 रन बनाकर आईपीएल में सबसे तेजी से 200 रन बनाने का लक्ष्य अपने नाम किया। इससे पहले सबसे तेज 200 रनों का रिकार्ड राजस्थान रॉयल्स के नाम था जो उसने पिछले सत्र में गुजरात टाइटंस के खिलाफ 15.5 ओवर में 212 रन बनाये थे। वहीं इस मैच में विराट कोहली ने नाबाद 69 रन बनाये। स प्रकार वह एक स्थल पर सबसे ज्यादा अर्घशतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। वहीं सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान ईशान ने

80 रनों की पारी के साथ ही अपने 3000 आईपीएल रन पूरे किये।

विराट ने बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में 28 बार पचास रन बनाए हैं। वहीं एक ही मैदान पर सबसे ज्यादा अर्धशतक के मामले में इंग्लैंड के जेम्स विंस दूसरे नंबर पर हैं। विंस के नाम द रोज बाउल, साउथैम्प्टन में 27 अर्धशतक का रिकार्ड है। कोहली ने आईपीएल में लक्ष्य का पीछा करते हुए 4000 रन बनाने का रिकार्ड भी अपने नाम किया है। इसके अलावा वह टी-20 क्रिकेट में 13,572 रन के साथ पाकिस्तान के शोएब मालिक को पीछे छोड़ते हुए छठे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने।वहीं सनराइजर्स ने इस मैच में 201 रन बनाने के साथ ही आरसीबी के खिलाफ खिलाफ सातवीं बार 200 से अधिक रन बनये हैं। वहीं सनराइजर्स के ईशान किशन ने कप्तान के तौर पर अपने पहले ही मैच में 80 रन बनाए। इस पारी के साथ वह आईपीएल में कप्तान के तौर पर अपने पहले ही मैच में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गये हैं।

कप्तान स्टोक्स चोटिल कोने के कारण अगले दो माह तक खेल से बाहर हुए , गाल की हड्डी टूटी

लंदन ।इंग्लैंड की टेस्ट क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स अभ्यास सत्र के दौरान चोटिल होने के कारण अगले दो महीने के लिए खेल से बाहर हो गये हैं। स्टोक्स के गाल की हड्डी एक थ्रो लगने से टूट गयी है।ऐसे में अब वह दो माह बाद ही खेल के मैदान में वापसी कर सकेंगे।स्टोक्स की फरवरी में ही सर्जरी भी हुई थी।इसी कारण वह डरहम के लिए काउंटी सीजन के पहले महीने में उपलब्ध नहीं थे।डरहम अकादमी में स्टोक्स जब सर्जरी से उबरकर अभ्यास कर रहे थे तभी नेट्स में गेंद उनके चेहरे पर लग गयी।स्टोक्स इंग्लैंड लायंस की कोचिंग स्टाफ का हिस्सा थे।पाकिस्तान शाहीन्स के खिलाफ यूएई में व्हाइट-बॉल सीरीज में भी वह फिटनेस टेस्ट में असफल रहे थे।स्टोक्स डरहम की ओ से अगले सप्ताह केंट के खिलाफ सीजन ओपनर में खेलने वाले थे पर अब उनके सपनों पर पारी फिर गय है।टीम के मुख्य कोच ने कहा कि स्टोक्स शायद 8 मई से वॉर्सेस्टरशायर के खिलाफ पांचवें मैच से पहले नहीं खेल पाएंगे। वहीं डरहम के मुख्य कोच रयान कैंपबेल ने कहा कि इस प्रकार लगातार चोटिल होने से इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान के लिए मुश्किलें बढ़ सकती हैं।कैंपबेल ने कहा, 'यह घटना और भी खतरनाक हो सकती थी।अगर गेंद कुछ सेंटीमीटर अलग दिशा में लगती और उनकी आंख पर लग जाती, तो परिणाम क्या होता।इसका अंदाजा लगाया जा सकता है।राहत की बात ये रही कि वह बच गये हैं।'

धोनी के बाहर होने से मिल सकता है युवा कार्तिक को अवसर

गुवाहाटी।चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज महेन्द्र सिंह धोनी के शुरुआती मैचों से बाहर होने के कारण सोमवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ होने पहले मुकाबले में युवा बल्लेबाज कार्तिक शर्मा को अवसर दे सकती है। धोनी फिलहाल पिंडली की चोट से उबर रहे हैं और रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे हैं।ऐसे में वह शुरुआती मैचों से बाहर रहेंगे।कार्तिक को सीएसके ने नीलामी में 14.2 करोड़ रुपये में खरीदा है। वह आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे अनकैप्ड खिलाड़ियों में से एक बन गये हैं। सीएसके पिछले सत्र से ही इस खिलाड़ी को खरीदना चाहती थी। इसी कारण उसे हाई परफॉर्मेंस सेंटर में अभ्यास के लिए भेजा गया।कार्तिक मध्य क्रम में बल्लेबाजी करने के साथ विकेटकीपिंग भी करते हैं।ऐमें में टीम उन्हें भविष्य के लिए तैयार करना चाहेगी। कार्तिक ने घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया है।उन्होंने रणजी ट्रॉफी के पहले ही मैच में शतक लगाया था और इसके बाद लगातार अच्छा प्रदर्शन करते रहे। विजय हजारे ट्रॉफी 2024-25 में उन्होंने 445 रन बनाए और टीम की ओर से सबसे अधिक रन बनाये। वहीं सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में उन्होंने 11 पारियों में 334 रन बनाए और उनका स्ट्राइक रेट 162.92 रहा।कार्तिक भी धोनी की तरत मैच फिनिशर बनना चाहते हैं।

आईपीएल से हटने वालों के खिलाफ कड़े कदम उठाने की जरुरत : गावस्कर

मुम्बई ।भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है आईपीएल से हटने वाले खिलाड़ियों के खिलाफ केवल दो साल का प्रतिबंध ही काफी नहीं है।हससे भी अधिक सख्त कदम उठाने चाहिये जिससे कि कोई भी भविष्य में इस प्रकार से धोखा न करे।गावस्कर ने कहा कि जिस प्रकार से कई खिलाड़ी बहानेबाजी करते हैं उसे रोकने के लिए आईपीएल आयोजकों का कठोर नियम बनाने चाहिये। आईपीएल शुरु होने के ठीक पहले कुछ विदेशी खिलाड़ियों के अचानक वापस नाम लेने से टीमों की रणनीति बिखर गयी है।नाम वापस लेने वालों में इंग्लैंड के बेन डकेट और हैरी ब्रूक भी शामिल है। बीसीसीआई के नियमों के अनुसार अगर कोई खिलाड़ी नीलामी में बिकने के बाद टूर्नामेंट से नाम वापस लेता है तो उस पर 2 साल का प्रतिबंध लगता है पर गावस्कर का मानना है कि इससे अधिक अधिक कठोर कदमों की जरुरत है।गावस्कर ने कहा, ऊयह एक कठिन मामला है।डकेट की एशेज सीरीज बहुत अच्छी रही थी, और अगर उन्हें 'द हंड्रेड' की नीलामी में उतनी बड़ी रकम में नहीं खरीदा गया होता, तो वह आईपीएल खेल रहे होते।'द हंड्रेड' में अच्छी कीमत पर खरीदे जाने के बाद, वह आईपीएल को छोड़ने और यह कहने में काफी खुश थे कि वह अपने टेस्ट करियर पर ध्यान देना चाहते हैं।' उन्होंने साथ ही कहा, 'लेकिन हां, इस बारे में बीसीसी को भी सोचना चाहिए कि क्या किया जाना चाहिए, क्योंकि दो साल का प्रतिबंध साफ तौर पर काम नहीं कर रहा है।आपको कुछ ऐसा करना होगा जिसका असर हो।जब तक इसका खिलाड़ी पर और उसके आईपीएल में वापसी के अवसरों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा, तब तक यह नियम काम नहीं करेगा।ऊ डकेट के लीग से हटने के फैसले ने खिलाड़ियों की प्रतिबद्धता और लीग के नियमों पर सवाल उठने लगे हैं।

सैफ चैंपियनशिप 2026: बांग्लादेश से 1-1 से ड्रॉ खेलने के बावजूद ग्रुप में टॉप पर रहा भारत

माले (मालदीव) (एजेंसी)। भारतीय अंडर-20 पुरुष फुटबॉल टीम ने सैफ अंडर-20 चैंपियनशिप 2026 में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। टीम ने बांग्लादेश के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेला और ग्रुप बी में टॉप पर जगह बनाई।

मैच की शुरुआत दोनों टीमों ने संभलकर की। बांग्लादेश ने मैदान की चौड़ाई का इस्तेमाल कर भारतीय डिफेंस को तोड़ने की कोशिश की, लेकिन भारत का डिफेंस काफी मजबूत नजर आया। धीरे-धीरे भारत ने खेल पर पकड़ बना ली और सेट-पीस (कॉर्नर, फ्री-किक) से मौके बनाने शुरू किए।

भारत के लिए मैच में पहला गोल विष्णु यादव ने 17वें मिनट में किया। उन्होंने कॉर्नर किक पर शानदार हेडर लगाकर टीम को बढ़त दिलाई। यह इस टूर्नामेंट में उनका दूसरा

गोल था, हालांकि बांग्लादेश ने हार नहीं मानी और पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम में ही वापसी कर ली। बांग्लादेश के लिए मोहम्मद अब्दुल रियाद फहीम ने शानदार गोल करते हुए स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद भारत और बांग्लादेश के फॉरवर्ड खिलाड़ियों ने कई प्रयास किए, लेकिन दोनों टीमों का डिफेंस काफी मजबूत नजर आया।

पहले हाफ के अंत में एक फाउल के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ियों और स्टाफ के बीच जमकर बहस देखने को मिली। इस दौरान बांग्लादेश के कोच और भारत के गोलकीपिंग कोच को रेड कार्ड दिखाया गया।

दूसरे हाफ में भारत ने ज्यादा आक्रामक खेल दिखाया और कई मौके बनाए, लेकिन गोल नहीं कर सका। टीम ने जीत के लिए आखिर तक कोशिश की, लेकिन बांग्लादेश के डिफेंस ने शानदार प्रदर्शन किया। इस ड्रॉ के बावजूद भारत को कोई नुकसान नहीं हुआ, क्योंकि टीम पहले ही पाकिस्तान को 3-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना चुकी थी। बेहतर प्रदर्शन के चलते भारत ग्रुप में पहले, जबकि बांग्लादेश दूसरे स्थान पर रहा।

भारतीय टीम की अब सेमीफाइनल में भिड़ंत भूटान से होगी। वहीं, टूर्नामेंट के दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में बांग्लादेश का सामना नेपाल से होगा।

जापान ग्रांप्री : मर्सिडीज के 19 वर्षीय एंटोनेली ने लगातार दूसरी F1 रेस जीती

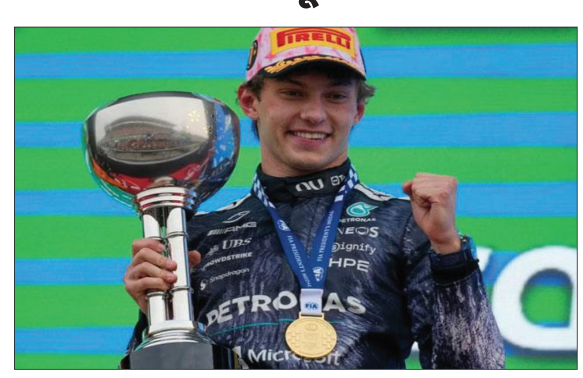

सुजुका ।मर्सिडीज के 19 वर्षीय ड्राइवर किमी एंटोनेली ने रविवार को जापानी ग्रांप्री में मैकलारेन के ऑस्कर पियास्त्री को पछाड़ते हुए लगातार दूसरी फॉर्मूला वन (स्न1) रेस जीत ली।इटली के एंटोनेली ने ऑस्ट्रेलिया के ड्राइवर को 13.7 सेकंड के अच्छे अंतर से पछाड़ा।फेरारी के चार्ल्स लेक्लेर्क तीसरे और मर्सिडीज के जॉर्ज रसेल चौथे स्थान पर रहे।मैकलारेन के लैंडो नॉरिस पांचवें और फेरारी के लुईस हैमिल्टन छठे स्थान पर रहे।एंटोनेली ने अपने करियर की पहली एफवन रेस दो सप्ताह पहले चीन में जीती थी और वह इतिहास के दूसरे सबसे कम उम्र के विजेता हैं।सबसे कम उम्र के विजेता का रिकॉर्ड मैक्स वेरस्टैपेन के नाम है।उन्होंने 2016 में 18 साल की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी।एंटोनेली ने चीन में भी पोल पोजीशन (शीर्ष स्थान से रेस शुरू करने का अधिकार) से जीत दर्ज की थी।तीन रेस में एंटोनेली के 72 अंक हैं।वह अब सत्र की ड्राइवर की तालिका में शीर्ष पर पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए हैं। एंटोनेली ने कहा, 'चैंपियनशिप के बारे में सोचना अभी जल्दबाजी होगी, लेकिन हम अच्छी स्थिति में हैं।' उन्होंने कहा कि इस जीत के बावजूद उन्हें अपनी शुरुआत को बेहतर करने पर ध्यान देना होगा।इस युवा ड्राइवर ने कहा, 'मेरी शुरुआत खराब रही, मुझे बस यह देखना होगा कि क्या गलत हुआ।मुझे इसमें सुधार करना होगा क्योंकि इससे रेस में जीत या हार का बहुत बड़ा फर्क पड़ता है।'

विराट में अब भी किसी युवा बल्लेबाज जैसी रनों की भूख देखकर होती है हैरानी: अश्विन

बेंगलुरु (एजेंसी)। दिग्गज स्पिनर आर अश्विन ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की आईपीएल 2026 के पहले ही मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेली पारी की जमकर प्रशंसा की है। विराट इस मैच में पारी की शुरुआत से लेकर जीत का टिके रहे। इसी को लेकर अश्विन ने कहा है कि उनके अंदर आज भी रनों की पहले जैसी ही भूख है जो मुख्य रुप से युवा बल्लेबाजों में होती है।

अश्विन ने कहा, मुझे इस उम्र में वह काफी अजीब लगता है। मैं कभी-कभी हमारी बातचीत के दौरान उसे यह बताता हूं। वह 40 के आस-पास बल्लेबाज कर रहा था, एक साझेदारी चल रही थी और आरसीबी आराम से आगे बढ़ रही थी। वह पहला एक रन लेने के लिए दौड़ा, वहीं रुक गया जबकि दूसरा बल्लेबा अभी आधा भी नहीं पहुंचा था पर विराट पहले से ही दूसरा एक रन लेने का प्रयास कर रहा था। वह लेग साइड पर 57 मीटर की बाउंड्री थी और यह दिखाता है कि वह अभी भी गेम में कितना उत्साह लाता है।

अश्विन ने साथ ही कहा, वह जो कहता है, वही करता है। ऐसा लगता है जैसे वह लोगों को यह बताने के लिए एक शो कर रहा हो कि गेम कैसे खेलना चाहिए, इसे मेहनत से खेलना चाहिए और इसे वैसे ही खेलना चाहिए जैसा इसे खेला जाना चाहिए। विराट ने जो किया, उसके बारे में यह बात मेरे लिए सबसे अलग थी और अगर आससीबी इसी तरह बल्लेबाी करने वाली है, तो विराट को बस पूरे 20 ओवर खेलने की जरूरत है। विराट मैदाने पर टिके रहें तो रन आते रहेंगे।

अब लीवरपूल को छोड़ रहे सालाह

लंदन ।स्टार फुटबॉलर मोहम्मद सालाह लंबे समय के साथ के बाद अब इंग्लैड के लीवरपूल क्लब को छोड़ रहे हैं।सालाह ने कहा कि ये उनका लिवरपूल एफसी के साथ अंतिम सत्र है। वह अगले सत्र में अब किसी नई टीम से खेलेंगे। सालाह ने सोशल मीडिया पर जारी एक वीडियो में कहा है कि लीवरपूल के साथ उनका समय पूरा हो गया है। इस खिलाड़ी ने कहा कि अब मेरी विदायी का समय है। मैं क्लब में बिताये समय को हमेशा याद रखूंगा।सालाह का अप्रैल 2025 में क्लब के साथ दो साल का अनुबंध हुआ था, वहीं क्लब की ओर कहा गया है कि उन दोनो के बीच सब कुछ तय हो गया है।इससे अब वह फ्री ट्रांसफर पर जा सकते हैं। सालाह ने क्लब की ओर से 34 मैचों में 10 गोल किए हैं। ये साल 2017 में क्लब में आने के बाद से उनके सत्र के सबसे कम गोल हैं।पिछले कुछ समय में मैदान के बाहर की परेशानियों से वह जूझते रहे हैं।दिसंबर में लीड्स के साथ 3-3 के ड्रॉ के बाद सालाह ने कहा कि क्लब ने उन्हें बाहर करने का प्रयास किया था।साथ ही कहा था कि मुख्य कोच आर्नेट स्लॉट के साथ भी उनके संबंध खराब हो गये थे।था।उनके इसी साल जनवरी में क्लब से बाहर होने की संभावनाएं थीं पर अफ्रीका कप ऑफ नेशंस में शामिल होने के बाद उनको टीम में जगह मिल गयी।अब देखना होगा कि वह अगला सत्र किस टीम से खेलते हैं।

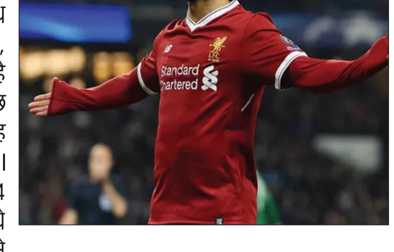

हमारा लक्ष्य खिताब फिर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर खिताब जीतना है : पाटीदार

-विराट अपने खेल के शिखर पर

बेंगलुरु (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार ने सत्र के पहले ही मैच में जीत पर खुशी जताते हुए कहा है कि हम खिताब बचाने की मानसिकता के साथ नहीं उतरे हैं। पाटीदार के अनुसार आरसीबी लगातार सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर फिर से खिताब जीतना चाहती है। आरसीबी ने अपने पहले ही मैच में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएत) को छह विकेट से हराय है जिससे उसके हौंसले बलंद हैं। पाटीदार ने कहा कि वह टीम के अभियान को खिताब की जगह खिताब हासिल करने वाला मानते हैं।

उन्होंने कहा, हम इस मानसिकता के साथ नहीं खेल रहे हैं कि कुछ बचाना है। हमने 2025 में जो किया, वह बीती बात थी। अब हम इस बार फिर खिताब जीतने के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। आरसीबी की जीत में अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के अलावा देवदत्त पडिक्कल और जैकब डफी के अच्छे प्रदर्शन की अहम भूमिका रही है। इसी को लेकर पाटीदार ने कहा, लक्ष्य का पीछा करने में कोहली शीर्ष पर हैं। मुझे हमेशा से ही उनकी बल्लेबाजी पसंद रही है और डगआउट से उन्हें खेलते देखना बहुत शानदार रहता है।

उन्होंने कहा, कोच एंडी फ्लावर और मुझे भी लगता है कि वह अपने खेल के सबसे उच्च स्तर पर हैं। उनकी पारी की प्रशंसा के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं। वह मेरे आदर्श हैं और मैंने उन्हें नेट्स पर उसी ऊर्जा और तत्परता के साथ खेलते देखा है। मैं उन्हें नेट्स पर बल्लेबाजी करते देखकर बहुत कुछ सीख रहा हूं। वहीं मैच में तीन विकेट लेकर सनराइजर्स पर अंकुश लगाने वाले डफी को लेकर उन्होंने कहा, वह टी20 का विशेषज्ञ गेंदबाज है और हमें उस पर काफी भरोसा है। जिस तरह से वह खेल रहा है, जबर्दस्त है।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने शुरू की तुम्बाड 2 की शूटिंग

सोशल मीडिया पर नवाजुद्दीन सिद्दीकी, निर्माता और अभिनेता सोहम शाह को मुंबई की एक खास जगह पर साथ देखा गया। दोनों अपनी अपकमिंग फिल्म की शूटिंग के लिए साथ आए है। यह एक हॉरर फिल्म है, जिसे लेकर नवाजुद्दीन सिद्दीकी के फैंस काफी एक्साइटेड हैं। जानिए, फिल्म में नवाजुद्दीन किस तरह का किरदार करेंगे और कहां पर इसकी शूटिंग हो रही है।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी, निर्माता और अभिनेता सोहम शाह को मुंबई के मड आइलैंड में देखा गया। इस दौरान अपने फिल्म क्रू के साथ दिखाई दिए। सोहम शाह, नवाजुद्दीन सिद्दीकी से बातचीत करते थे। यह दोनों फिल्म 'तुम्बाड 2' की शूटिंग शुरू कर चुके हैं। बता दें कि 2018 में रिलीज हुई हॉरर, थ्रिलर फिल्म 'तुम्बाड़' का यह सीक्वल है। 'तुम्बाड 2' का दर्शक काफी वक्त से इंतजार कर रहे हैं। अब इस फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है। नवाजुद्दीन के किरदार की जहां तक बात है तो उनके किरदार का नाम पांडुरंग होगा। फिल्म भी इमोशनल और साइकोलॉजिकल है। इसमें नवाज के किरदार में कई परतें होंगी। कहानी को लेकर भी मेकर्स का कहना है कि यह पिछली फिल्म से ज्यादा डरावनी होगी। 'तुम्बाड' की बात करें तो साल 2018 में रिलीज हुई इस डार्क फैंटेसी-हॉरर फिल्म में लालच के दुष्परिणामों को दिखाया गया था। फिल्म की कहानी 20वीं सदी की शुरुआत के एक छोटे से गांव तुम्बाड में सेट है। इसमें मुख्य भूमिका में विनायक राव और 'हस्तर' नाम का एक श्रापित देवता है। फिल्म काफी डरावनी थी और दर्शकों को काफी पसंद आई थी।

अलाया एफ ने होंठ और नाक की सर्जरी की अफवाहों पर दी प्रतिक्रिया

अलाया एफ सोशल मीडिया पर बहुत एक्टिव रहती हैं और अपनी फिटनेस व ब्यूटी टिप्स अक्सर शेयर करती रहती हैं। अलाया ने हाल ही में मुंबई के एक फैशन शो में रैंप वॉक किया था। इस शो के दौरान उनके लुक्स को लेकर सोशल मीडिया पर कई तरह की अफवाहें आईं। जिस पर अब आलिया ने अपनी प्रतिक्रिया दी है।

लुक्स को लेकर ट्रोल हुईं अलाया

हाल ही में मुंबई के एक फैशन वीक में रैंप वॉक करने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने कहा कि अलाया ने अपनी नाक और होंठ की सर्जरी करवा ली है। इस पर अलाया ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर वीडियो पोस्ट करके जवाब दिया। वीडियो में अलाया ने अपने चेहरे को जूम करके कहा, 'दोस्तों, कमेंट्स में बहुत लोग कह रहे हैं कि मैंने नाक और होंठ की सर्जरी करवाई है। मैं वादा करती हूं, मैंने कुछ भी नहीं करवाया है।'

मालिश का है कमाल

अलाया ने आगे कहा, 'अगर मैंने सर्जरी करवाई होती तो मैं खुशी-खुशी आपको बता देती। मैं ऐसी नहीं हूं जो बात छुपाऊं या झूठ बोलूं। देखो, नाक वही है, होंठ भी वही हैं। बस रोशनी का फर्क है। अच्छी आदतें, ज्यादा पानी पीना और चेहरे की मालिश से चेहरा अच्छा लग रहा होगा। लेकिन सर्जरी बिल्कुल नहीं हुई है।'

अलाया एफ का करियर

अलाया ने फिल्म 'जवानी जानमन' से डेब्यू किया था। उसके बाद उन्होंने 'फ्रेडी', 'ऑलवेज प्यार विद डीजे मोहब्बत' और 'यू-टर्न' जैसी फिल्मों में काम किया। इसके अलावा वह फिल्म 'श्रीकांत' और 'बड़े मियां छोटे मियां' में भी नजर आई थीं। वह पूजा बेदी और फरहान फर्नीचरवाला की बेटी हैं।

'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल में हुई कमल हासन की एंट्री

'कल्कि 2' की शूटिंग को लेकर लगातार सोशल मीडिया पर जानकारी आ रही है। हाल ही में अमिताभ बच्चन ने 'कल्कि 2' की शूटिंग पूरी की है। 'कल्कि 2' में एक और अभिनेता की एंट्री होने की जानकारी सामने आई है, जो साउथ से हैं।

हाल ही में अमिताभ बच्चन ने 'कल्कि 2' के सेट से कुछ तस्वीरें शेयर की थीं। इनमें वह अपने किरदार अश्वत्थामा के लुक में नजर आ रहे हैं और कमल हासन के साथ गले लगते हुए भी दिख रहे हैं। दोनों ने आखिरी बार 1985 में फिल्म 'गिरफ्तार' में साथ काम किया था। बिग बी ने 40 साल बाद फिर से कमल के साथ काम करने की उन्होंने खुशी जताई।

साउथ अभिनेता की हुई एंट्री

123 तेलुगु की खबर के अनुसार, दुलकर सलमान और जेडी चक्रवर्ती भी 'कल्कि 2' में नजर आएंगे। यह दोनों इन दिनों हैदराबाद में 'कल्कि 2' की शूटिंग कर रहे हैं। प्रभास बाद में इस शूटिंग में जुड़ेंगे। निर्माता जल्द ही 'कल्कि 2' को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा कर सकते हैं।

'कल्कि 2' के बारे में

'कल्कि 2' का निर्देशन नाग अश्विन कर रहे हैं। यह फिल्म हिंदू धर्मग्रंथों से प्रेरित पौराणिक साइंस फिक्शन पर आधारित है। पहले भाग में प्रभास, दीपिका पादुकोण, अमिताभ बच्चन, कमल हासन और दिशा पाटनी ने काम किया था। यह 'कल्कि' सिनेमाई ब्रह्मांड की शुरुआत थी, जो 2898 ईस्वी में काशी शहर की कहानी बताती है।

करण जौहर के शो का हिस्सा नहीं हैं नेहा धूपिया

करण जौहर द्वारा होस्ट किए जाने वाले रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स' के दूसरे सीजन की घोषणा हो चुकी है। इसके बाद से ही लगातार दूसरे सीजन के कंटेस्टेंट को लेकर तमाम तरह की चर्चाएं चल रही हैं। इसमें कई सेलेब्स के नाम सामने आ रहे हैं। अभिनेत्री नेहा धूपिया के भी 'द ट्रेटर्स' के दूसरे सीजन में कंटेस्टेंट के तौर पर नजर आने की चर्चाएं थीं। अब अभिनेत्री ने खुद इन चर्चाओं पर प्रतिक्रिया दी है और सच्चाई बताई है। 'द ट्रेटर्स' के दूसरे सीजन में बतौर कंटेस्टेंट अपने नाम को लेकर चल रही अफवाहों पर नेहा धूपिया ने विराम लगा दिया है। नेहा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा करके इस मामले को स्पष्ट किया। उन्होंने लिखा, 'न तो मैं 'ट्रेटर' हूं और न ही 'इन्नोसेंट'। मैं बस डबल डेट पर जाने में व्यस्त हूं। जल्द आ रहा है।' अपनी पोस्ट के जरिए नेहा ने न सिर्फ करण जौहर के शो का हिस्सा होने से इनकार किया, बल्कि एक आगामी प्रोजेक्ट की ओर भी इशारा किया। हालांकि, उन्होंने इसके बारे में और कोई जानकारी नहीं दी। लेकिन उनकी पोस्ट ने प्रशंसकों के बीच उत्सुकता जगा दी है।

रणबीर के साथ काम करना चाहते हैं मोहित सूरी

पिछले काफी दिनों से ऐसी खबरें चल रही हैं कि रणबीर कपूर 'सैयारा' फेम निर्देशक मोहित सूरी की अगली फिल्म में नजर आएंगे। अब खुद मोहित सूरी ने इन खबरों पर प्रतिक्रिया दी है। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि रणबीर उनकी अगली फिल्म का हिस्सा होंगे या नहीं।

बातचीत के दौरान मोहित सूरी ने रणबीर कपूर की तारीफ करते हुए उन्हें एक महान स्टार बताया। इसी दौरान मोहित ने ये भी स्पष्ट किया रणबीर कपूर उनकी अगली फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। उन्होंने कहा कि रणबीर कपूर मेरी अगली फिल्म में नहीं हैं मैं सचमुच उनके साथ काम करना चाहता हूं और मुझे उम्मीद है कि वह भी मेरे बारे में ऐसा ही सोचते हैं। मैं उनसे मिलने गया था और साथ में काम करने का इरादा रखता हूं। इस बीच खबरें आ रही हैं कि हम पहले से ही एक फिल्म साथ में कर रहे हैं। रणबीर और मैं एक दूसरे को जानते हैं क्योंकि वह मेरे करियर की शुरुआत से ही मुझे फॉलो कर रहे हैं।

काश मेरी फिल्म के हीरो होते रणबीर

निर्देशक ने आगे रणबीर की तारीफ करते हुए कहा कि वह उन गिने-चुने अभिनेताओं में से एक हैं और इतने बड़े स्टार हैं, जो 'आवारापन' जैसी फिल्म की सराहना करते हैं। भले ही वह रिलीज के समय फ्लॉप हो गई थी। वह मुझे अक्सर कहते हैं कि यह मेरी बेहतरीन फिल्मों में से एक है। आमतौर पर अभिनेता आपसे आपकी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म के बारे में बात करते हैं और कहते हैं कि वही आपकी सबसे अच्छी फिल्म है। जबकि रणबीर मेरी एक फ्लॉप फिल्म के बारे में बात कर रहे हैं। रणबीर में वो सब खूबियां हैं जो मैं अपनी फिल्म के हीरो में चाहता हूं। उनमें वो गहराई और बारीकियां हैं जो मेरी तरह की फिल्मों के लिए जरूरी हैं। फिलहाल मेरी फिल्म में रणबीर कपूर नहीं हैं। काश होते। रणबीर कपूर की आगामी फिल्मों की बात करें तो उनकी पाइपलाइन में 'रामायण' और 'लव एंड वॉर' जैसी दो बड़े बजट की फिल्में हैं। नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित 'रामायण' इस साल दिवाली के मौके पर रिलीज होगी। इस फिल्म में रणबीर भगवान राम के किरदार में नजर आएंगे। जबकि साई पल्लवी सीता, सनी देओल हनुमान और रवि दुबे लक्ष्मण के किरदार में दिखाई देंगे।

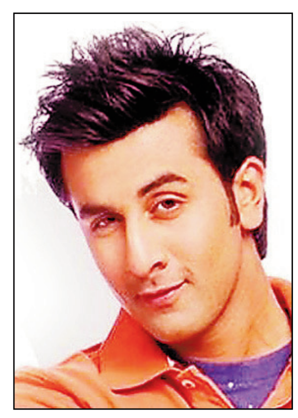

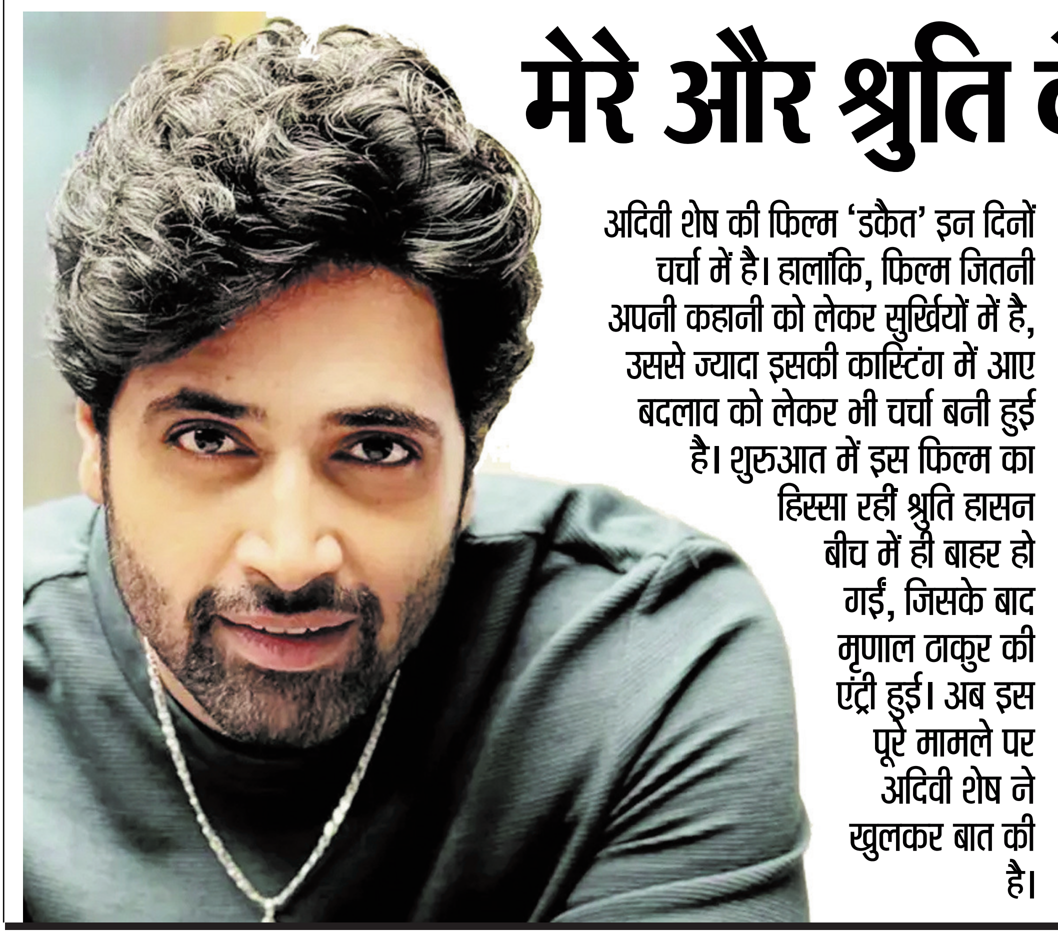

मेरे और श्रुति के बीच कोई खटास नहीं

अदिवी शेष की फिल्म 'डकैत' इन दिनों चर्चा में है। हालांकि, फिल्म जितनी अपनी कहानी को लेकर सुर्खियों में है, उससे ज्यादा इसकी कास्टिंग में आए बदलाव को लेकर भी चर्चा बनी हुई है। शुरुआत में इस फिल्म का हिस्सा रहीं श्रुति हासन बीच में ही बाहर हो गईं, जिसके बाद मृणाल ठाकुर की एंट्री हुई। अब इस पूरे मामले पर अदिवी शेष ने खुलकर बात की है।

श्रुति हासन के फिल्म छोड़ने पर अदिवी शेष कहते हैं, 'सच कहूं तो यह काम करने के तरीके का फर्क था। हर एक्टर का अपना वर्किंग स्टाइल होता है और कभी कभी वह आपस में मैच नहीं करता। अगर क्लैश हो जाए तो काम करने में मजा नहीं आता और उसका असर फिल्म के फाइनल आउटपुट पर भी दिख सकता है।'

श्रुति के पास तब कई बड़ी फिल्में थीं

वह आगे बताते हैं, 'मेरा शूटिंग स्टाइल थोड़ा स्लो है। मैं जल्दी जल्दी शूट नहीं करता, बल्कि समय लेकर काम करना पसंद करता हूं। वहीं श्रुति के पास उस वक्त बड़ी फिल्मों की डेट्स थीं, जिनमें रजनीकांत सर की फिल्म भी शामिल थी। ऐसे में उनके लिए हमारी फिल्म को उतना समय देना मुश्किल हो रहा था। मुझे लगा कि मैं उन्हें ज्यादा परेशानी में डाल रहा हूं और अगर मैं अपने वर्किंग पैटर्न में बदलाव करता तो फिल्म पर असर पड़ता। इसलिए हमने आपसी समझ से अलग होने का फैसला लिया। सब कुछ अच्छे नोट पर हुआ, कोई विवाद नहीं था। मैं उन्हें हमेशा बेस्ट विश करता हूं।'

एक्ट्रेस के जाने से डर नहीं लगता, काम पर भरोसा है

एक्ट्रेस के अचानक बाहर होने पर अदिवी शेष कहते हैं, 'मैं इस मामले में ज्यादा घबराता नहीं हूं। मेरे लिए फिल्म से ज्यादा अहम वह कला है जिसके पीछे हम काम कर रहे हैं। अगर हम ईमानदारी से मेहनत करें और अपने काम के साथ न्याय करें, तो बाकी चीजें अपने आप संभल जाती हैं।'

मृणाल ठाकुर की एंट्री पर अदिवी शेष बताते हैं, 'श्रुति के जाने के बाद हमने मृणाल को फिल्म सुनाई। सुबह 10 बजे हमने उन्हें पिच किया और दोपहर 1 बजे तक उन्होंने हाँ कह दी। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ था। आमतौर पर जवाब आने में हफ्ते या महीने लग जाते हैं, लेकिन उन्होंने तुरंत दिल से कहा कि उन्हें फिल्म बहुत पसंद आई।' वह कहते हैं, 'मृणाल बहुत खूबसूरत, टैलेंटेड और बेहद डाउन टू अर्थ हैं। उनसे बात करना बहुत आसान है, वो बहुत स्वीट हैं। मैं कहूंगा कि फिल्म में वो इसकी सोल हैं, जबकि मैं गुस्सा और फ्यूरी वाला हिस्सा हूं।'

अनुराग कश्यप के साथ बेहतरीन रहा अनुभव

अनुराग कश्यप के साथ काम करने के अनुभव पर अदिवी शेष कहते हैं, 'हमें एक बहुत अच्छा एक्टर और शानदार क्राफ्ट्समैन मिला। साथ ही ऐसा लगा जैसे इंडिया के बेस्ट डायलॉग राइटर हमें बोनस में मिल गए। उनकी हिंदी बहुत अच्छी है और उन्होंने जिस सादगी के साथ काम किया, वो कमाल का था। जब हम स्क्रीन पर उन्हें देखते हैं तो वो काफी सख्त और रिबेल लगते हैं, लेकिन असल जिंदगी में वो बहुत ही सिंपल इंसान हैं। जब मैं पहली बार उनके घर गया और कहानी डिस्कस की, तो मैं सरप्राइज हो गया।'

पहाड़ों की रानी है 'मसूरी'

पर्यटन स्थल मसूरी अन्य हिल स्टेशनों से भिन्न है क्योंकि यहां एक ओर बर्फ की सफेद चादर ओढ़े भव्य हिमालय प्रहरी की तरह खड़ा है तो दूसरी ओर मैदानों में शीतलता का संचार करती हुई गंगा मंथर गति से बह रही है। मसूरी समुद्र तल से लगभग 6,500 फुट ऊंचाई पर स्थित है। पहाड़ों की रानी मसूरी के नजारों में जरूर कुछ बात है तभी तो यहां हर साल लाखों की संख्या में पर्यटक आते हैं खासकर हनीमून मनाने जाने वाले लोगों के लिए तो यह पसंदीदा जगह है। गनहिल मसूरी की दूसरे नंबर की सर्वाधिक ऊंची चोटी है। पुराने दिनों में समय का पता लगाने के लिए दोपहर को ठीक बारह बजे इस पहाड़ी पर रखी तोप दागी जाती थी। कुछ समय के बाद तोप हटा ली गई, तब से इसका नाम गनहिल पड़ गया। रोपवे से गनहिल पहुंचने का मजा सचमुच रोमांचक है। गनहिल में जहां एक ओर विशाल हिमालय की दूरलदूर तक फैली सफेद झिलमिलाती चोटियां दिखाई पड़ती हैं वहीं दूसरी ओर दून घाटी की बिखरी पड़ी अद्भुत सुंदरता का नजारा देखने को मिलता है। कैमल्स बैक रोड़ भी देखने योग्य जगह है। यह सड़क घुड़सवारी व सैर करने के लिए बहुत अच्छी है। कैमल्स बैक का यह रास्ता कुलरी स्थित रिंक हाल से शुरू होकर लाइब्रेरी बाजार प र खत्म होता है। इस रास्ते पर पहाड़ी का आकार कुछलकुछ ऊंट की पीठ की भांति दिखाई देता है। इसलिए इस सड़क का नाम कैमल्स रोड़ पड़ गया। यहां की खास बात यह है कि पूरे रास्ते में जगहलजगह पर थकान मिटाने तथा प्राकृतिक दृश्यों का आनंद लेने के लिए हवा घर बने हुए हैं। लंढोर बाजार मसूरी के सर्वप्रथम निर्मित 'मुलिंगार भवन' से शुरू होकर लंढोर के घंटाघर पर खत्म होता है। एक मील लंबा यह बाजार पुराने समय की शान लिए हुए है। इस बाजार में कहीं तो आयातित सामान की दुकानें दिखाई देती हैं तो कहीं विशुद्ध भारतीय सभ्यता की गाथा कहती साधारण दुकानें हैं।

आप लाल टिब्बा भी देखने जा सकते हैं। यह मसूरी की सर्वाधिक ऊंची चोटी है। आप यहां से दूरबीन की मदद से गंगोत्तरी, बदरीनाथ, केदारनाथ, नंदा देवी और श्रीकांता की चोटियों का विहंगम दृश्य देख सकते हैं। मसूरी से लगभग पंद्रह किलोमीटर दूर चकराता रोड़ पर स्थित कैंपटी फाल मसूरी का एक और सुंदर स्थल है। पर्वतों में से फूट कर निकलता हुआ यह झरना पांच अलगलअलग धाराओं में चालीस फुट ऊंचाई से गिरता हुआ दिखाई पड़ता है। आप नौकायान करना चाहें तो लेकमिस्ट देखने जा सकते हैं। इस स्थान को आधुनिक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया गया है। मसूरी का म्यूनिसिपल गार्डन भी देखने योग्य है। यह गार्डन आजादी से पहले बोटोनिकल गार्डन कहलाता था। आजकल इसे कंपनी गार्डन भी कहा जाता है। कंपनी गार्डन में मुस्कुराते फूलों के अलावा एक छोटी सी कृत्रिम झील भी बनाई गई है। यहां पर निकट में ही एक छोटा सा तिब्बती बाजार भी है। इन सब स्थानों के अलावा आप मसूरी झील और भट्टा फाल तथा क्लाउड ऐंड भी देख सकते हैं। मसूरी के निकटवर्ती स्थलों की बात की जाए तो यमुना ब्रिज और नाग टिब्बा सहित धनोल्टी का नाम लिया जा सकता है। मसूरी तक जाने के लिए निकटतम रेलवे स्टेशन देहरादून है। देहरादून दिल्ली, हावड़ा, लखनऊ, वाराणसी, मुंबई, अमृतसर और इलाहाबाद आदि से रेल मार्ग से जुड़ा हुआ है। देहरादून से मसूरी तक जाने के लिए टैक्सियां भी आसानी से मिल जाती हैं। यदि आप गर्मी से राहत पाने के लिए मसूरी जाना चाहते हैं तो अप्रैल से जून के बीच मसूरी जाएं। जुलाई से सितंबर तक यहां बरसात का आनंद लिया जा सकता है। यदि वहां घूमनेलफिरने जाना चाहते हैं तो इसके लिए उत्तम समय अक्टूबर से दिसम्बर के बीच का है। यहां जनवरी से फरवरी के बीच में हिमपात होता है।

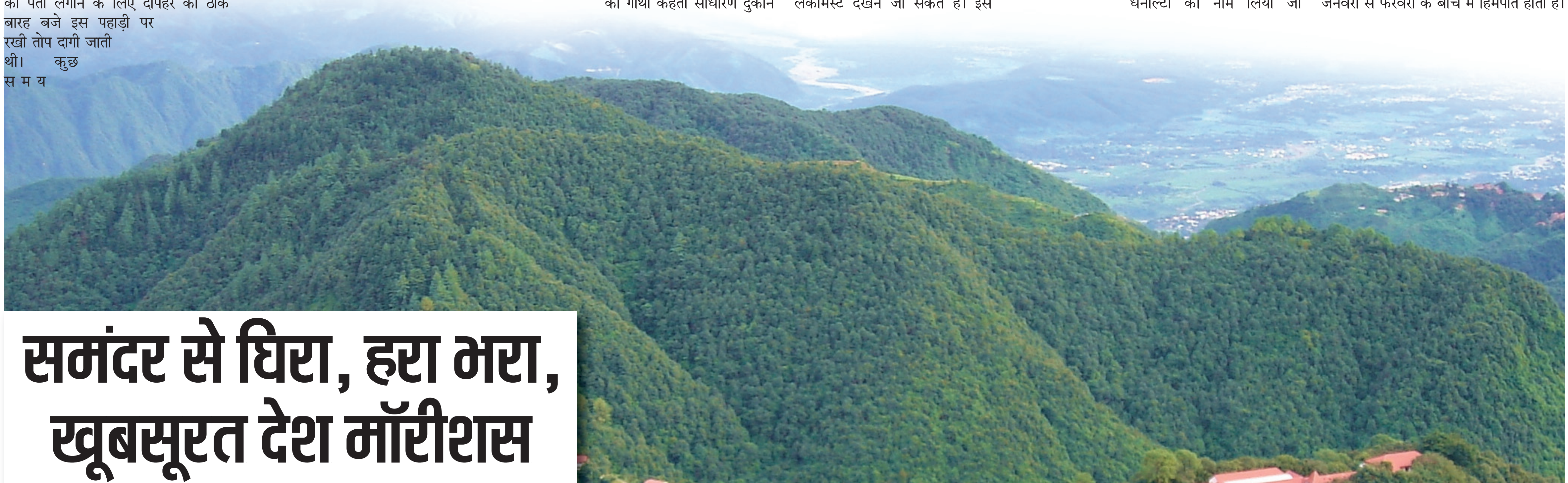

समंदर से घिरा, हरा भरा, खूबसूरत देश मॉरीशस

मोती के समान सुंदर तथा सफेद मारीशस के चारों तरफ 100 मील का समुद्री तट और मीलों तक फैली रूपहली रेत ही इसका मुख्य आकर्षण हैं। दक्षिणी अफ्रीका के पास स्थित मारीशस द्वीप पर पहले ज्वालामुखी पर्वत थे जिनसे लावा बहता रहता था या बंजर और पथरीली भूमि थी। 1598 में डचों ने मारीशस पर सबसे पहले कब्जा किया और वे तकरीबन 120 वर्षों तक यहां रहे जिसके प्रमाण आज भी यहां मिलते हैं। 1710 में डच मारीशस छोड़ कर चले गए। इसके पांच वर्ष बाद यहां फ्रेंच आए और वह 95 वर्षों तक यहां रहे। इसके बाद फ्रांसीसियों ने इस द्वीप को अंग्रेजों के हाथों बेच दिया। अंग्रेजों ने इस द्वीप को उपजाऊ और हराभरा बनाने के लिए बहुत मेहनत की। उन्होंने भारत से बिहारी मजदूरों को परिवार सहित यहां लाकर खेती के काम में लगाया। मारीशस में गन्ने की लहलहाती खेती बिहारी मजदूरों की मेहनत का ही परिणाम है। 17वीं और 18वीं सदी में आए मजदूरों की पीढ़ियों ने हिंदू धर्म, भाषा, पहनावा तथा रहनलसहन भारतीय परंपरा के अनुसार ही रखा। मारीशस में वैसे अब नई पीढ़ी आधुनिक पोशाक जींस वगैरह पहनने लगी है लेकिन गांवों में आज भी बड़ेलबूढ़े साड़ी और कुर्तालधोती को ही महत्व देते हैं। स्कूलों में भोजपुरी वर्नाकुलर के रूप में अनिवार्य है। यहां की बोलचाल की भाषा क्रेओल है जो फ्रेंच, अंग्रेजी और भोजपुरी भाषा के मिश्रण से बनी है। मारीशस को 1968 में अंग्रेजी शासन से पूर्ण आजादी मिली। मारीशस की जलवायु समशीतोष्ण है। यहां मई से अक्टूबर तक सर्दियों का मौसम रहता है लेकिन तापमान 12 डिग्री सेल्सियस से कम नहीं जाता है। नवंबर से अप्रैल तक गर्मी के मौसम में तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से अधिक नहीं होता है। चूंकि मारीशस चारों ओर समुद्र से घिरा है इसलिए यहां का मौसम वर्ष भर सुहावना बना रहता है। यहां गर्मी में 14 घंटे का और सर्दी में 12 घंटे का दिन होता है। यहां बरसात वर्ष भर होती रहती है। मारीशस में लिली और ताड़ के वृक्षों की शोभा देखते ही बनती है। पांपलेमस में रायल बोटेनिकल गार्डन यहां का सबसे सुंदर गार्डन है। मारीशस की राजधानी पोर्टलुई यहां का सबसे बड़ा शहर एवं बंदरगाह है। यहां की चौड़ी, साफलसुथरी सड़कें तथा यातायात व्यवस्था सैलानियों का मन मोह लेती हैं। पोर्टलुई में बड़ेलबड़े अतिआधुनिक होटल एवं रेस्तरां हैं, जहां अंग्रेजी, चीनी व भारतीय भोजन आसानी से सुलभ है। मारीशस में खानेलपीने की हर चीज बहुत महंगी हैं क्योंकि यहां घी, दूध, मक्खन, सब्जियां, अनाज, कपड़े आदि सब कुछ विदेशों से आयात किया जाता है। यहां ज्यादातर खाने की वस्तुएं दक्षिण अफ्रीका से तथा कपड़े व गहने भारत, जापान और कोरिया से आयात किए जाते हैं। समुद्री खेलों के शौकीन खिलाड़ियों के लिए मारीशस सबसे उपयुक्त जगह है क्योंकि वर्ष भर यहां का मौसम खेलों के लिए बेहतर बना रहता है। आजकल समुद्री खेलों को और अधिक लोकप्रिय व सुविधाजनक बनाने के लिए मारीशस सरकार इस ओर विशेष ध्यान भी दे रही है। मारीशस जाने वाले सैलानी यहां की महिलाओं के हाथ के बने शंख, समुद्री सीप और मोती की मालाएं और हस्तकला की अनेक वस्तुओं को बड़े चाव से खरीदते हैं। तो आप भी जब यहां जाएं तो इन्हें खरीदना नहीं भूलें।

पहाड़ी मदिकेरी में बनाइए अपनी को यादगार

मदिकेरी की खूबसूरती में एक सदगी हैं। इसे भगवान का आशीर्वाद हासिल है। प्रदूषण से मुक्त यहां का शांत माहौल सभी को अच्छा लगता है। अपनी छुट्टियों को यादगार बनाना चाहते हैं, तो मदिकेरी से बेहतर कुछ नहीं। लकड़ियों के ढलान, गांव, रंग-बिरंगे दृश्य और प्राकृतिक छटा पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती है। मदिकेरी को कुर्ग का जिला मुख्यालय कहा जाता है जो 1525 मीटर की ऊंचाई पर है। इस शहर में ज्यादातर बंगले लाल रंग के पत्थर के हैं। यही इस शहर की खासियत है। मदिकेरी को भारत का स्कॉटलैंड भी कहा जाता है जिसकी मृदु राजा ने 1681 में तलाश की थी। मृदुराजाकेरी के नाम पर ही इस शहर का नाम मदिकेरी रखा गया। कावेरी नदी शहर से 44 किलोमीटर की दूरी पर बहती हैं। कर्नाटक में मदिकेरी से आठ किलोमीटर दूर है- ऐबे फॉल व अब्बी फॉल। यह वाटरफॉल कॉफी के बागान, मसालों के बागान और हरे पेड़-पौधे के बीच है जहां से कई धाराएं पहाड़ों से गिरती हुई कावेरी नदी मे जाकर मिलती हैं। यह वाटर फॉल अचानक ही बनता हैं। चट्टानों से यह वाटरफॉल तेजी से गिरता हुआ शांत पूल में मिलता है। इस के गिरने की गर्जन सड़क से ही सुनी जा सकती है। मानसून के दौरान इस वाटरफॉल की धारा बहुत ऊंची हो जाती हैं मगर गर्मी के दिनों में यह कम हो जाती हैं। इस वाटरफॉल की सुंदरता देखने के लिए सर्दियों की शुरूआत होते ही आपको जाना होगा ताकि मानसून के पानी से बने इस वाटरफॉल की सुदंरता को आप खो न दें। राजा सीट एक छोटा सा मंडप है जिसके चारों तरफ बगीचा है। यहां से नीचे घाटी की हरियाली देखते बनती है। अद्भुत सूर्यास्त और नीले पहाड़ का खूबसूरत दृश्य देखकर एक पल के लिए तो सांसें रूक जाती हैं। मदिकेरी किले का निर्माण राजा मृदुराजा ने 17वीं शताब्दी में करवाया था। इस किले के अंदर एक पैलेस भी बनवाया था। टीपू सुल्तान ने इस महल को दोबारा ग्रेनाइट से बनवाया। इसे

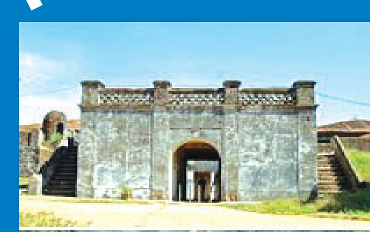

जाफराबाद नाम दिया गया। 1790 में यह किला डोडावीरा राजेन्द्र के कब्जे में चली गई। मदिकेरी को ओककारेश्वर मंदिर का निर्माण 1820 में लिंग राजेन्द्र ने करवाया था। यह मदिकेरी शहर के दिल से सिर्फ एक किलोमीटर दूर है। वास्तुकला की बात करें, तो यहां दो तरह की वास्तुकला देखने को मिलती हैं पहली इस्लामिक और दूसरी गोथिक। इस मंदिर के मुख्या देवता शिवलिंग के रूप में विराजमान हैं। कहते हैं कि लिंगराजेन्द्र ने ब्रह्महत्या से मुक्ति पाने के लिए इस मंदिर का निर्माण कराया और शिवलिंग की स्थापना की। मदिकेरी में कई ऐसे ट्रैकिंग स्थल हैं जहां आप ट्रैंकिंग का मजा ले सकते हैं। ट्रैकर्स के लिए मदिकेरी स्वर्ग हैं। मदिकेरी जाने का बेहतरीन समय है सितम्बर से मार्च। नजदीकी हवाई अड्डा मंगलौर 136 किलोमीटर दूर है। नजदीकी रेलवे स्टेशन कसरगॉड 106 किलोमीटर दूर है। मदिकेरी दूसरे कई मुख्य शहरों से सड़क यातायात से जुड़ा है।

दिल्ली की खुफिया रास्तों की दास्तां

बादशाहों की पसंद दिल्ली की जमीं, कई लड़ाइयों की गवाह बनी। सियासत की इस बिसात पर वे खुद नहीं समझ पाते थे कि कब वे मात खा जाएं। बादशाहों ने अपने बचाव के लिए एक अदद ऐसे रास्ते जरूर तैयार किए, जिससे वे दुश्मनों से बचकर निकल सकें। राजाओं ने अपने शासन में शानदार किले तो बनवाये ही उनमें खुफिया रास्ते भी बनाए। प्रस्तुत है इन्हीं सुरंग नुमा खुफिया रास्तों की सैर ¬ उन खुफिया रास्तों का जिक्र छिड़ा है जिससे होते हुए कभी बादशाहों ने अपनी जान बचाई होगी या फिर चुपचाप शिकार पर जाने के लिए इन रास्तों का इस्तेमाल किया होगा। सियासत की समझ रखने वाले बादशाहों ने सुरंगें भी बनाई, जिसका जिक्र किताबों में है। हाल ही में दिल्ली विधानसभा में भी सुरंग निकलने का दावा किया गया है। इस बारे में अब शोध हो रहा है लेकिन यह पहला मौका नहीं है जब दिल्ली में सुरंग का जिक्र छिड़ा हो। इससे पहले भी कश्मीरी गेट के पास ऑक्टर्स लोनी के घर में सुरंग मिली थी जिसे बंद कर दिया गया, मौजूदा समय में यहां उत्तरी रेलवे का दफ्तर है। माना जाता है कि यह सुरंग कश्मीरी गेट तक निकलती है। इसके साथ निजामुद्दीन औलिया की दरगाह की बावली में भी एक खुफिया रास्ता होने की बात कही गई है। इसी रास्ते से निजामुद्दीन औलिया बावली में आया करते थे। इस पर काम भी हुआ लेकिन प्रशासनिक तौर पर इसके दस्तावेज नहीं प्राप्त हुए। यही नहीं दिल्ली में सात किलोमीटर लंबी सुरंग होनी की भी बात कही जाती है। यह सुरंग इतनी लंबी और बड़ी बताई जाती है कि इससे बादशाह की फौज घोड़े पर बैठकर भी आराम से निकल सकती थी। बाड़ा हिंदूराव के पास पीर गायब ऐतिहासिक स्मारक के पास इसके खंडहर से जाकर सुरंग होने की बात किताबों में दर्ज है। यह सुरंग पीर गायब से फिरोज शाह कोटला तक जाती थी। अब इतनी

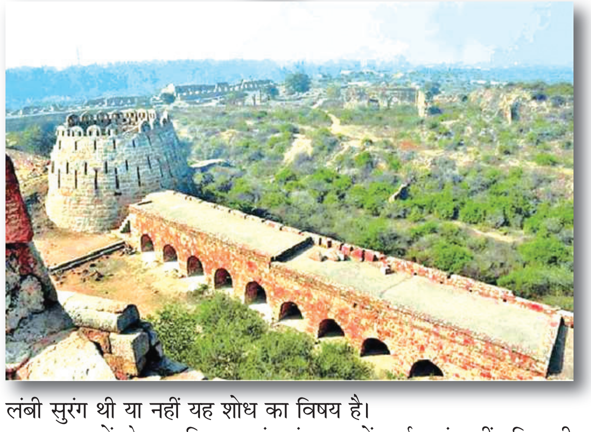

लंबी सुरंग थी या नहीं यह शोध का विषय है।

जानकारों के मुताबिक शहांजहांनाबाद में कई सुरंग थीं, जिसकी जानकारी सिर्फ राजा के चुनिंदा वफादारों तक ही होती थी। सुरंग के कुछ प्रमाण तुगलकाबाद के किले में भी देखे जा सकते हैं। यहां जमीन के अंदर की ओर बने हुए कई रास्ते नजर आते हैं। उस क्षेत्र के लोगों का कहना है कि इस किले और सड़क के पार गयासुद्दीन तुगलक के मकबरे के बीच एक सुरंग है। उसकी कब्र के पास कुछ लोहे के ग्रिल लगी हुई हैं। सुरंग का यह रास्ता कब्र की तरफ जाता है। इसी तरह लालकिले को लेकर कई सुरंगों की कहानी है। जाहिर है यह सत्ता का केन्द्र भी रहा। कहा जाता है कि लालकिले के अंदर एक ऐसी सुरंग हुआ करती थी जो चांदनी चौक को यमुना नदी से जोड़ा करती थी। हालांकि इस बारे में यहां के अधिकारी कुछ भी कहने से कतराते हैं। अलबत्ता रंगमहल के पास पीछे एक गेट जरूर है जिससे शाहजहां यमुना नदी में जाया करते थे।

विजयालक्ष्मी सिर्फ कहानियां ही नहीं हकीकत भी है

शाहजहांनाबाद में सुरंग और खुफिया रास्तों की कहानियां सिर्फ कहानियां नहीं हकीकत भी हैं। दिल्ली में 15 शासकों ने राज किया और हर बादशाह ने अपने बचाव के लिए खुफिया रास्ता बनाया। इसके बारे में इतिहास में इसलिए भी ज्यादा तथ्य नहीं क्योंकि अंग्रेजों को इन रास्तों से ही खतरा था इसलिए सबसे पहले उन्होंने सुरंगों और खुफिया रास्तों को नेस्तोनाबूद किया। आज भी अगर इस संबंध में सर्वे किया जाए तो सुरंगों के बारे में ढेर सारी जानकारियां मिल सकती हैं। 1880 के पहले के इतिहासकारों ने अपनी किताबों में भी इसका जिक्र किया है। विलियम डेलरिंपल की किताब 'सिटी ऑफ जिंस' में उन्होंने लालकिले में सुरंग होने की बात लिखी है, क्योंकि ऐसा कहा जाता है कि शहांजहांनाबाद बसाते समय बादशाह ने अपनी सुरक्षा के लिए अपने किले से शहर के बाहर तक सुरंग बनाई थी। लेकिन इस तथ्य के भी सुबूत नहीं मिलते। वजह, कभी किसी ने इस संबंध में शोध करने की कोशिश ही नहीं की। दंत कथाएं जरूरत हैं लेकिन उन कथाओं का आधार भी हो सकता है इस बारे में किसी एजेंसी को खोजने की लालसा नहीं है। लालकिले में भी सुरंगों के बारे में कई कहानियां है। कहा जाता है जब नादिर शाह ने मुगलों पर हमला किया तब उसने पूरी दिल्ली में कत्लेआम मचा रखा था और सिर्फ तीन घंटे में ही मुगलों की फौज को हरा दिया था। तब बादशाह मोहम्मद शाह ने नादिर से मुलाकात करने के लिए खुफिया रास्ते का इस्तेमाल किया था। लालकिले में जिस तरह मेहताब बाग की खोज की जा रही है उसी तरह उन खुफिया रास्तों की भी तह तक जाने की जरूरत है।

मिटा दिया था नामों-निशान

दिल्ली में तुगलकाबाद के किले के अंदर कुछ एक ऐसे तथ्य मिलते हैं जिससे लगता है कि यहां खुफिया रास्ते रहे होंगे। किले के अंदर भूमिगत बाजार होने के सुबूत मिले हैं, क्योंकि उस रास्ते के दोनों तरफ आर्क मिले हैं। ऐसा लगता है कि इस रास्ते में बाजार लगता होगा। इसी तरह कुछ और रास्ते हो सकते हैं जो जमीन के अंदर होते हों। चूंकि जब अंग्रेज दिल्ली आए उन्होंने सभी ऐसे रास्ते खत्म कर दिए जिससे उनके राज को खतरा था। बेशक उन्होंने बाद में कुछ बनाया होगा जिससे अभी तक एएसआइ अनभिज्ञ हो। चूंकि सुरंगों के नाम पर लोगों की जिज्ञासा जाग जाती है, इसलिए भी कई कहानियां बनाई गई हैं। जैसे कहा जाता है कि दिल्ली से आगरा तक एक सुरंग होती थी, जो कि संभव नहीं है। अगर ऐसा होता तो कुछ शाफ्ट तो मिलते। हो सकता है कि लालकिले के पीछे यमुना नदी से होते हुए आगरा जाने की कहानी को लोगों ने सुरंगी रास्ता बना दिया हो। तुगलकाबाद के किले में कुछ साक्ष्य जरूरत मिले हैं, लेकिन पीर गायब और फिरोजशाह कोटला में सुरंग के बारे में ऐसी कोई जानकारी नहीं है।

दबी हैं कई रोचक कहानियां

सुरंगों के बारे में ज्यादा सुबूत इसलिए भी नहीं हैं क्योंकि ये गुप्त रखे जाते थे। ये वो रास्ते होते थे जहां से राजा और रानी युद्ध के दौरान भाग सकें या फिर वो रास्ते जहां से उनके मुखबिर, भरोसेमंद लोग उनके लिए मुखबिरी करते होंगे। इसलिए इन रास्तों को राज रखा जाता था। उस समय के भी राजाओं के सिवाय कुछ खास लोगों को ही इसके बारे में जानकारी होती थी। दिल्ली में कई राजाओं ने खुद अंग्रेजों ने भी सुरंग बनाई होगी।